सुप्रीम कोर्ट ने कहा- वार काउंसिल चुनाव में 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित -12

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 26000 के नीचे-12

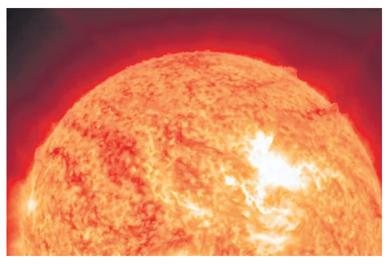

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा, सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास-13

टी-20 सीरीज आज से शुरू होगी, जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम-14

आज का मौसम
21.1° अधिकतम तापमान
07.4° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.52
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी 02:29 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 15, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

हिमालयी क्षेत्र से आ रही सर्द हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ। हिमालयी क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवा के कारण उत्तर प्रदेश में पारा और गिर गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान तो सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार अब हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगा। सोमवार को लखनऊ, कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से सर्दी का असर बढ़ गया। पहाड़ों पर बर्फबारी कराने वाले पश्चिमी विक्षोभ के आने का प्रभाव दिखने लगा है। इस बीच अनुमान है कि यूपी के कई जिलों, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुज्जफरनगर, सहारनपुर में घना कोहरा पड़ सकता है।

सत्येंद्र जैन और डीजेबी के पूर्व अफसरों पर आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी के लिए निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन तथा 13 अन्य के खिलाफ ईडी ने धन शोधन विरोधी कानून के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 14 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि जैन, उदित प्रकाश राय, अजय गुप्ता, सतीश चंद्र वशिष्ठ और कुछ अन्य लोग 17.70 करोड़ रुपये मूल्य की आपराधिक आय के सृजन, अधिग्रहण, छुपाने, कब्जे और उपयोग में शामिल थे।

यूट्यूब के नील मोहन को टाइम ने वर्ष 2025 का सीईओ चुना

न्यूयॉर्क। यूट्यूब के भारतीय मूल के सीईओ नील मोहन को 'टाइम' पत्रिका ने 'वर्ष 2025 का सीईओ' चुना है। पत्रिका ने लिखा कि कई मायनों में यूट्यूब वह सांस्कृतिक पोषण बना रहा है, जिस पर दुनिया निर्भर होने लगी है। टाइम ने मोहन की तारीफ में कहा कि दुनिया में ध्यान बंटाने वाली सबसे शक्तिशाली मशीन' के पायलट आश्चर्यजनक रूप से शांत हैं। भारतीय मूल के मोहन 2023 से ही यूट्यूब के सीईओ हैं। उन्होंने सुसेन वोज्सिकी का स्थान लिया था। इंडियाना के लैफायेट में जन्मे मोहन ने अधिकांश बचपन अमेरिका में बिताया। वह 12 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ लखनऊ चले गए थे।

मुस्लिम लीग के सामने कांग्रेस ने टेके घुटने

वंदे मातरम् के 150 वर्ष के अवसर पर लोकसभा में चर्चा, मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने किए राष्ट्रीय गीत के टुकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा। सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मोदी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदे मातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। तब नेहरू ने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देने के बजाय वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

मोदी ने कहा कि अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। वे सपने लेकर तो आए थे, लेकिन उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

> वंदे मातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदे मातरम् सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी।
> – **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जब वंदे मातरम् का उत्तम पर्व होना था, तब संविधान का गला घोंटा गया

मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदे मातरम के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और जब वंदे मातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा कि हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का। उसी ने संसद में पहुंचाने का रास्ता बनाया। अब हम आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे हैं और वंदे मातरम् हमारी प्रेरणा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना आज भी मौजूद है और वंदे मातरम हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले महापुरुषों का सपना स्वतंत्र भारत का था और आज की पीढ़ी का सपना समृद्ध भारत का है। मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था, जब 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सल्तनत बौखलाई हुई थी। उन्होंने कहा, ''हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

नेहरू ने लिखा था - मुस्लिम भड़केंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा ''वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को क्षुब्ध कर सकती है। इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा कि देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदे मातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, नेहरू ने पत्र में लिखा कि मैंने वंदे मातरम गीत की पृष्ठभूमि पढ़ी है। मुझे लगता है कि जो पृष्ठभूमि है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

बंगाल चुनाव के कारण चर्चा कराई गई: प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सरकार पर 'वंदे मातरम्' को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया और दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है। उन्होंने सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका ने कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में चर्चा करा लेनी चाहिए ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी, महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो।

वाहनों से की बाघ की घेराबंदी, नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रेंजर समेत अन्य को नोटिस, चार सफारी वाहनों के चालक-गाइड चिन्हित, एक दिन पूर्व का मामला

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। दरअसल बीते रविवार को बराही रेंज के साइफन पुल पर चहलकदमी कर रहे एक बाघ को दिखाने के चक्कर में चालक व नेचर गाइडों ने नियमों को तांक पर रख दोनों ओर सफारी वाहन खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, सैलानियों के साथ चालकों और गाइडों ने सफारी वाहन से उतरकर जमकर फोटोग्राफी की। पुल के दोनों तरफ सफारी वाहनों के घिरने से बाघ असहज भी हो उठा। गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ।

इधर इस बड़ी लापरवाही से जुड़ा वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। डिप्टी डायरेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं लापरवाही पर बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी, फारेस्टर, वाचर एवं संबंधित चालकों व गाइडों को नोटिस जारी किया गया है।

साइफल पुल पर बाघ को घेरकर फोटो खींचते सैलानी।

नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 से

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 दिसंबर से शुरू होगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद 15 दिसंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 15 दिसंबर से ही अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम के अनुसार 19 दिसंबर तक रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इसके बाद 20 दिसंबर को सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवंटित सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी।

वोटर लिस्ट में नहीं चाहिए घुसपैठिया लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मुरादाबाद

- मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर कसे पेंच
- भाजपा नेताओं को फर्जी नाम हटवाने और सही जुड़वाने का सौंपा मिशन

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर संगठन के पेंच कसे। उन्होंने जिलों से आए जनप्रतिनिधियों से लेकर पदाधिकारियों को एक सूत्री टास्क सौंपा कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हर हाल में बाहर होना चाहिए। एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम में पूरी शिद्दत से जुटें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सबसे पहले मुरादाबाद के सर्किट हाउस में मंडल के सभी जिलों से आए भाजपा मंत्रियों, जनप्रतिधियों और पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुस्त रफ्तार को लेकर समीक्षा की। बैठक में अफसरों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घुसपैठिया फर्जी वोटरों पर विशेष फोकस रखें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम समय पर करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाही न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर-घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें।

शादी में कम, जनता में ज्यादा जाएं : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में नेहरू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्यमंत्री ने मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां कार्य अटका हो, उसे तत्काल शासन को बताएं। जनप्रतिनिधि शादी-ब्याह में कम जाएं और जनता के बीच अधिक समय दें। गाजियाबाद की कुछ विधानसभाओं में एसआईआर की धीमी प्रगति देखकर मुख्यमंत्री ने असंतोष भी जताया और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। आगरा के आयुक्त सभागार में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ करीब दो घंटे हुई बैठक में मुख्य फोकस एसआईआर ही रहा।

वार मेमोरियल में बिछा रह गया रेड कार्पेट

मुरादाबाद नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने की व्यापक तैयारी की थी। पूरा क्षेत्र सजाया गया, रेड कार्पेट तक बिछाया गया, लेकिन तय कार्यक्रम में बदलाव के कारण सीएम वहां नहीं पहुंचे। सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

प्रवासी पक्षियों से गुलजार हुई प्रदेश की रामसर साइट्स

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र ईको टूरिज्म विकास बोर्ड रामसर साइट्स पर विकसित कर रहा पर्यटक सुविधाएं

अमृत विचार : सर्दियों का आगमन होते ही उत्तर प्रदेश की सभी 10 रामसर साइट्स प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठी हैं। हजारों किलोमीटर दूर से आने वाले इन दुर्लभ मेहमानों ने वेटलैंड्स को फिर से जीवन से भर दिया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर उभारने के लिए तेजी से काम कर रहा है। आगरा और हैदरपुर की दो बड़ी ईको-टूरिज्म परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं, जबकि अन्य स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार जारी है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि आगरा स्थित सूर सरोवर बर्ड सेंक्चुरी में 167.85 लाख रुपये की लागत से पार्किंग, नेचर ट्रेल, वॉच टावर, सोविनियर शॉप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

10 रामसर साइट्स बना रहीं वैश्विक पहचान

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश की 10 रामसर साइट्स - नवाबगंज, पार्वती आर्गा, समान, समसपुर, सांडी, सरसई नावर, सूर सरोवर, ऊपरी गंगा नदी विस्तार, बखिरा व हैदरपुर- आज प्रवासी पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों से सराबोर हैं। सुरक्षित पर्यावरण, समृद्ध जैव-विविधता और प्रबंधन की नई पहलें इन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय संरक्षण मानकों पर और प्रतिष्ठित बना रही हैं।

जापान के उत्तरी तट पर 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी

तोक्यो, एजेंसी

- होंशू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रान्त आओमोरी के पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में सबसे तेज झटके

उत्तरी जापान में सोमवार को 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के तटीय इलाकों में 40 सेंटीमीटर तक की सुनामी आई। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के सबसे तेज झटके जापान के मुख्य होंशू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रान्त आओमोरी के ठीक पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में महसूस किये गए।

एजेंसी के अनुसार होक्काइडो प्रान्त के उराकावा शहर और आओमोरी प्रान्त के मुत्सु ओगावारा बंदरगाह पर 40 सेंटीमीटर की सुनामी आई। सरकारी प्रसारक एनएचके की खबर के मुताबिक, आओमोरी के हाचिनोहे कस्बे के एक होटल में कई लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संवाददाताओं को दिए संक्षिप्त बयान में कहा कि सरकार ने नुकसान की सीमा का तत्काल आकलन करने के लिए एक आपातकालीन कार्यबल का गठन किया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों के जीवन को सर्वोपरि रख रहे हैं और हर संभव प्रयास कर रहे हैं। एनएचके की खबर के मुताबिक, क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा जांच की जा रही है।

इंडिगो संकट डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए इंडिगो ने मांगी माफी, परिचालन को सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की

562 उड़ानें फिर रद्द, इंडिगो के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी सरकार

नई दिल्ली/ मुंबई, एजेंसी

देशभर में उड़ानों के संचालन पर पैदा हुए गतिरोध के बीच इंडिगो ने सोमवार को भी छह प्रमुख हवाई अड्डों पर 562 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें से 150 उड़ानें अकेले बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रद्द की गईं।

यह संख्या नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुमानों से अधिक है, जिसने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द करने के अलावा 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना की जानकारी दी थी। इंडिगो ने सोमवार को रद्द की गई उड़ानों की संख्या अपनी तरफ से सार्वजनिक नहीं की। डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा एवं परेशानी पर क्षमा याचना की है। एयरलाइन ने अपनी उड़ानों के रद्द होने के बाद अपने परिचालन को सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की।

राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए मिसाल पेश की जा सके। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान नायडू ने इंडिगो एयरलाइन को उसके रोजमर्रा के संचालन के दौरान चालक दल एवं ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं।।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तैयार किए गए उड़ान ड्यूटी समयसीमा (एफडीटीएल) संबंधी नए मानकों की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे, जिनमें से 15 को एक जुलाई 2025 से और शेष सात को एक नवंबर 2025 से लागू किया गया। नायडू ने कहा कि एफडीटीएल के कार्यान्वयन के संबंध में इंडिगो सहित कई हितधारकों से परामर्श किया गया था और सरकार ने यह बहुत स्पष्ट कर दिया था कि सभी एयरलाइंस को सुरक्षा से समझौता किए बिना नियमों का पालन करना होगा। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान की जांच कर रहे नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा नियुक्त समिति एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स और मुख्य परिचालन अधिकारी इसिड्रो पोर्केरास को बुधवार को तलब कर सकती है।

- सरकार ने कहा कि जांच शुरू कर दी है सख्त कार्रवाई होगी ताकि अन्य के लिए मिसाल पेश की जा सके

सुप्रीम कोर्ट ने कहा -इंडिगो संकट गंभीर मुद्दा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उड़ानों के रद्द होने के कारण उत्पन्न अव्यवस्था को गंभीर मामला बताया, लेकिन हस्तक्षेप करने से इनकार किया। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, हालांकि शीर्ष अदालत ने इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने इस मामले को सुलझाने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अलग याचिका का उल्लेख किया गया, जिसमें प्रभावित यात्रियों को सहायता और धन वापसी प्रदान करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मामले की सुनवाई 10 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी।

न्यूज ब्रीफ

बाइक लूट की सूचना से मचा हड़कंप

पीलीभीत, अमृत विचार : कुरैया निवासी दीपक रविवार शाम को नानी के घर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सेमरखेड़ा में जा रहा था। जैसे ही वह कोतवाली क्षेत्र के खकरा पुलिस चौकी के समीप पड़ने वाले मोहल्ला भूरे खां में एक मदरसे के निकट पहुंचा। तभी नकटादाना चौराहे की ओर से आए ईको सवार युवकों ने उसकी बाइक को रोककर बाइक छीन ली। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येंद्र कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि उक्त युवक ने बाइक गांव के ही एक युवक से खरीदी थी। जिसको गिरवी रखा गया था। बाइक मालिक ने ही बाइक उससे छीन ली थी। पुलिस ने बाइक को बरामद कर लिया है।

महिलाओं के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : गांव नांद निवासी सूरजपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके भाई विशाल के ऊपर बाइक चढ़ाने के विवाद में गांव का ही शिवचरन 8 नवंबर की शाम 6:30 बजे घर में घुस आया और उसकी मां और बहन के साथ गाली गलौज करने लगे। जब उन्होंने विरोध किया। तो आरोपी ने मारपीट कर दी। जिसमें वह घायल हो गई। जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कार्यवाहक एसओ राजेश यादव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

राशन कोटों पर 10 से बंटेगा खाद्यान्न

अमृत विचार, पीलीभीत : राशन कार्ड धारकों को दिसंबर का राशन 10 से 28 दिसंबर तक वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने बताया राशन कोटे की दुकानों पर राशन का वितरण सुबह 8 से 12 बजे तक एवं दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। अन्त्योदय राशन कार्ड धारकों को गेहूं 14 किग्रा प्रति राशन कार्ड, चावल 21 किग्रा प्रति राशन कार्ड निःशुल्क और 3 किग्रा प्रति कार्ड चीनी 18 रुपये प्रति किग्रा दी जाएगी। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को गेहूं 2 किग्रा प्रति यूनिट और चावल 3 किग्रा प्रति यूनिट निःशुल्क बांटा जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी राशन कार्ड धारकों से वितरण के दौरान अपने राशन कार्डों में दर्ज सभी यूनिटों की ई-केवाईसी जल्द कराने की अपील की है।

वाहन चालकों-गाइडों पर गाज गिरना तय

पीटीआर: सफारी वाहनों से बाघ की घेराबंदी कर टाइगर साइटिंग मामले में रेंजर समेत अन्य को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

साइफन पुल पर सफारी वाहनों से घिरे बाघ को देखते सैलानी। • अमृत विचार

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज के साइफन पुल का वीडियो वायरल वीडियो होने के बाद हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में जंगल से निकलकर एक बाघ साइफन पुल पर चहलकदमी करते देखा गया था। इस बीच कुछ सफारी वाहन पुल के नजदीक जा पहुंचे। बाघ सफारी वाहनों की तरफ देख रहा था, इस बीच पुल के दूसरे छोर पर भी सैलानियों से भरे सफारी वाहन आ पहुंचे। सैलानियों के साथ चालक और नेचर गाइड भी बाघ को नजदीक देखने में जुट गए। इस दौरान चालक और गाइड यह बात भूल ही गए कि उन्होंने बाघ का रास्ता ही ब्लाक कर दिया है। इस दौरान बाघ असहज भी नजर आया। मगर, सैलानियों के साथ जिम्मेदार भी बाघ का वीडियो बनाने में जुटे रहे। जोखिम तब और बढ़ गया जब सैलानियों के साथ चालक और गाइड भी सफारी वाहनों से नीचे उतरकर बाघ की फोटो और वीडियो बनाने में जुट गए। हालांकि कुछ देर बाद एक ओर से सफारी वाहन हटने के बाद बाघ जंगल की ओर चला गया। इधर सोमवार को जब इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया।

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने संबंधित रेंज के अफसरों से मामले की जानकारी कर खासी नाराजगी भी जताई। फिलहाल प्रारंभिक जांच में मौके पर चार सफारी वाहनों के मौजूद होने की बात सामने आ रही है। अब टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा संबंधित सफारी वाहन के चालकों और नेचर गाइडों को चिन्हित किया जा रहा है। इन सभी चालकों और नेचर गाइडों पर बड़ी कार्रवाई होना लगभग तय माना जा रहा है। इस बड़ी लापरवाही के मामले में बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी, फारेस्टर, बीट वॉचर समेत इसमें शामिल सफारी वाहनों के चालकों और नेचर गाइडों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया जा रहा है। इधर डिप्टी डायरेक्टर ने उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को उक्त प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

पिछले सत्र में भी पर्यटन नियमों के उल्लंघन पर हुई थी कार्रवाई फिर भी मनमानी

पिछले पर्यटन सत्र के दौरान भी इस तरह की लापरवाही का मामला सामने आया था। करीब साल भर पहले महोफ रेंज में बाघ दिखने पर सफारी वाहन में सवार सैलानियों फोटो ले रहे थे। इस बीच पीछे से कुछ अन्य सफारी वाहन भी मौके पर पहुंच गए थे। बाघ के आगे-पीछे खड़े सफारी वाहनों में सवार सैलानियों ने बाघ के फोटो एवं वीडियो बनाना शुरू कर दिए थे। सैलानियों को नजदीक से बाघ दिखाने के उत्साह में नेचर गाइड और चालक यह भूल ही गए कि वे बाघ को इस तरह घेरकर पर्यटन नियमों को खुला उल्लंघन कर रहे हैं। मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने मामले की जांच कराई थी। जिसके बाद महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने पर्यटन नियमों को उल्लंघन करने पर दो नेचर गाइडों एवं दो चालकों को 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया था।

> पर्यटन के दौरान बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने को निर्देशित किया गया है। उस दौरान मौजूद चालकों व गाइडों को चिन्हित किया जा रहा है। रेंज स्टाफ का स्पष्टीकरण तलब किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
> – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

चार दिवसीय पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन

संवाददाता, बरखेड़ा

महायज्ञ में आहुति देते श्रद्धालु।

अमृत विचार: अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से आयोजित चार दिवसीय पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव सोमवार को संपन्न हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से शुक्रवार को हुई, जो गांव गौटिया लखनऊ से निकली और पड़ोसी गांव लखनऊ कला होते हुए अमेडी नदी के घाट पर पहुंचकर जल लेकर कार्यक्रम स्थल पर समाप्त हुई। महोत्सव के दौरान रोज सुबह 6 बजे ध्यान साधना और प्रज्ञा योग का आयोजन किया गया, जबकि 8 बजे गायत्री महायज्ञ और देव पूजन हुए। दूसरे दिन दोपहर में कार्यकर्ता गोष्ठी और शाम को संगीत प्रवचन का कार्यक्रम हुआ। तीसरे दिन शाम 6 बजे संगीत प्रवचन और दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। सोमवार को सुबह 6 बजे ध्यान साधना और प्रज्ञा योग के बाद 8 बजे गायत्री महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने आहुतियां दी। दीप यज्ञ और समापन कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार गंगवार, योगेश कुमार, धर्मपाल, कथावाचक जगदीश शरण, लालाराम, वृंदावन, राजेश कुमार, जमुना प्रसाद, प्रेम शंकर, कृष्ण पाल, अरविंद कुमार, गोविंद राम, रमेश चंद्र, सत्यपाल सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने भाग लिया। महोत्सव ने आध्यात्मिक अनुशासन, योग साधना और सामुदायिक सहयोग का संदेश देते हुए क्षेत्रवासियों में गहरी छाप छोड़ी।

निरीक्षण कर परखे विद्यालय के हालात

प्रार्थना में शामिल निरीक्षण को पहुंची टीम। • अमृत विचार

संवाददाता, मझोला

अमृत विचार: चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का सोमवार को वार्षिक निरीक्षण हुआ। प्रधानाचार्य सत्येंद्र सिंह ने बताया विद्या भारती की ओर से प्रतिवर्ष सभी विद्यालयों का निरीक्षण कराया जाता है।

इस दौरान विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, प्रबंधन, कार्यालय आदि को देखा जाता है। इसी क्रम में सरस्वती विद्या मंदिर हाथरस के प्रधानाचार्य लोकेंद्र नाथ शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर सिकंद्राराऊ के प्रधानाचार्य अनिल सिंह चौहान ने निरीक्षण किया।

सर्वप्रथम उन्होंने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन किया। अतिथियों का विद्यालय के आचार्यों ने पटका पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया। विद्यालय की सभी कक्षाओं का गहन निरीक्षण। स्वच्छता, अनुशासन, कार्यालय एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। निरीक्षकों द्वारा प्रबंध समिति, आचार्य, पूर्व छात्र परिषद, छात्र संसद, कर्मचारियों के साथ बैठक की। विद्यालय की उन्नति के सुझाव दिए। निरीक्षण के उपरांत निरीक्षकों द्वारा सभी आचार्यों को शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यालय के विकास में निरंतर सहयोग करने की प्रेरणा प्रदान की। विद्यालय के अध्यक्ष चौधरी वीरपाल सिंह ने सभी आगंतुकों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया। पूर्व अध्यक्ष बलविंदर सिंह ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

बीएसए ने गौशालाओं का किया निरीक्षण

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने सदर तहसील के जगदीशपुर और नूरपुर गौशालाओं का सोमवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोवंशीय पशुओं के चारे, पीने के पानी और ठंड से बचाव की व्यवस्था का मुआयना किया। वह सबसे पहले जगदीशपुर गौशाला में पहुंची, जहां 60 गोवंशीय पशु मौजूद थे। गौशाला में चारा और पानी की पर्याप्त व्यवस्था देख कर संतोष जताया और सभी पशुओं का अच्छे ढंग से रखरखाव करने के निर्देश दिए। इसके बाद नूरपुर गौशाला का निरीक्षण किया, जहां 333 गोवंशीय पशु पाए गए। निरीक्षण में दो पशु बीमार पाए गए। बीएसए ने केयरटेकर को निर्देशित किया कि पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर उनका समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए।

पंचायत में उठा ब्लॉक में भष्टाचार का मुद्दा

मासिक पंचायत में जमा हुए भाकियू भानु कार्यकर्ता। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **भाकियू भानु ने पंचायत में अफसरों की कार्यशैली पर उठाए सवाल**

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन भानू की ब्लॉक स्तरीय मासिक पंचायत सोमवार को ब्लॉक ललौलीखेड़ा में हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा की गई।

ब्लॉक अध्यक्ष सुखलाल गंगवार ने कहा कि ब्लॉक ललौरीखेड़ा की जनता भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। पूर्व में दिए हुए ज्ञापनों पर संतोषजनक कार्रवाई न होने से संगठन में रोष है। तहसील अध्यक्ष पीलीभीत नंदकिशोर राठौर ने कहा कि ललौरीखेड़ा की जनता को सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुख्यमंत्री आवास, प्रधानमंत्री आवास में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। पात्र परिवारों को लाभ नहीं मिल पा रहा। अपात्र लोगों से साठगांठ कर लाभान्वित किया जा रहा है। रामगोपाल प्रजापति ने कहा कि ब्लॉक परिसर में ही पीने के पानी की बड़ी समस्या है। इसकी व्यवस्था जल्द कराई जाए। जिला सचिव बालमुकुंद ने कहा कि क्षेत्र में छुट्टा पशुओं की भरमार है। किसान की फसल को नुकसान पहुंच रहा है और हमले हो रहे हैं। जिनसे पशु भी सुरक्षित नहीं है। इस मौके पर सुरेश कुमार, रामबहादुर, वीरेंद्रगिरि, सतीश गंगवार, सोहनलाल, सेवाराम, कुंजबिहारी गंगवार, सालिकराम, मंशाराम, ओमकार, रामऔतार, पावन सिंह आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन कक्ष निरीक्षकों की लगेगी ड्यूटी, पोर्टल पर अपलोड हो रहा डेटा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **15 दिसंबर तक शिक्षकों का विवरण होगा अपलोड, विषयवार देना होगी जानकारी**
- **18 फरवरी से शुरु हो रही परीक्षाएं, 41821 परीक्षार्थी देंगे परीक्षाएं**

अमृत विचार : यूपी बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाओं को पूरी तरह नकल मुक्त कराने के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। परीक्षा में कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाने के लिए समस्त स्कूलों के शिक्षकों को डेटा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर डीआईओएस की ओर से समस्त विद्यालयों को सूचित कर दिया गया है। यह डेटा 15 दिसंबर तक ही अपलोड होगा। जिसमें शिक्षक को अपनी विषय वार सूचना भी देनी होगी। ताकि ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत ड्यूटी का निर्धारण किया जा सके।

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर परीक्षा 18 फरवरी से शुरू हो रही है। परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए परिषद व माध्यमिक शिक्षा विभाग ने जिलों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी को इस बार तकनीकी प्रणाली से जोड़ते हुए क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र तैयार कराने का निर्णय लिया है। इसे लेकर जिले के सभी माध्यमिक शिक्षा के स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की जानकारी पोर्टल पर ऑनलाइन मांगी गई है। निर्देश दिए गए हैं, किसी भी शिक्षक का डेटा दो विद्यालयों से अपलोड नहीं होना चाहिए। जिस विषय के लिए शिक्षक की नियुक्ति की गई है, उसकी सूचना भी पोर्टल पर दर्ज कराई जाएगी। डीआईओएस ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा छोड़ने या गलत डेटा भरने पर संबंधित विद्यालयों पर कार्रवाई की जाएगी। इस बार परीक्षा में कुल 41,821 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनमें हाईस्कूल के 23,241 और इंटर के 18,580 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। जिले में 66 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। जिनके फाइनल करने की प्रक्रिया भी चल रही है। डीआईओएस राजीव कुमार ने बताया सभी विद्यालयों का डेटा अपलोड करने की प्रक्रिया चल रही है। सभी को पहले ही सूचित कर दिया गया है। साथ अन्य तैयारियां भी चल रही है। ताकि जिले में परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

श्रम प्रवर्तन विभाग ने नौ बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

पीलीभीत, अमृत विचार: श्रम प्रवर्तन विभाग की ओर से अभियान चलाकर प्रतिष्ठानों पर काम कर रहे नौ बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया है। उनसे कार्य कराने वाले को नोटिस जारी किए गए।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर श्रम प्रवर्तन विभाग द्वारा सोमवार को बिलसंडा क्षेत्र में अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी भूरे के नेतृत्व में टीम ने दुकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कई प्रतिष्ठानों पर काम करने करने वाले 9 बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। टीम ने मौके पर बच्चों से काम कराने वाले 6 दुकानदारों को नोटिस जारी कर भविष्य में बाल श्रमिकों से कार्य न कराने की चेतावनी दी है। टीम में कार्यालय सहायक शंकर लाल समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

अच्छे कार्यों के लिए प्रधानों का सम्मान

संवाददाता, दियोरिया कला

ग्राम प्रधानों के साथ जनसंपर्क करते विधायक विवेक वर्मा। • अमृत विचार

- **कुंडी खटकाओ अभियान के तहत विधायक ने किया जनसंपर्क**

अमृत विचार : बिलसंडा ब्लॉक में प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच ग्राम प्रधानों की सूची जारी की गई है। इसमें दियोरिया कला के अजय सिंह, बड़ागांव के सचिन गंगवार, जादौपुर नथा के संजय कुमार, बेहटी के नितिन कुमार और ओड़ाझार के रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर नेमचंद्र गंगवार शामिल हैं। अजय सिंह और सचिन गंगवार ने अपने कार्यकाल में विकास कार्यों को बिना किसी भेदभाव के क्रियान्वित किया और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान तत्परता से किया। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने अजय सिंह के आवास पर पहुंचकर उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी। इसके बाद विधायक ने दियोरिया कला, बसेंगा, गोपालपुर और खपटिया में कुंडी खटकाओ अभियान के तहत घर-घर जाकर ग्रामीणों से हालचाल पूछा और जनसंपर्क किया। इस दौरान अजय सिंह, मनोज गुप्ता, राजकिशोर तिवारी और अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। अजय सिंह एक बड़े किसान और राष्ट्रीय स्तर के शूटर भी हैं, जिन्होंने कई प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किए हैं। क्षेत्रीय ग्राम प्रधानों ने दोनों प्रधानों को इस सम्मान के लिए बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की।

जनसुनवाई के निस्तारण में पीलीभीत प्रदेश में अव्वल

अमृत विचार, पीलीभीत: जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से मिलने वाली जन शिकायतों के गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण पर शासन ने नवंबर की रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें पीलीभीत को जनसुनवाई प्रकरण के निस्तारण में प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त हुई है।

इतना ही नहीं जनपद की तहसील पूरनपुर, अमरिया एवं तहसील बीसलपुर को प्रथम रैंक प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने अधिकारियों को बधाई देते हुए आगे भी जनपद का नाम प्रदेश की सूची में प्रथम स्थान पर बनाए रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण करें, ताकि रैंक अच्छी बनी रहे।

एसआईआर

अधिकारियों को डाटा मैपिंग व रिपोर्ट में त्रुटि न करने के दिए निर्देश

डीएम ने अधिकारियों और राजनीतिक दलों से की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समस्याओं और शंकाओं का किया समाधान**

अमृत विचार: जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्होंने डाटा मैपिंग एवं उच्चाधिकारियों को प्रेषित रिपोर्ट में किसी भी तरह की त्रुटि न करने के निर्देश दिए। वहीं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में सहयोग की अपील की।

गांधी सभागार में सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी / डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को एसआईआर कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा डाटा मैपिंग और उच्चाधिकारियों को प्रेषित रिपोर्ट में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसके लिए प्रत्येक बिंदु का पुनरावलोकन अवश्य किया जाए। संबंधित अधिकारी, ग्राम प्रधान, कोटेदार, पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य के साथ बैठक कर सत्यापन सुनिश्चित कर लें।

अपात्र मतदाताओं को सूची से हटाने और पात्र मतदाताओं का नाम शामिल करने में किसी प्रकार की चूक न हो। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, डीडीओ संजय कुमार, उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह, डीआईओएस राजीव कुमार सिंह, सहायक निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गांधी सभागार में एसआईआर कार्य के संबंध जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। • अमृत विचार

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सहयोग की अपील

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एसआईआर के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। गांधी सभागार में हुई बैठक के दौरान जनपद की चारों विधानसभा का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान से संबंधित डाटा प्रदर्शित किया गया। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की समस्या एवं शंकाओं का भी समाधान किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजनीतिक दलों को एएसडी की सूची उपलब्ध कराई जाए तथा एसआईआर से संबंधित अपडेट राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से एसआईआर कार्य में सहयोग करने की भी अपील की। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह समेत एसडीएम, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कृष्ण कुमार कश्यप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास योजना के 191 पात्रों को मिले स्वीकृति पत्र

बिलसंडा, अमृत विचार : भाजपा विधायक विवेक वर्मा ने मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 191 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम ब्लॉक स्थित अटल सभागार में आयोजित किया गया। बीडीओ अमित शुक्ला ने बताया योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, अवर अभियंता सालिकराम, ओमजी शर्मा, रामदास पाठक, रजनीश कुमार, सुमित गुप्ता, सचिव कुमार, प्रदीप कुमार, प्रियांशु द्विवेदी, राहुल पुष्कर, केपी सिंह, प्रवीन मौर्य के अलावा क्षेत्र के ग्राम प्रधान और लाभार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लाभार्थियों को आवास योजना की जानकारी दी गई और उन्हें आगामी निर्माण कार्यों में सहयोग एवं नियमों के पालन का निर्देश भी दिया गया।

गोवंश को ठंड से बचाने के लिए करें पर्याप्त इंतजाम

संवाददाता, पीलीभीत

- **डीएम ने मॉडल गोशालाओं के रूप में विकसित करने पर दिया जोर**

अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जनपदस्तरीय गोवंशीय पशुओं के संरक्षण, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक हुई। गांधी सभागार में सोमवार को हुई बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पीके त्यागी ने गोशालाओं तथा जन सहभागिता के तहत दिए गए गोवंशीय पशुओं और संरक्षित पशुओं के बारे में बताया।

इस दौरान डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए गोशालाओं में तिरपाल और बोरों की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। गो आश्रय स्थल निर्माण की जानकारी प्राप्त कर गो आश्रय स्थल पर बाउंड्रीवाल और तार फेसिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन गोशालाओं में बिजली कनेक्शन नही है, उन सभी गोशालाओं में बिजली कनेक्शन कराने के निर्देश दिए। सहभागिता योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि गोशालाओं से दान किए गए गोवंशों का सत्यापन कराया जाएं और साथ ही जनपद की गोशालाओं को मॉडल गोशालाओं के रूप में विकसित किया जाए। इस दौरान नैपियर घास का रकवा बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा, यदि गोशालाओं के पास पर्याप्त संख्या में हरा चारा उपलब्ध होगा तो पशुओं के लिए अच्छा रहेगा।

बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, डीडीओ संजय कुमार, डीपीआरओ रोहित भारती, डीसी मनरेगा हेमंत कुमार यादव, बीएसए रोशनी सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में आज

- रोटरी क्लब की ओर से शरद मेले को लेकर होटल में प्रेस वार्ता 12 : 30 बजे
- श्री बालाजी नीम –करोली धाम कांशीराम ईदगाह कॉलोनी में हवन दोपहर 1 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 6 बजे।

न्यूज ब्रीफ

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : महिला से मारपीट और छेड़छाड़ के आरोप में एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विधवा ने एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने बताया वह एक नवंबर को सुबह 10 बजे घर से शहर जा रही थी। आरोप है तभी रास्ते में दौलतपुर से करोड़ रोड पर सुनसान जगह पर उसके ही गांव के गंगाशरण ने उसे पकड़ लिया और उससे छेड़छाड़ करने लगा। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट की। जिससे वह घायल हो गई। शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। जब वह घायल अवस्था में थाने में शिकायत करने पहुंची। लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। आरोपी लगातार उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। अब इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वृद्ध से लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव परेवा अनूप निवासी उमाचरन ने 3 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने कहा कि उसके पिता जवाहरलाल सेवानिवृत अध्यापक ने कस्बा बरखेड़ा में स्थित स्टेट बैंक से अपने खाते से पेंशन के 38 हजार रुपये निकाले थे। रास्ते में चोरों ने लस्सी या केले में कुछ नशीला पदार्थ उन्हें खिलाकर उपरोक्त नकदी चोरी कर ली गई थी। उसके पिता बरखेड़ा बीसलपुर मार्ग पर स्थित गांव पतरसिया के समीप नशे की हालत में पड़े मिले थे। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पुलिस इस मामले में प्रकाश में आए एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। अब पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को कोतवाली बीसलपुर के गांव कासिमपुर निवासी महेंद्र को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सिर में गोली लगने से युवक की मौत, बाग में मिला शव

मृतक की पहचान सभासद के भाई के रूप में हुई, शव के पास तमंचा-कारतूस मिला, आत्महत्या या हत्या की जांच कर रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की शिवनगर कॉलोनी के पास सोमवार सुबह एक बाग के पास एक युवक का गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। उसके सिर में गोली लगी हुई थी। मौके पर सूचना पाकर सीओ सिटी सहित फॉरेंसिक टीम और पुलिस बल तुरंत पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। शव के पास से एक तमंचा और कुछ कारतूस भी बरामद हुए हैं। मृतक की पहचान सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के मोहल्ला नगासा निवासी पूर्व सभासद वेदप्रकाश के भाई कमल के रूप में हुई है। पुलिस परिवार से बातचीत कर जानकारी जुटा रही है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के शिवनगर कॉलोनी में स्थित आम के बाग में एक पेड़ के नीचे सोमवार सुबह 9:30 बजे 45 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा मिला। युवक के नाक और आंख के पास एक गोली लगी हुई थी, जो सिर के ऊपरी हिस्से से निकल गई थी।

मौके पर मौजूद सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी व मौजूद पुलिस बल। ● अमृत विचार

पास में ही एक तमंचा और कारतूस पड़ा था। उधर से खेत की ओर जा रहे मजदूरों ने खून से लथपथ शव पड़ा देखा तो शोर मचाया। इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येंद्र कुमार और सुनगढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची। मामला गंभीर लगते

- **सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य**

हुए मौके पर फील्ड यूनिट की टीम को बुलाया गया।

टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मृतक की तलाशी ली, लेकिन ऐसा कोई अभिलेख नहीं मिला। जिससे उसकी पहचान हो सके। हालांकि मृतक

> गोली लगने से युवक की मौत हुई है। उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक की पहचान होने के बाद ही घटनाक्रम से पर्दा उठ सकेगा। हत्या और आत्महत्या की कड़ियों के बीच पुलिस जांच कर रही है।
>
> **–दीपक चतुर्वेदी**, सीओ सिटी

की जेब से एक पर्स मिला, जो कि बीसलपुर के एक सराफ की दुकान का था। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने बीसलपुर पुलिस से संपर्क किया। साथ ही दुकानदार से भी जानकारी जुटाई। फिलहाल कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने शिनाख्त के लिए समस्त थानों में उसका फोटो भेज प्रयास शुरू कर दिए हैं। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस युवक की मौत को लेकर हत्या और आत्महत्या दोनों ही एंगल पर जांच कर रही है। इसको लेकर पुलिस ने तमंचे से फिंगर प्रिंट भी मैच किए हैं।

जेब में मिले चार सौ रुपये और चार कारतूस

मृतक के पास मौके पर एक तमंचा और एक कारतूस का खोखा पड़ा मिला। जब टीम ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से चार सौ रुपये के साथ चार कारतूस भी बरामद हुए। साथ ही एक पुड़िया में लौंग और कपूर भी रखा मिला। इतना ही उसने सिर पर एक रुमाल भी बांध रखा था। लेकिन शिनाख्त से जुड़ी कोई वस्तु नहीं मिली।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

युवक की मौत के मामले में पुलिस हर एंगल पर जांच रही है। पुलिस ने पहले तो आसपास में बने मकान में रहने वाले लोगों से घटना की जानकारी की, लेकिन कोई कुछ नहीं बता सका। अब पुलिस इस एरिया में लगे समस्त सीसीटीवी चेक कर रही है। ताकि युवक का पता चल सके कि वह अकेला था या साथ में अन्य कोई और भी था। पुलिस के मुताबिक एक स्थान पर लगे सीसी कैमरे में मृतक अकेले ही जाते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस अन्य स्थानों पर लगे सीसी कैमरों की फुटेज चेक कर रही है। पास में काम कर रहे श्रमिकों से भी घटना की जानकारी की गई। मगर वहां काम करने पहले श्रमिकों ने बताया कि वह सुबह नौ बजे तक वहां कोई नहीं था। जब वह दोबारा आए। तो शव पड़ा हुआ था।

पालिका में गबन के दो आरोपी भेजे गए जेल, तीन फरार

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर पालिका के लाखों रुपये के गबन के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया है।

दो माह पूर्व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शमशेर सिंह की ओर से कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया कि नगरपालिका में कार्यरत तत्कालीन कर अधीक्षक उमेश आनंद, कर निरीक्षक अंकित वर्मा, सफाई कर्मी रामनिवास चपरासी, उपेंद्र कुमार और जितेंद्र कुमार ने नगर पालिका की वसूली गई राशि करीब 50 लाख रुपये हड़प लिए थे। मामला सही पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने रामलीला मैदान में रावण की प्रतिमा के पास खड़े मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी उपेंद्र कुमार और जितेंद्र कुमार को धर दबोचा और उन्हें जेल भेज दिया।

पशु औषधि केंद्र में मिलेगी सस्ती दवाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पशुपालकों को अब पशुओं के इलाज पर अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा। जन औषधि केंद्र की तर्ज पर जनपद में जल्द ही पशु औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जहां पशु पालकों को सस्ते दर पर पशुओं की दवाएं, वैक्सीन, मिनरल मिक्सचर समेत अन्य पशु चिकित्सीय सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। यह पशु औषधि केंद्र जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र एवं सहकारी समितियों में खोले जाएंगें।

सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के माध्यम से किसानों एवं पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनरिक पशु चिकित्सा दवाओं के वितरण का रास्ता साफ कर दिया है। कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में जन औषधि केंद्रों की तर्ज पर अब जनपद में पशु औषधि केंद्र खोले जाएंगें। इन पशु औषधि केंद्रों पर

- **जनपद के सभी सात ब्लाकों में चरणबद्ध तरीके से खोले जाएंगे पशु औषधि केंद्र**

पशुओं की महंगी दवाओं को भी सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। जनपद में सात ब्लॉक हैं। प्रत्येक ब्लॉक में एक पशु औषधि केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह पशु औषधि केंद्र पंजीकृत प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएम-केएसके) और सहकारी समितियों द्वारा खोले जा सकेंगे।

जहां रोजमर्रा में उपयोग होने वाली पशुओं की दवाएं, वैक्सीन, विटामिन, मिनरल मिक्सचर समेत अन्य पशु चिकित्सीय सामग्री बाजार से काफी कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग का दावा है कि इस कदम से पशुपालकों को आर्थिक राहत मिलेगी और पशुओं में बीमारियों की रोकथाम भी आसान होगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया चरणबद्ध तरीके से जनपद की प्रत्येक ब्लाक में यह इकाई स्थापित

> यह योजना पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत लागू की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां आसानी से उपलब्ध कराना और पशुपालकों के इलाज का खर्च कम करना है। जल्द ही इसको लेकर आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।
>
> **– पीके त्यागी**, मुख्य चिकित्सा अधिकारी।

की जाएगी। केंद्र पर सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहे, इसको लेकर दवाओं की सूची भी अपडेट की जाएगी। बता दें कि वर्तमान में कई बार बाजार में दवाएं महंगी होने के कारण पशुपालक पशुओं का इलाज करवाने से कतराते हैं, या फिर पशु चिकित्सक द्वारा लिखी गई सभी दवाइयों के स्थान पर अधूरी दवा देकर पशुओं के स्वास्थ्य से समझौता करते हैं। पशु औषधि केंद्र के संचालन से इन समस्याओं पर रोक लगेगी। विभाग के मुताबिक पशुपालकों को दवाओं के उपयोग, टीकाकरण के महत्व और पोषण संबंधी जागरूकता आदि के लिए नियमित शिविर भी लगाए जाएंगे।

कार को बचाने के चक्कर में हाईवे पर पलटा ट्रक

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह कोहरे के बीच एक गेहूं से भरे ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह खाईं में पलट गया। ट्रक चालक ने पूरनपुर से पीलीभीत की ओर आ रही कार को टक्कर से बचाने के प्रयास में वाहन पर नियंत्रण खो दिया। हादसे में चालक घायल हो गया।

हादसा गजरौला क्षेत्र में सोमवार सुबह 9 बजे हुआ। ट्रक चालक बाजपुर (उत्तराखंड) से गोपालगंज (बिहार) जा रहा था। जिसमें बरेली के देवरनियां थाना क्षेत्र के नगला निवासी ट्रक चालक गुफरान और तफसीर भी मौजूद थे। जैसे ही ट्रक माला नदी (बिनौर) पुल के पास पहुंचा, सामने से आ रही कार को बचाने की कोशिश में ट्रक अनियंत्रित होकर खाईं में पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया ट्रक में भरा गेहूं वाहन के पलटने के बाद भी फैल नहीं पाया।

अतिरिक्त दहेज के लिए महिला सिपाही का उत्पीड़न, जेठ पर दुष्कर्म का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले के एक थाने में सेवा दे रही महिला सिपाही की दहेज न देने पर उत्पीड़न का मामला सामने आया है। महिला सिपाही का उत्पीड़न करने वाला और कोई नहीं बल्कि खुद एक सिपाही है। जिसकी तैनाती अन्य जिले में है।

महिला सिपाही का आरोप है कि पति और ससुरालीजन न सिर्फ दहेज की मांग को लेकर उसका शारीरिक व मानसिक शोषण कर रहे थे, बल्कि जेठ ने उससे दुष्कर्म भी किया। अब इस मामले में पीड़िता ने मेरठ निवासी पति और ससुरालियों के खिलाफ बीसलपुर थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है। बुलंदशहर की रहने वाली महिला सिपाही ने बीसलपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि वर्तमान में उसकी तैनाती जिले में चल रही है। उसकी शादी 26

- **जिले के एक थाने में तैनात है पीड़िता, पति भी पुलिस में है सिपाही**
- **पीड़िता की तहरीर के आधार पर बीसलपुर थाने में दर्ज हुई एफआईआर**

जनवरी 2023 को मेरठ जिले के थाना खरखौदा निवासी एक युवक से हुई थी। उसका पति भी सिपाही है। उसकी वर्तमान तैनाती जिला गौतमबुद्ध नगर में है। शादी में हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। मगर कुछ समय बाद ससुराल वालों ने उन्हें प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। शादी के दो दिन बाद ही स्कॉर्पियो कार की मांग करने लगे। विरोध करने पर उन्हें गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी गईं। गर्भावस्था के दौरान पति और ससुर द्वारा कथित रूप से लड़का होने की दवा खिलाने का दबाव बनाया गया तथा पीलीभीत पहुंच कर मारपीट भी की गई, जिसके कारण जन्मे बच्चे को दौरे पड़ने की समस्या हो गई। पीड़िता के अनुसार नामकरण के समय भी पांच लाख रुपये की मांग की गई। 5 सितंबर 2024 को पति को जेठानी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखने पर ससुराल वालों ने उससे मारपीट कर जबरन सैनिटाइजर पिला दिया। जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बावजूद उसने गृहस्थी बचाने की कोशिश की। महिला ने आरोप लगाया कि जेठ ने पांच अक्टूबर 2025 को तमंचे के बल पर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसकी एफआईआर पूर्व में थाना खरखौदा, मेरठ में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। अब ससुराल वाले उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने सिपाही पति समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

मेडिकल कॉलेज में कार चलाने पर विवाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज कैंपस में कार दौड़ा रहे एक सीएमओ अधीन स्वास्थ्य कर्मी को सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया, उनसे कैंपस में कार चलाने का कारण पूछा।

इस पर स्वास्थ्यकर्मी भड़क उठा और देखते-ही-देखते दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इस पर सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें कार से खींच लिया और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हंगामा करने वाले कर्मचारी को हिरासत में ले लिया। लेकिन कोई लिखित तहरीर न मिलने पर उन्हें छोड़ दिया गया। मामला रविवार रात करीब 10

- **सूचना पर पहुंचे कोतवाल ने दोनों पक्षों को समझाया**
- **अस्पताल परिसर में देर रात तक दोनों पक्षों में हुई नोकझोंक**

रोज कैंपस में तेज रफ्तार से कार चलाने का आरोप

सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि यह कार रोजाना कैंपस में तेज रफ्तार में चलाते हैं। रविवार को भी यहीं किया। इस पर उन्हें रोक लिया। जब उन्हें समझाने का प्रयास किया तो वह गाली –गलौज करने लगे। तो सुरक्षाकर्मी भी भड़क गए। दोनों के बीच मारपीट भी हो गई। शोर शराबा सुनकर मौके पर भीड़ जमा हो गई। इस पर कुछ सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें कार से खींच लिया और सूचना कोतवाली पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी पहुंचे। उस दौरान भी वह अभद्रता करता रहा। काफी देर चली बहस के बाद मामला समझा बुझाकर शांत कर दिया। अब उनकी अभद्रता करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

बजे के आसपास का है। मेडिकल कॉलेज कैंपस में सुरक्षा कर्मी ड्यूटी कर रहे थे। तभी एक कार तेज रफ्तार से कैंपस में घुसी। और पानी की टंकी के पास रुक गई। इस पर सुरक्षा कर्मियों ने कार चालक को रोक लिया और उन्हें कार दौड़ने का कारण पूछा। इस पर वह भड़क गया। उसने स्वयं को सीएमओ कार्यालय में तैनात कर्मचारी बताते हुए गार्ड को धमकाना शुरू कर दिया।

घर में घुसकर छेड़छाड़ विरोध पर की मारपीट

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मां की मौत के बाद घर में अकेली रह रही युवती से पड़ोसी ने घर में घुसकर छेड़छाड़ की। जब उसने विरोध किया तो आरोपी परिवार के साथ घर में घुस गया। और उसके साथ मारपीट की। जिसमें वह घायल हो गई। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती ने बताया वह कई साल से मां के साथ अकेली रहती थी। सात माह पूर्व उसकी मां की मौत हो गई, तब से वह अकेले रह रही है। उसका भाई दूसरे मकान

- **युवती की तहरीर पर पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

में रहता है। उसके पड़ोस का अरसान उस पर बुरी नीयत रखता है। कई बार उससे छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें भी कर चुका है। 10 नवंबर को शाम 7 बजे आरोपी ने उसके घर में घुस आया और छेड़छाड़ करने लगा। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुए भाग गया। थोड़ी देर बाद आरोपी अरसान अपने पिता अंसार, मां रिहाना, बहन निदा और नगमा के साथ दोबारा घर में घुस आया। सभी आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जिससे वह घायल हो गई।

थाने में हाजिरी नहीं देने पर दो आरोपियों को भेजा जेल

दियोरिया कला, अमृत विचार : कोर्ट में विचाराधीन मामले में हाजिरी न देने पर कोर्ट ने दो युवकों के वारंट जारी किए थे। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दियोहना पट्टी निवासी दयाराम और गोधन लाल पर न्यायालय में अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल देने का मामला विचाराधीन चल रहा है। जिसमें युवक द्वारा तारीख पर हाजिरी न देने पर कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया। पुलिस ने फरार चल रहे वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

नेपाली महिला की हत्या के मामले नामजद रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पति की मौत के बाद घर में अकेली रह रही नेपाली महिला की हथौड़े से हमला करके हत्या करने के मामले में पुलिस ने बेटे की तहरीर पर आरोपी पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की। हालांकि आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

माधोटांडा थाने में दी गई तहरीर में ग्राम पुरैना ताल्लुके महाराजपुर निवासी लवप्रीत सिंह ने बताया कि उसके पिता की मौत 2016 में हो गई थी। वह चार भाई -बहन है। वह भाई जसप्रीत के साथ कानपुर में मजदूरी करते हैं। बहन गुड्डो कौर उर्फ रजविंदर की

- **आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दे रही दबिश**

शादी पंजाब में हुई है। छोटा भाई मजिंदर पंजाब में बुआ के पास रहता है। मां मंजीत कौर घर पर अकेली थी। उन्होंने अपने सहारे के लिए ग्राम नगरिया खुर्दकलां के रहने वाले मुकेश मंडल रख रखा था। मां ने कई बार कॉल कर बताया था कि वह मुकेश से छुटकारा चाहती हैं। मगर वह घर पर ही रहना चाहता है। इसी को लेकर मां परेशान रहती थी। 7 दिसंबर को सुबह 8:30 बजे सूचना मिली कि मुकेश मंडल ने मां के साथ मारपीट की। हथौड़े और बांके से वार करके हत्या कर दी है।

टेंडर का खेल | डीएम से मिलकर भी ठेकेदारों ने फिर सुनाया दुखड़ा, अपर मुख्य अधिकारी की कार्यशैली पर उठाए सवाल

ठेकेदार–अपर मुख्य अधिकारी में नोकझोंक, शासन में शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला पंचायत में चल रहा टेंडर के खेल का मामला आए दिन गरमाता जा रहा है। शिकायत करने वाले ठेकेदारों के आरोपों के बाद अब जांच में भी धांधली करने की बात कही जा रही है। राज्यमंत्री से लेकर कई बार डीएम से भी ठेकेदार मिल चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी है। इधर, अपर मुख्य अधिकारी से मिलने पहुंचे ठेकेदारों की जमकर नोकझोंक हुई। धरने की भी चेतावनी ठेकेदारों की ओर से दी गई। मगर उसके बाद भी नतीजा शून्य ही रहा। डीएम से भी दोबारा से शिकायत की गई। इसके बाद दर्जनों ठेकेदारों ने एक साथ प्रमुख सचिव पंचायती राज को शिकायत दर्ज कराई है। दिनभर जिला पंचायत में इसे लेकर हंगामा चलता रहा।

बता दें कि जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों ने 27 नवंबर

जिला पंचायत कार्यालय। ● अमृत विचार

को एक शिकायत डीएम से की थी। जिसमें जिला पंचायत द्वारा 98 कार्य के लिए आमंत्रित की गई ई-निविदाओं में नियम और शर्तों का उल्लंघन करने की बात कही थी। सीडीओ की अगुवाई में जांच कमेटी गठित की गई लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी इस जांच का नतीजा नहीं निकल सका है। बीते दिनों राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार से भी शिकायत की गई थी। डीएम से दो बार पूर्व में ही ठेकेदार मिलकर दुखड़ा सुना चुके हैं। सोमवार को शिकायत करने वाले ठेकेदार जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान टेंडरों में धांधली को लेकर सवाल शुरू हुए और मामला तूल पकड़ता चला गया।

जांच पूरी नहीं, एग्रीमेंट को भेज दी फाइल

ठेकेदारों ने अपर मुख्य अधिकारी पर एक और संगीन आरोप लगाया है। ठेकेदारों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया को लेकर अभी जांच पूरी नहीं हो सकी है। इसके बावजूद अपर मुख्य अधिकारी की ओर से एग्रीमेंट की पत्रावली भेज दी गई है। हालांकि उनका ये भी कहना है कि कोषाधिकारी ने पत्रावली वापस कर दी है। फिलहाल इसे लेकर भी मनमानी के आरोप लगाए जा रहे हैं। जबकि कोषाधिकारी सुरेश कुमार यादव का कहना है उनके पास कोई फाइल नहीं भेज गई है।

- **जिला पंचायत में बीते दिनों हुए करीब 25 करोड़ के टेंडरों में मनमानी का है आरोप**

अपर मुख्य अधिकारी और शिकायत करने वाले ठेकेदारों के बीच जमकर कहासुनी हुई। करीब आधे घंटे तक तीखी नोकझोंक हुई। जिसके बाद ठेकेदारों ने धरना देने की भी चेतावनी दी। इंजीनियर के अवकाश पर होने के बावजूद उसके डोंगल के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया, तो भी बहस बढ़ती चली गई। इसके बाद गुस्साए ठेकेदार डीएम से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। डीएम से जांच में देरी को लेकर नाराजगी जताई। अपर मुख्य अधिकारी के रवैये पर भी सवाल उठाए गए। इस पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने सीडीओ और सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया। इधर, ठेकेदारों ने कोई निष्कर्ष न निकलने पर अब पूर्व की शिकायत के आधार पर ही निस्तारण न होने पर प्रमुख सचिव पंचायती राज को करीब 20 ठेकेदारों की ओर से आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई है।

गन्ने के खेत में मिली मानव खोपड़ी, हड़कंप

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के नवदिया दुर्जनपुर गांव में सोमवार को गन्ने के खेत में मानव खोपड़ी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी। खोपड़ी की जांच से यह स्पष्ट होगा कि यह लापता रघुनंदन की है या किसी अन्य व्यक्ति की।

बता दें कि सोमवार को किसान गन्ने के खेत में काम कर रहे थे। इस दौरान पहले एक खोपड़ी पड़ी दिखी। जिससे देखकर ग्रामीण दंग रह गए। उन्होंने मामले में प्रधान और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी की और उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर

- **सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के नवदिया दुर्जनपुर गांव का मामला**
- **पुलिस ने कब्जे में लेकर डीएनए जांच के लिए भेजा**

साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने खोपड़ी को कब्जे में लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया है। बता दें कि नवदिया दुर्जनपुर निवासी रघुनंदन दिवाली के दिन से लापता है। उसके परिवार और गांव वालों ने आशंका जताई है कि यह खोपड़ी संभवत उनकी हो सकती है। हालांकि यह केवल अनुमान है और सत्यापन फॉरेंसिक और डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही संभव होगा। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि खोपड़ी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही व्यक्ति की पहचान और मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। वहीं गांव में कयासबाजी का दौड़ शुरू हो गया है, लोग लापता रघुनंदन की खोपड़ी होने का अंदेशा जता रहे है।

पति समेत पांच के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

माधोटांडा, अमृत विचार: अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम रंपुरा फकीरे निवासी ज्योति सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 8 मई 2017 को न्यूरिया क्षेत्र के बिठौरा खुर्द गांव के निवासी नवनीत सिंह पुत्र स्वर्गीय अरुन सिंह से हुई थी। उसके मायके वालों ने हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। मगर ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। आरोप है कि ससुरालियों ने एक लाख रुपये, वाशिंग मशीन की मांग पूरी न होने पर छह दिसंबर को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति नवनीत सिंह, सास सुनीला देवी, जेठ रजनीश सिंह, ननद निशी सिंह, नीतू के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है।

सरकारी कंबल में ठंड से कांप रहे मरीज

जिला अस्पताल में बिगड़ी व्यवस्थाएं, एक कंबल से दूर नहीं हो रही ठंड, घर से मंगाने पड़ रहे और कंबल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : कड़ाके की ठंड में जिंदगी और मौत से जूझते मरीजों के लिए जिला अस्पताल किसी पनाहगाह की बजाय परेशानी का सबब बना हुआ है। हालात यह हैं कि वार्डों में मिलने वाले सरकारी कंबल ठंड रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं, जिस कारण मरीज रातभर ठिठुरते रहते हैं और अंततः मजबूर होकर घरों से रजाई मंगवाने पर भी विवश हैं। न हीटर की कोई व्यवस्था, न ही अतिरिक्त कंबलों का सहारा। इधर, अस्पताल परिसर में बने रैन बसेरे की दशा भी किसी उजड़े आश्रय जैसी है। यहां भी ठंड से बचाव का कोई साधन न होने के कारण तीमारदार पूरी रात ठिठुरते हुए यहां-वहां भटकते नजर आते हैं, लेकिन जिम्मेदारों की निगाहें उन पर नहीं पहुंचती है।

बता दें जिले में दिसंबर आते ही सर्दी का कहर शुरू हो गया। कोहरे की चादर छाए हुई है। ऐसे में शासन ने भी एडवाइजरी जारी कर दी है, जिसमें रैन बसेरा और अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन मेडिकल कॉलेज अधीन पुरुष अस्पताल और महिला अस्पताल में अव्यवस्थाएं साफ दिखाई दे रही हैं। नियम है कि सर्दी के मौसम में मरीज को कंबल, गर्म खाना और वार्ड में हीटर आदि की व्यवस्था करने का प्रावधान है। रविवार देर रात पड़ताल के दौरान हड्डी वार्ड, सर्जरी वार्ड और अन्य वार्डों में मरीज ठंड से परेशान दिखे। मरीजों ने बताया कंबल तो मिला। लेकिन वह इतना पतला है कि उसमें ठंड नहीं रुक रही है। कई मरीजों ने बताया कि ठंड से बचने के लिए या तो घर से कंबल मंगवाने पड़ रहे हैं या फिर ठंड से कांपते हुए रात गुजारनी पड़ रही है। इसके अलावा मरीज के पास एक तीमारदार के बैठने के लिए बेंच तक की सुविधा नहीं है।ऐसे में तीमारदार जमीन में ही चादर बिछाकर सो जाते हैं।

वार्ड में जमीन में लेटा तीमारदार। • अमृत विचार

> वार्डों में कंबल उपलब्ध कराए गए हैं। एक-एक कंबल सभी मरीजों को दिया जाता है। अगर अतिरिक्त कंबल चाहिए होता है। तो वह भी उपलब्ध कराते हैं। रैन बसेरा में भी सुविधाएं करा दी गई है। अगर कहीं खामी है। तो उसे ठीक कराया जाएगा।
> -डा. रमाकांत सागर सीएमएस जिला अस्पताल

• रैन बसेरा की भी हालत खराब, भटक रहे तीमारदार

महिला अस्पताल के भी हाल वैसे ही

जिला महिला अस्पताल की ओर से प्रसूता वार्ड में भी हीटर नहीं लगाए गए हैं, जिससे प्रसव के बाद कमजोर हुई महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए ठंड बेहद खतरनाक बन गई है। छोटे बच्चे ठंड लगने से सांस संबंधी समस्या के जोखिम में हैं। बच्चों के साथ आई महिलाओं ने बताया कि रात के समय में वार्ड में काफी ठंडक हो जाती है। वहीं, सरकार की ओर से अस्पतालों को कंबल उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता इतनी कमजोर है कि इस ठंड में राहत नहीं मिल पा रही है। मरीजों ने बताया कि सरकारी कंबल बेहद पतले हैं और कई तो फटने की स्थिति में हैं। सक्षम परिवार तो घर से कंबल व रजाई ले आते हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या है। उन्हें सरकारी कंबल पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में उनकी रातें ठंड में गुजर रही हैं।

रैन बसेरा भी बदहाल, भटक रहे तीमारदार

जिला अस्पताल परिसर का रैन बसेरा नाम का ढांचा तो मौजूद है, लेकिन व्यवस्था लगभग खत्म है। जहां तीमारदारों को सुविधा देने के नाम पर कोई सुविधा नहीं है। सिर्फ बेड पड़े है। उन पर भी गद्दे बिछे हुए हैं। जिन पर लेटना तीमारदार जरुरी नहीं समझ रहे हैं, क्योंकि उनमें से आ रही दुर्गंध बर्दाश्त नहीं हो रही है। इतना ही नहीं गर्म पानी की भी कोई सुविधा नहीं है। ऐसे में तीमारदार पूरी रात खुले परिसर में भटकते रहते हैं। कई ने बताया कि ठंड से बच्चों और बुजुर्गों को तकलीफ हो रही है, लेकिन प्रशासन की नजर अब तक नहीं पहुंची। यहां तक की अलाव की भी कोई सुविधा नहीं है।

पोस्टर स्पर्धा में अदिति बनी विजेता

बीसलपुर, अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इतिहास विभाग की विभागीय परिषद की ओर से ऐतिहासिक पोस्टर बनाओ एवं प्रेरक वाक्य प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ऐतिहासिक पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में अदिति गुप्ता ने प्रथम स्थान, आकांक्षा ने द्वितीय स्थान एवं अर्पित गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रेरक वाक्य प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में नीलम देवी प्रथम, मोईन खान द्वितीय और यशपाल तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. दरख्शां ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सदैव प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए क्योंकि हार या जीत दोनों ही हमें जीवन की विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करना और आगे बढ़ना सिखाती है।

बीसलपुर महोत्सव में उज्जवल और सानिया बने डांस चैंपियन

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ विधायक विवेक वर्मा व अन्य। • अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : नगर के सूरजभान डिग्री कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय बीसलपुर महोत्सव का समापन डांस प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबलों के साथ हुआ। प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप में उज्जवल और सीनियर ग्रुप में सानिया ने प्रथम स्थान हासिल कर चैंपियन का खिताब जीता। विजेताओं को बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विधायक ने इस अवसर पर कहा कि नृत्य सिर्फ कला का माध्यम नहीं बल्कि संस्कृतियों और परंपराओं को जोड़ने का सशक्त तरीका है। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि आत्मविश्वास बढ़ाने और रचनात्मकता के विकास में भी सहायक है। आयोजक सत्य प्रकाश उर्फ बिट्टू ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को उनके प्रदर्शन के माध्यम से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

• विधायक ने पुरस्कार देकर किया सम्मानित

प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप में आदेश द्वितीय और निशा तृतीय रही। सीनियर ग्रुप में पीलीभीत के आकाश ने द्वितीय स्थान हासिल किया। ग्रुप डांस में नरसिंह ग्रुप प्रथम और देवासी गणेशा द्वितीय स्थान पर रहे। इस दौरान दिनेश सक्सेना ने जादू के करतब दिखाए, जबकि मुकुल मौर्य ने मिमिक्री कार्यक्रम में आकर्षक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन ज्ञान प्रकाश जोशी और प्रगति सक्सेना ने किया। निर्णायक मंडल में अमित तिवारी और अविरल ने योगदान दिया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों ने सभी विजेताओं को पुरस्कार और उपहार प्रदान किए। कार्यक्रम में रामदुलारी श्यामसुंदर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज कुमार दुबे, राजू भैया शर्मा, जिला पंचायत प्रतिनिधि नितिन पाठक, सोनू ठाकुर और पीयूष मिश्रा समेत कई संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

बूथ सुपरवाइजर पर हमला

बरेली, अमृत विचार: बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची को दुरुस्त कराने के लिए एसआईआर कार्य में तैनात सुपरवाइजर विनीत कुमार सिंह पर गांव इचौरिया के बूथ पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। वह एसआईआर के फार्म बीएलओ के पास जमा करने के लिए बूथ पर पहुंचे थे। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मतदाताओं के भरे हुए गणना प्रपत्र फाड़ दिए। दो मतदाताओं के फार्म फट गए, जबकि 16-17 फार्म सुरक्षित बच गए। बीएलओ के विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। सुपरवाइजर ने कैंट थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सिटीजन चार्टर की अनदेखी पर नाराजगी, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के सदस्यों ने सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया गया कि पांच मार्च 2025 से लागू सिटीजन चार्टर (नागरिक घोषणा पत्र) की अनदेखी पर आपत्ति जताई।

ज्ञापन में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं, अवकाश, वेतनमान, एसीपी, पेंशन, जीपीएफ और मृतक आश्रित के प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारित करने की मांग की गई है। संघ के जिला अध्यक्ष ने बताया कि सिटीजन चार्टर का उद्देश्य त्वरित, पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करना है। ज्ञापन में अगस्त 2025 से लंबित सहायक अध्यापक गौरव मिश्रा, चार नवंबर 2025 से अवशेष वेतन न मिलने वाले सेवानिवृत्त प्रवक्ता ओमप्रकाश वर्मा और सेवानिवृत्त शिक्षकों के सामूहिक बीमा प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित करने का आग्रह किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में अनुपस्थित होने के कारण ज्ञापन कार्यालय में ही प्राप्त कर लिया गया। जल्द ही जिला विद्यालय निरीक्षक से बैठक कर प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

• शर्मा गुट ने शिक्षकों की अन्य समस्याओं को भी रखा

हर्ष फायरिंग में मौत मामले में रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: निकाह के दौरान हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक की मौत मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसओजी और सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र के सिठौरा से रविवार रात सिरौली थाना क्षेत्र के गांव शिवपुरी में बरात गई थी। इसी बीच अरविंद ने हर्ष फायरिंग कर दी। जिसमें सड़क पार खड़े रिजवान निवासी सिठौरा के माथे में गोली जा लगी। जिसके बाद वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद फायरिंग करने वाला मौके से भाग गया और बरात में भी भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को लेकर अस्पताल गई लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को रिजवान का पोस्टमार्टम होने के बाद पुलिस की मौजूदगी में उसे गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दिया, जबकि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

चाचा ने लगाया रंजिश में हत्या का आरोप

पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे रिजवान के चाचा इरशाद ने बताया कि उनके पड़ोस से बरात गई थी। बरात में रिजवान, अरविंद समेत चार से पांच लोग साथ में गए थे। अरविंद की कार से ही सभी लोग बारात में गए थे। बरात पहुंच भी नहीं सकी थी कि गाड़ी से उतरते ही अरविंद ने गोली चला दी। आरोप है कि अरविंद के पास अवैध हथियार था। उन्होंने किसी रंजिश के चलते गोली मारने का आरोप लगाया है।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
• सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज • दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। • छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण • घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध • नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन • बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज • वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूं रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
• सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
• रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
• ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
• दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
• सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
• दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
• गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
• रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
• बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
• अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
• रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
• लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

शेरपुर गांव के किनारे मिले बाघ के पगचिह्न

केशवापुर, अमृत विचार : वनरेंज मोहम्मदी की बीट बिलहरी क्षेत्र के गांव शेरपुर के उत्तर दिशा में सरसों के खेत में हिंसक वन्यजीव के पगचिह्न देखे गए हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पगचिन्ह देख बाघ होने की पुष्टि की है। इससे स्कूली बच्चों, किसानों में दहशत फैल गई है। मजदूर खेतों में काम करने से मना कर रहे हैं। वन दरोगा विजय सिंह ने ग्रामीणों से खेतों की ओर समूहों में जाने की अपील की है।

सड़क किनारे तीन दिन पड़ा रहा मृत गोवंश

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र में बरम बाबा नायरा पेट्रोल पंप के पास एक गोवंश की मृत्यु होने पर तीन दिन तक वह सड़क किनारे ही पड़ा रहा। भारतीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने अधिकारियों पर लापरवाही का अरोप लगाकर गोवंश को गड्ढा खुदवाकर दफनवा दिया है। किसी वाहन की टक्कर से गोवंशकी मौत हो जाने पर भारतीय बजरंग दल पलिया के पदाधिकारी ने 4 दिसंबर को ब्लॉक बिजुआ के अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से सूचना दी थी, फिर भी मृत गोवंश लगातार तीन दिन तक सड़क किनारे पड़ा रहा। बजरंग दल की टीम ने गोवंश का अंतिम संस्कार कराया है।

दिल्ली रैली में 14 को जाएंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी की 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को लेकर राहुल गांधी के आह्वान पर होने वाली रैली में जिले से हजारों कार्यकर्ता जाएंगे। पार्टी जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने बताया कि प्रत्येक विधान सभा में तीन से लेकर पांच समन्वयक बनाए गए हैं, जिनकी अगुवाई में दिल्ली जाने की तैयारी शुरू हो गई है। ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी है। जिलाध्यक्ष का दावा है कि इस रैली में जिले से हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी दिल्ली पहुंचेंगे।

भ्रामक सूचना का हवाला देकर स्पेशल एजुकेटर भर्ती घोटाले के आरोप से लिया यू-टर्न

शिकायत की सियासतः अपने वायदे से पीछे हटे विधायक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः बेसिक शिक्षा विभाग के जेम पोर्टल के माध्यम से चल रही स्पेशल एजुकेटर भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाकर खुद ही जांच की मांग करने वाले धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी अब अपने ही आरोपों से पीछे हट गए हैं।

जिस भर्ती प्रक्रिया को उन्होंने पहले संदिग्ध बताकर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, अब उसी को पूरी तरह पारदर्शी करार दे दिया है। धौरहरा विधायक ने 25 नवंबर 25 को बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भर्ती का कार्य बरेली की कंपनी क्रैपीकॉन सिक्योरिटी को दिया गया है, जो कथित रूप से अभ्यर्थियों से 1 से 2 लाख रुपये तक की वसूली कर चयन करा रही है। वि धायक ने दावा किया था कि कुछ अभ्यर्थियों ने बारकोड और डिजिटल भुगतान के साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं, जिससे भर्ती में गड़बड़ी की पुष्टि होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था के चलते आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन पात्र अभ्यर्थियों को पीछे धकेल दिया गया है, जबकि रुपये देकर चयन कराने वालों के नाम सूची में शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने भेजे गए पत्र में मांग की थी कि कंपनी को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाए और इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो।

अमृत विचार ने 30 नवंबर के अंक में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशन के बाद शिक्षा विभाग में खलबली मच गई। इसके बाद विधायक ने यूटर्न ले लिया। अब उन्होंने अपनी ही शिकायत को निराधार और भ्रामक बताया है। एक दिसंबर को बेसिक शिक्षा मंत्री के नाम लिखे गए इस पत्र में विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा है कि उन्होंने अपने लेटर पैड पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। कुछ लोगों ने मुझे भ्रामक सूचना देकर पत्र लिखवा लिया। उन्होंने जब पता किया तो जानकारी हुई कि स्पेशल एजुकेटर भर्ती में किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं बरती गई हैं। भर्तियां पारदर्शिता के साथ की गई हैं। धौरहरा विधायक विनोद शंकर का सफाई दिए जाने का पत्र भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मुझे कुछ लोगों ने भ्रामक सूचना दी थी। इस वजह से मैने पत्र लिखा था, लेकिन बाद में जब जानकारी की तो पता चला कि भर्तियां पारदर्शिता के साथ हुई हैं। इसलिए बेसिक शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर किसी तरह की जांच न कराए जाने का अनुरोध किया है।
-विनोद शंकर अवस्थी, विधायक धौरहरा।

लड़के वालों ने दहेज में मांगी स्विफ्ट डिजायर कार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **लड़की के पिता ने रिश्ते से किया इनकार, दर्ज कराई रिपोर्ट**

अमृत विचारः मैलानी थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर निवासी बेटी के पिता ने पुलिस में लड़के वालों पर गोद भराई के बाद दहेज में स्विफ्ट डिजायर कार की मांग करने, कार न देने पर रिश्ते से इनकार करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मैलानी थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर निवासी भगवानदीन ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उन्होंने पुत्री चांदनी देवी का विवाह गोला कोतवाली क्षेत्र के गांव चिंतापुरवा निवासी सचिन कुमार के साथ तय किया था। 10 नवंबर को सचिन कुमार व उनके पिता प्रेमकुमार ने 60 लोगों के साथ आकर घर पर गोद भराई की थी, जिसमें उन्होंने एक लाख रुपया खर्च किया था। उन्होंने विवाह में 8 लाख रुपये खर्च करने और एक बाइक देना तय किया था। तिलक 19 और विवाह 20 फरवरी 2026 को होना था। गोद भराई के बाद से लड़के वाले स्विफ्ट डिजायर कार की अतिरिक्त मांग करने लगे। कार देने में उन्होंने असमर्थता जताई तो लड़के वालों ने रिश्ता करने से मना कर दिया है, जिसके चलते वह समाज में शर्मिंदा हुए हैं। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हकीकत से दूर है सड़कों, खेतों से पशुओं को हटाने का दावा

गोशालाएं बनाने में किए करोड़ों खर्च, फिर भी जनपद में गोवंशों को नहीं मिल पा रहा संरक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिले में गोवंश संरक्षण के नाम पर शासन-प्रशासन द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे पूरी तरह उलट नजर आ रही है। करोड़ों रुपये की लागत से गोशालाओं का निर्माण तो कराया गया, पर वहां व्यवस्थाएं न होने के कारण बेसहारा गोवंश आज भी सड़कों और खेतों में भटकने को मजबूर हैं। इसका सीधा असर आम जनता और किसानों पर पड़ रहा है।

शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सड़कों पर झुंड के झुंड गोवंश बैठे नजर आ जाते हैं। रात के समय ये पशु राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। आए दिन सड़क हादसों में लोग घायल हो रहे हैं, कई बार पशुओं की भी मौत हो जाती है। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। दूसरी ओर किसान भी इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं।

खेतों में घुसकर बेसहारा गोवंश फसलों को रौंद रहे हैं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पल भर में बर्बाद हो जा रही है। कई गांवों में तो किसानों को रात-रात भर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है।

फिर भी फसलों को पूरी तरह बचा पाना संभव नहीं हो पा रहा है। जिले में दर्जनों गोशालाएं कागजों में संचालित दिखाई जा रही हैं, लेकिन हकीकत यह है कि कई गोशालाओं में न तो पर्याप्त चारा है, न ही पानी की समुचित व्यवस्था।

कई स्थानों पर क्षमता से अधिक पशु भर दिए गए हैं, जिससे उनके रखरखाव में भी भारी लापरवाही सामने आ रही है। कहीं कर्मचारी नहीं हैं तो कहीं देखरेख पूरी तरह भगवान भरोसे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन केवल अभियान चलाकर खानापूर्ति कर रहा है। कुछ दिन पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में भेजा जाता है, फिर कुछ ही समय बाद वे दोबारा सड़कों और खेतों में दिखने लगते हैं। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर खामी है।

रोशननगर में सड़कों पर विचरण करते छुट्टा पशु। ● अमृत विचार

गांव रोशननगर में खेतों में रबी की फसलको चरते छुट्टा पशु। ● अमृत विचार

पर्याप्त गौशाला होने के बाद भी रोशननगर क्षेत्र में पशुओं के विचरण कर फसलों को नुकसान पहुंचाने की जानकारी नहीं है। अगर छुट्टा पशु है तो ग्राम प्रधान को बोलकर पकड़वा कर गौशाला में भिजवाएंगे।
-आरिफ खान, एडीओ पंचायत बांकेगंज।

सड़कों पर घूम रहे गौवंशों को अस्थाई गौशाला में भेजा जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी गौवंश सड़कों पर न रहे। अगर कहीं लापरवाही मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।
-अभिषेक कुमार, सीडीओ।

रोशननगर में फसलों को बर्बाद कर रहे छुट्टा पशु

रोशननगर। विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत रोशननगर और विकास खंड कुंभी की ग्राम पंचायत ममरी में छुट्टा पशुओं की बढ़ती संख्या से किसान और राहगीर परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार बड़ी संख्या में छुट्टा पशु दिन व रात के समय खेतों में घुसकर सरसों, गेहूं की खड़ी फसल को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति हो रही है। सुबह के समय ये पशु सड़कों पर आ जाते हैं, जिससे राहगीरों को आवाजाही में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। किसानों का कहना है कि छुट्टा पशुओं को गौशालाओं में भेजने के आदेश का पालन नहीं हो रहा है। पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं में भेजने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान नहीं निभा रहे हैं। समाजसेवी रोशननगर के आदित्य अग्निहोत्री, प्रेमचन्द वर्मा, सचेंद्र, धर्मेंद्र, परशराम वर्मा, वीरेंद्र कनौजिया, जलालुद्दीन आदि ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है। इस बाबत एडीओ पंचायत आरिफ खान का कहना है कि गौशाला पर्याप्त है। यदि छुट्टा पशु विचरण कर रहे हैं तो जल्द ही उन्हें गौशाला में संरक्षित किया जाएगा।

किसान बोले- पशु पालकों कि खिलाफ की जाए सख्त कार्रवाई, तभी बच पाएंगी फसलें

रोशननगर के किसान दीपक अग्निहोत्री ने बताया कि गो वंशीय पशु इतने हैं जो फसलों को चट कर जाते हैं। पशु पालक दूध निकालकर इन्हें छोड़ देते हैं, इनकी पहचान कर पशु पालकों पर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही गोशालाओं की नियमित मॉनिटरिंग हो और चारे-पानी, साफ-सफाई को अनिवार्य किया जाए।

रोशननगर निवासी किसान आदित्य अग्निहोत्री का कहना है कि छुट्टा पशुओं का झुंड यदि खेतों में पहुंच जाता है तो उन खेतों की फसलों को बर्बाद कर देते हैं। जबकि किसानों को खेती में महंगे बीज और दवाई लगानी पड़ती है। शाम के वक्त रोड पर जाम लगा देने और खेतों में फसलों को बर्बाद कर देते हैं।

जनकपुर के रहने वाले किसान संजय सिंह यादव ने बताया कि छुट्टा पशु रोड पर बैठ जाते हैं, जिससे लोगों के लिए निकलने में परेशानी होती है। सड़कों पर घूम रहे गोवंश को स्थायी समाधान के तहत सुरक्षित आश्रय दिया जाए, ताकि दुर्घटनाएं रुक सकें और किसानों की फसलों के लिए भी बचाया जा सके।

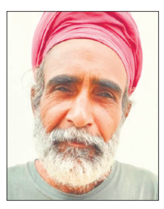

किसान बलविंदर सिंह का कहना कि किसान एक तो महंगाई की मार झेलकर फ़सल को तैयार करते हैं तो दूसरी तरफ छुट्टा गोवंश फसल को चट कर बर्बाद कर देते हैं। शासन ने इनके लिए गोवंश आश्रय स्थल भी बनवाये हैं, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीण सहकारी समिति की बैठक में किसानों ने उठाए सवाल

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचारः कस्बे की बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति बी-पैक्स लिमिटेड अछंनिया की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक मुख्य अतिथि कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसान, पदाधिकारी और संचालक मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। बैठत में किसानों ने सहयोग न मिलने समेत कई सवाल उठाए।

बैठक के दौरान समिति के पूर्व अध्यक्ष इंद्र प्रकाश श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि समिति के अधिकारी और कर्मचारियों का संचालक मंडल को पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। साथ ही समिति पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध न होने और बिल पास कराने में सचिव एवं एडीओ द्वारा सहयोग न किए जाने की बात भी उठाई गई। संचालक मंडल के सदस्यों ने कहा कि किसानों को खाद, बीज, ऋण और अन्य योजनाओं की जानकारी समय पर मिलनी चाहिए। उपस्थित किसानों ने समिति द्वारा जमा हिस्से पर ब्याज देने और कृषि संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी।

बैठक को संबोधित करते कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू। ● अमृत विचार

- **सुविधाओं में सुधार करने की रखी जोरदार मांग**

सचिव रंजना राठौर ने समिति की आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। वहीं एडीओ सहकारिता ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा। विधायक सौरभ सिंह सोनू ने कहा जल्द ही हर ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा, जिससे किसानों को खाद, बीज, ऋण और अन्य संसाधन आसानी से उपलब्ध होंगे। उन्होंने किसानों से समस्याओं के समाधान हेतु सीधे अवगत कराने की अपील की। बैठक का संचालन धर्मेंद्र राठौर ने किया। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनिल वर्मा, मुजीब खान, रविंद्र तिवारी, शैलेंद्र वर्मा, हकीमुल्ला खां, हरिओम श्रीवास्तव, आदित्य शुक्ला, त्रिभुवन नाथ पाण्डेय, कृता कृष्ण, जयप्रकाश तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बिजली बिल राहत योजना का लगा कैंप

केशवापुर, अमृत विचारः विद्युत उपकेंद्र गोला के अधिशासी अभियंता अरविंद कुमार व उप खंड अधिकारी अजय यादव के नेतृत्व में भल्लिया बुजुर्ग गांव में यूपी सरकार द्वारा चलाई गई बिजली बिल राहत योजना का कैंप लगाकर 50 बिजली उपभोक्ताओं से बकाया बिल जमा कराए गए।

हालांकि सुबह कर्मचारी व उपभोक्ता नेटवर्क न होने की समस्या से जूझते रहे। इस कैंप में 22 उपभोक्ताओं ने छूट के लिए रजिस्ट्रेशन व 28 नियमित बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं ने बकाया बिल का भुगतान किया है।

जेई शिवम सिंह ने बताया भल्लिया बुजुर्ग गांव के कैंप से 50 उपभोक्ताओं से कुल 72844 रुपये जमा कराए हैं। कैंप में टीजीटू रामभरोसे, लाइनमैन नीलेश वर्मा, राजपाल यादव व धीरज कुमार ने घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को छूट की जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित किया।

किसान सेवा सहकारी समिति की बनेगी बाउंड्रीवॉल

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचारः किसान सेवा सहकारी समिति मैलानी की सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक समिति परिसर में आयोजित की गई। बैठक में किसानों की समस्याओं, समिति की आर्थिक स्थिति और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विशिष्ट अतिथि भवानी शंकर माहेश्वरी ने अपने निजी खर्चे से समिति परिसर की चहारदीवारी (बाउंड्रीवॉल) निर्माण कराए जाने की घोषणा की।

बैठक की शुरुआत में समिति सचिव धनेश बाबू शुक्ला ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीते वित्तीय वर्ष में समिति द्वारा कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये का व्यय किया गया। वहीं उर्वरक बिक्री से समिति को 3 लाख 34 हजार 900 रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इसके अलावा समिति द्वारा क्षेत्र के किसानों को 4.33 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, जिससे किसानों को खेती-किसानी में काफी सहयोग मिला।

समिति उपाध्यक्ष का स्वागत करते सचिव धनेश बाबू शुक्ला। ● अमृत विचार

- **सामान्य निकाय की बैठक में विशिष्ट अतिथि ने की घोषणा**

बैठक की अध्यक्षता भाजपा के पूर्व जिला मंत्री सुरेंद्र मिश्रा ने की। उन्होंने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सहकारी समितियां किसानों के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह हैं और इनकी मजबूती से ही किसानों का भविष्य सुरक्षित होगा।

मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजूलता श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार किसानों के हित में लगातार योजनाएं चला रही है और सहकारी समितियां उन योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को भी सहकारिता से जुड़ने का आह्वान किया। समिति उपाध्यक्ष मनोज कुमार ने किसानों की ओर से महीन दाने की यूरिया शीघ्र मंगाए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि रबी और आगामी खरीफ फसल के लिए महीन दाने की यूरिया की अधिक आवश्यकता रहती है, ऐसे में समय रहते इसकी आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विशिष्ट अतिथि भवानी शंकर माहेश्वरी ने कहा कि समिति की सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण बेहद जरूरी है, जिसे वह अपने निजी खर्च से पूरा कराएंगे। उन्होंने समिति के विकास में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया।

बैठक में हरिदत्त मिश्रा, मातादीन, दिलदार हुसैन, कमलजीत सिंह, जसपाल सिंह, रमेश वेदी, अनीता कौर, अमरजीत सिंह, मनोज वर्मा समेत बड़ी संख्या में किसान और समिति सदस्य मौजूद रहे।

युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में परीक्षाएं शुरू

परीक्षार्थियों की तलाशी लेते प्रोफेसर व अन्य कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषम सेमेस्टर परीक्षाएं जारी हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और अनुशासन के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

सोमवार को प्रथम पाली में एमए हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर व बीएससी केमिस्ट्री, बीए दर्शनशास्त्र पंचम सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न हुईं। दूसरी पाली में बीए तृतीय सेमेस्टर हिंदी व बीएससी, बी कॉम कोक्युरिकुलर सेमेस्टर तृतीय की परीक्षाएं हुईं। दोनों पालियों में 1711 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 12 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सचल दल ने 4 परीक्षार्थियों को नकल करते पकड़ा है। महाविद्यालय प्रशासन परीक्षार्थियों की तलाशी के बाद ही प्रवेश दे रहा है। प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने बताया कि शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय नकल-विहीन परीक्षाएं कतराने को प्रतिबद्ध है।

बांस की खेती का किसानों को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचारः पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा पोषित परियोजना के अंतर्गत बांस संवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कर किसानों को बांस की खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रगतिशील कृषक यदुनंदन सिंह पुजारी के रामनगर स्थित फार्म पर एक दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागी किसानों को बांस की खेती, उत्पादन, प्रबंधन और बाजार की संभावनाओं से संबंधित तकनीकी जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए व्यापक योजनाएं बना रही है, जिससे किसानों को बांस उत्पादन, बिक्री और मूल्य संवर्धन में सीधा लाभ मिल सके। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आलोक यादव ने बांस के रखरखाव, इसके आर्थिक महत्व और समावेशी खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को बांस आधारित कृषि मॉडल, लागत एवं लाभ विश्लेषण तथा आधुनिक प्रसंस्करण तकनीकों पर जानकारी दी। किसानों को पौध तैयार करना, पौध संरक्षण, जल प्रबंधन, लंबी अवधि के आर्थिक लाभ और बाजार उपलब्धता के बारे में भी बताया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख किसान नेता भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष अमनदीप सिंह संधू, वीरेंदपाल सिंह, धीरेंद्र मौर्य, सोहन सिंह, सुबोध कुमार, यशपाल सिंह शर्मा, ठाकुर नौबत सिंह सहित 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

रामनगर में किसानों को संबोधित करते वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आलोक यादव।

घर से मोबाइल और नकदी चोरी

मझगई, अमृत विचारः थाना क्षेत्र के बम्हनपुर गांव में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। दो दिन पहले एक साइकिल चोरी होने के बाद अब चोरों ने एक घर में धावा बोल दिया। चोर दो मोबाइल फोन और नगदी चोरी कर ले गए।

गांव निवासी पीयूष कांत मिश्रा ने बताया कि देर रात चोर घर के पिछवाड़े से दीवार फांदकर छत पर पहुंचे और फिर जीने के रास्ते कमरे में घुस गए। चोर उनके भतीजे मनु मिश्रा का नया कीमती एंड्रॉयड मोबाइल, एक पुराना मोबाइल फोन और शर्ट की जेब में रखे 600 रुपए भी चोरी कर ले गए।

सुबह उठने पर चोरी की जानकारी हुई। इससे पहले दो दिन पूर्व समलिया प्रसाद की साइकिल भी उनके घर के बाहर से चोरी हो गई थी, जिसका अभी तक पता नहीं लग सका है।

किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने किया था रूगांवों का दौरा

थारू गांव में समस्याएं सुनते किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्य ने एसआईआर के प्रति जागरुकता के लिए सोमवार को कांग्रेस के कई पदाधिकारियों को साथ लेकर पलिया विधान सभा के आदिवासी गांवों का दौरा किया।

इस मौके पर उन्होंने आदिवासियों की समस्याओं को भी सुना। उन्होंने थारू गांव परसिया, पचपेड़ा, बरबटा, मुड़मोचिनी, गोलबोझी, पोया, चन्दन चौकी आदि का दौरा किया और मतदाताओं को एसआईआर के बारे में जागरूक किया गया।

उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेसी अमर गुप्ता, प्रदेश सचिव राम चंद्र पूर्व प्रधान, वरिष्ठ कांग्रेसी रामू त्रिवेदी एड., आदिल खान, संदीप कुमार, रावण दास आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बार काउंसिल सदस्य पद प्रत्याशी डॉ. वीरेंद्र ने मांगा समर्थन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बार काउंसिल उत्तर प्रदेश सदस्य पद के प्रत्याशी डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने सोमवार को अधिवक्ताओं से मुलाकात कर समर्थन मांगा। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर सहित निघासन, गोला, पलिया और धौरहरा में अधिवक्ताओं से अपने पक्ष में मतदान का आग्रह किया। अधिवक्ताओं ने उनके घोषणापत्र की सराहना की। इस दौरान अनुराग पटेल, कमला कान्त दीक्षित, अजय वर्मा, जे.डी. आजाद, विवेक यादव, आर.पी. गौतम, नरेंद्र यादव, शेर बहादुर सिंह, धर्मेंद्र यादव, यदुवेन्द्र वर्मा, मनीष कटारिया आदि शामिल रहे।

दुधवा टाइगर रिजर्व में प्रशिक्षण लेंगे 54 वन दरोगा

पलिया कलां, मृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी 54 फॉरेस्टर सोमवार को दुधवा पहुंच चुके हैं। उनका मंगलवार से प्रशिक्षण आरम्भ होगा। जिम्मेदारी उप प्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पांडेय, उपप्रभागीय वनाधिकारी दुधवा महावीर सिंह, रेंजर पर्यटन रितेश पटेल, रेंजर बनकटी क्षेत्रपाल सिंह, रेंजर उत्तर सोनारीपुर प्रशांत सोनी को सौंपी है।

श्री गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव कल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : श्री गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. पूनम वर्मा ने बताया कि कॉलेज का वार्षिकोत्सव और विद्यालय की पत्रिका अंजलि का विमोचन 10 दिसंबर बुधवार को पूर्वान्ह 10 बजे से होगा, जिसमें मुख्य अतिथि सीतापुर के डायट प्राचार्य डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र होंगे।

दुधवा की पर्यटन रेंज में कार्यरत वनकर्मी का निधन

पलिया कलां, अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग पलिया खीरी की पर्यटन रेंज में आदेश पालक के पद पर कार्यरत वीरेंद्र कुमार का बीमारी के चलते रविवार रात निधन हो गया। वे कई माह से बीमार थे। उनके निधन से वनकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी।

पंच प्यारों की अगुवाई में निकाला नगर कीर्तन

श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी शताब्दी पर्वः महंगापुर से गोला तहसील में हड़ेला गुरुद्वारा तक गया आस्था का सैलाब

संवाददाता, महंगापुर

नगर कीर्तन में शामिल संत बाबा गुरनाम सिंह व सिख समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

कार सेवा में चल रहे पंच प्यारे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्री गुरु तेग बहादुर साहब के महान शहीदी पर्व की 350वीं शताब्दी के पावन अवसर पर सोमवार को महंगापुर नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गुरुद्वारा नानक पियाऊ, महंगापुर से विशाल और भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया, जो देर शाम गोला तहसील स्थित हड़ेला गुरुद्वारा कार सेवा तक पहुंचा।

नगर कीर्तन का आरंभ ब्रह्म ज्ञानी सचखंडवासी संत बाबा तारा सिंह कार सेवा सरहाली शाहब वाले के चरन सेवक संत बाबा घोला सिंह एवं मुख्य जत्थेदार संत बाबा गुरनाम सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। श्री गुरु ग्रंथ साहब की छत्रछाया में पांच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन निकाला गया। इससे पूर्व बाबा कुलदीप सिंह द्वारा विधिवत अरदास की गई, जिसके पश्चात संत बाबा गुरनाम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर नगर कीर्तन को रवाना किया। दर्जनों छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार के साथ श्रद्धालु गुरु महिमा का गुणगान करते हुए चल रहे थे। पूरा वातावरण जो बोले सो निहाल और सत श्री अकाल के जयकारों से गूंज उठा। यह नगर कीर्तन महंगापुर से चलकर बरेली फार्म, नौरंगपुर, पलिया, भीरा, बिजुआ होते हुए गोला तहसील के हड़ेला स्थित गुरुद्वारा कार सेवा तक पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह संगत और सेवादारों द्वारा श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। जल, चाय, शरबत, पकौड़े व प्रसाद की सेवा निरंतर चलती रही। सेवादारों ने पूरे समर्पण भाव से संगत की सेवा कर गुरु परंपरा का निर्वहन किया।

कारसेवा संगत का पलिया में हुआ किया गया स्वागत

पलिया कलां, अमृत विचार : श्री गुरु तेग बहादुर सिंह सहित भाई मतीदास, भाई सती दास व भाई दियाला जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित, क्षेत्र के प्रमुख नानक प्याऊ गुरुद्वारा महंगापुर से संत बाबा गुरनाम सिंह की अगुवाई में निकलकर हड़ेला गुरुद्वारा जा रही विशाल कार सेवा यात्रा का पलिया पहुंचने पर गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल एवं गुरुद्वारा गेट पर भव्य स्वागत किया गया। स्कूल के प्रबंधक जसमेल सिंह मांगट, उनकी माता मलकीत कौर और युवाओं ने स्वागत कर जलपान कराया। पश्चात विद्यालय के छात्र हाथों में झाड़ू-पोंछा पकड़ सड़क की सफाई करते हुए एनसीसी कैडेट्स के बैंड बाजों के साथ गुरुद्वारा तक लाए। जहां कार सेवा यात्रा में शामिल संगत का गुरुद्वारा प्रधान रेशम सिंह, पूर्व प्रधान सरदार सेवा सिंह, मलकीत सिंह, बलदेव सिंह, कमलजीत सिं, भूपिंद्र सिंह व मैनेजर बलवीर सिंह आदि ने स्वागत-सत्कार किया और सरोपा भेंट कर सभी संगत को लंगर छकाया। यात्रा के साथ चल रहे पंच प्यारे एवं अन्य संगत का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। लंगर छकने के बाद यात्रा भीरा होते हुए हड़ेला गुरुद्वारा, अलीगंज, गोला के लिए रवाना हो गई।

एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला, बलिया एफसी और सीवान की टीमें जीतीं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में खेले जा रहे स्वर्गीय अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन तीन मुकाबले हुए, जिसमें एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला, एफसी बलिया और सीवान बिहार की टीमें विजेता रहीं।

फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि रोट्रैक्ट क्लब के अध्यक्ष पवन गुप्ता, देवेंद्र गिरि, विशिष्ट स्थिति मधुसूदन गिरि, पवनेश कुमार, योगेश साहनी, गजराज वर्मा, रामगुलाम पांडे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त शुरू कराया। गोला के स्टेडियम में सोमवार दोपहर पहला मैच भूटवल नेपाल और एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला के बीच खेला गया, जो रविवार को बराबरी पर रहने के चलते रद्द हो गया था। एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से मैच अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट का दूसरा मैच कलकत्ता एफसी और बलिया एफसी के मध्य खेला गया, जिसमे बलिया एफसी 2-1 से विजेता घोषित की गई। टूर्नामेंट का तीसरा मैच अतरिया एफसी और सीवान बिहार की टीमों के मध्य खेला गया, जिसमे सीवान बिहार के उत्साही खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत हासिल की। स्टेडियम में मौजूद दर्शक और खेल प्रेमी खिलाड़ियों का तालियां बजाकर उत्साहवर्धन करते दिखे। मैच में रेफरी रहमतुल्ला, मकसूद अहमद रहे। टूर्नामेंट कमेटी के उप कोषाध्यक्ष पूर्व सभासद पंकज गुप्ता, जैनुद्दीन अंसारी शब्बू, जैन अब्दुल्ला आदि मौजूद रहे।

● **स्व. अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट**

आज इन टीमों के बीच होगा मुकाबला

स्वर्गीय अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट में मंगलवार 9 दिसंबर को न्यू स्टार ग्लेरियस एफसी दिल्ली, रेडिकल एफसी अमृतसर पंजाब, कंक्रीट एफसी कुशीनगर पडरौना और एफसी मध्य प्रदेश की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होगा।

शहीद दिवस पर निकाला गया नगर कीर्तन

कस्बे में निकाले जा रहे नगर-कीर्तन में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीरा

अमृत विचार: श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया।

नगर कीर्तन गुरुद्वारा नानक प्याऊ महंगापुर से आरंभ होकर गुरुद्वारा हड़ेला की ओर रवाना हुआ, जिसकी अगुवाई संत बाबा गुरनाम सिंह ने की। कीर्तन टोली का श्रद्धालुओं और संस्थाओं ने स्वागत किया। पलिया गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा ने नगर कीर्तन का अभिनंदन किया। वहीं बोझवा

● **श्रद्धा में डूबा भीरा, जगह-जगह किया गया स्वागत**

गुरुद्वारा डेरा संतगढ़ और गुरुद्वारा नानकशाही भीरा में संगत एवं गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने स्वागत किया। भीरा कस्बे में भी स्वागत हुआ। वन बीट हॉस्पिटल और रोटरी क्लब भीरा ने संगत के लिए चाय-नाश्ता वितरित किया। श्रद्धालु शब्द कीर्तन, वाहेगुरु नाम का जाप और सेवा में शामिल रहे। वन बीट संस्था चेयरमैन सरकार बहादुर सिंह ने माथा टेककर पंच प्यारों को सरोपा भेंट किया।

आर्मी ग्राउंड में मेला महोत्सव का विधायक ने किया आरंभ

मैगलगंज, अमृत विचार: आर्मी ग्राउंड में आयोजित मेला महोत्सव का रविवार को कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू और एप्जा चेयरमैन रविंद्र मिश्रा ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया।

मेला महोत्सव परिसर को आकर्षक लाइटिंग, सजावटी पर्दों और रंगीन झंडियों से सजाया गया था। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण और शॉल भेंट कर किया गया। इस दौरान मेला आयोजक अनुराग एम सारथी, गोला चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू, राममोहन गुप्ता, कमल बिहारी गुप्ता, रानू बाजपेई, जिला पंचायत सदस्य दिनेश चंद्र गुप्ता, मित्र कुमार अवस्थी, नवाब कल्बे हसन, श्यामू शुक्ला, राम कुमार गुप्ता, ललित गुप्ता, अरविंद मिश्रा गुड्डन, संजीव गुप्ता गुड्डु, अमित शुक्ला सोनू, देवेंद्र बाजपेयी, कुलदीप त्रिवेदी आदि रहे।

समारोह में गायत्री परिजनों का किया अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गायत्री परिजनों का अभिनंदन करते विशिष्ट अतिथि प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि जय प्रकाश वर्मा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गायत्री परिवार के तत्वावधान में रविवार को नगर के गोला रोड स्थित श्री वेद माता गायत्री शक्तिपीठ पर प्रातः काल अखंड ज्योति पत्रिका विस्तारक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में गायत्री तपोभूमि मथुरा से आए वरिष्ठ गायत्री साधक अशोक कुमार पांडेय ने संबोधित किया। इस दौरान विराट नारी उत्कर्ष समारोह की सफलता पर चर्चा के साथ गायत्री परिजनों, गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज सहित जिले के विभिन्न स्कूलों की कन्याओं और गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र, गायत्री मंत्र पट्टिका आदि के साथ सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि जय प्रकाश वर्मा ने विराट नारी उत्कर्ष समारोह को सफल बनाने वाले

● **विराट नारी उत्कर्ष समारोह की सफलता पर हुई चर्चा**

सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। मीडिया प्रभारी अनुराग मौर्य ने बताया कि अभिनंदन समारोह में गुरुनानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज सहित जिले के विभिन्न स्कूलों की छात्राओं और गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। लेखा प्रभारी कृष्णा कांत तिवारी ने आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। जिला समन्वयक राम खेलावन निषाद ने आगामी 01 जनवरी से निघासन में आयोजित होने वाले 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सत्य नारायण वर्मा, उदय सिंह, अजय वर्मा, यज्ञदेव वर्मा, कुलदीप वर्मा, दीपक वर्मा, सीपी मौर्य, शिरोमणि शुक्ला आदि मौजूद रहे।

यूपी क्रिकेट सेंट्रल जोन में वरेण्य चयनित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर निवासी वरेण्य त्यागी ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट सेंट्रल जोन अंडर-14 के ट्रायल के लिए चयन पाकर इतिहास रचा है। 11 वर्ष की आयु में वरेण्य खीरी जिले से इस स्तर पर चयनित होने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उनका सफर जिले की अंडर-14 टीम से शुरू हुआ। इसके बाद लखनऊ में मंडल स्तरीय ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें कानपुर के कमला क्लब ग्राउंड में होने वाले सेंट्रल जोन ट्रायल के लिए चुना गया है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न मंडलों से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वरेण्य शहर के सिटी मॉटेसरी स्कूल के छात्र हैं। चयन की सूचना पर दादी सुमन त्यागी, माता अर्चना त्यागी समेत परिजनों व शिक्षकों में खुशी दौड़ गई। अकादमी के कोच श्याम मोहन श्रीवास्तव और प्रिंसिपल विशाल सेठ ने बधाई दी है।

एसएचएम स्पोर्ट्स की टीम बनी विजेता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्व. एडवोकेट अजीज सिद्दीकी मेमोरियल लखीमपुर जूनियर प्रीमियर लीग का आयोजन रॉयल फूड्स डिग्री कॉलेज मैदान पर किया गया। फाइनल मुकाबले में अजिष्ठा ड्रीम इलेवन और एसएचएम स्पोर्ट्स के बीच रोमांचक मैच खेला गया, जिसमें एसएचएम स्पोर्ट्स की टीम विजयी रही।

टॉस जीतकर एसएचएम स्पोर्ट्स ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। अजिष्ठा ड्रीम इलेवन ने निर्धारित 20 ओवरों में सभी विकेट खोकर 109 रन बनाए। टीम की ओर से अविरलः 21 रन, अंश वर्माः 17 रन, विशेष कुमारः 13 रन, गेंदबाजी में एसएचएम की ओर से कविश कुमारः 3 विकेट, आकाशः 2 विकेट, शिवांशः 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एस एच एम स्पोर्ट्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए

● **स्व. एडवोकेट अजीज सिद्दीकी मेमोरियल लखीमपुर जूनियर प्रीमियर लीग**

16.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 111 रन बनाकर प्रतियोगिता जीत ली। टीम की ओर से शिवांशः 43 रन, अर्जुनः 16 रन, प्रसूनः 10 रन, अजिष्ठा ड्रीम इलेवन की ओर से गेंदबाजी में अविरल ने 3 विकेट झटके। इसमें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटः शिवांश, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजः विशेष कुमार, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजः कविश कुमार रहे। शोएब सिद्दीकी ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। विजेता टीम को ट्रॉफी व पुरस्कार मुख्य अतिथि रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने प्रदान किए। इस दौरान रामजी कश्यप, मालिक इरफान, नीरज शुक्ला, रवि शंकर तिवारी, माशी अहमद खान, आदर्श पांडेय आदि मौजूद रहे।

पेयजल पाइप लाइन लीक होने से धंसी सड़क

सवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: ब्लॉक मितौली की ग्राम पंचायत रावन कलां के मजरा चंदीपुर से कैमटागुल्ली तक जाने वाला मुख्य मार्ग जल जीवन मिशन की लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। पाइप लाइन कई महीनों से लीक रहने के कारण सड़क धंस चुकी है और बीचों-बीच बना गहरा गड्ढा राहगीरों के लिए खतरा बन गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत डाली गई पाइप लाइन लगातार लीकेज होने के बावजूद जिम्मेदारों ने कोई सुध नहीं ली। लगातार पानी बहने से खड़ंजा बैठ गया है और अब सड़क पर बड़ा गड्ढा हो गया है, जिससे दोपहिया और चौपहिया वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। ग्रामीण यहां तक कि खेतों तक पहुंचने के लिए दूसरे रास्ते का

● **चंदीपुर-कैमटागुल्ली मार्ग पर बढ़ी हादसे की आशंका**

पाइप लाइन लीक होने से धंसी सड़क।

उपयोग करने को मजबूर हैं। चंदीपुर से कैमटागुल्ली और शिवपुरी को जोड़ने वाला मार्ग क्षेत्र का महत्वपूर्ण मार्ग है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो इस रास्ते पर किसी दिन बड़ा हादसा होना तय है। ग्राम प्रधान छोटी देवी ने बताया कि समस्या गंभीर है, वह अपने स्तर से जल्द मार्ग की मरम्मत कराएंगी।

दो घरों को आपस में जोड़ने का काम करती है नारीः सुजीता

संवाददाता, मितौली

अमृत विचारः कस्बे में संचालित विद्या भारती विद्यालय बराती लाल गोमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर मितौली में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि नारी ही दो घरों को जोड़ने का कार्य करती है।

सभी अतिथियों को विद्यालय परिवार की तरफ से अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। विद्यालय की बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कल्पना मिश्रा ने की। मुख्य वक्ता

राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी को स्मृति चिह्न देती महिलाएं।

● **बराती लाल गोमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर में हुआ सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम**

रीना यादव पूर्व छात्रा विद्या भारती विद्यालय ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण पर भारतीय दृष्टि पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि सुजीता कुमारी ने कहा नारी शक्ति ही हमारी समाज उत्थान कर सकती है। एक घर नहीं दो घरों को जोड़ने का कार्य करती है और मां ही बच्चों की प्रथम गुरु है।

महिलाओं को सरकार की तरफ से 33 प्रतिशत आरक्षण भी प्राप्त है। विशिष्ट माताओं का सम्मान भी किया। विद्यालय की आचार्या यशी शुक्ला ने आभार जताया।

आकाश बने मेरठ और बृज प्रांत के विस्तारक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के 13वें तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में नगर निवासी आकाश नारायण अवस्थी को मेरठ और ब्रज प्रांत का विस्तारक बनाया गया साथ ही उन्हें राष्ट्रीय कार्यसमिति में भी सम्मिलित किया गया।

पानीपत में पांच से सात दिसंबर तक हुए अधिवेशन में गोला के अर्जुन नगर कॉलोनी निवासी अरविंद अवस्थी के पुत्र आकाश नारायण अवस्थी को मेरठ, बृज प्रांत के विस्तारक एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक

● **राष्ट्रीय कार्यसमिति में भी किया गया सम्मिलित**

संघ के अनुषांगिक संगठन के रूप में कार्यरत अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना में देश भर के प्रांतों व जिलों से जुड़े कार्यकर्ता, अधिकारी, विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद, शोधकर्ता तथा विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रमुख वक्ता प्रो. राघवेंद्र तंवर ने संगठन की भूमिका और दायित्व बोध के बारे में प्रोत्साहित किया।

बंदरों के आतंक से परेशान क्षेत्र के लोग

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचारः महेशपुर वन रेंज के रोशननगर के पूरे क्षेत्र में इस समय बंदरों के आतंक से लोग बहुत ही परेशान हैं। आलम यह है कि इस समय इनकी संख्या इतनी अधिक है कि इन बंदरों ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। बंदर लोगों के घरों से सामान उठा ले जाते हैं, इतना ही नहीं रास्ते में जा रहे राहगीरों पर भी हमला कर देते है, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बंदरो के आतंक से यहां के लोग बहुत ही परेशान हैं। बंदर घर की छतों पर लगे एंटीना, पानी की टंकी, टीवी की छतरी आदि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इतना ही नहीं उत्पाती बंदरों के डर से लोग छतों पर अपने कपड़े या कोई अन्य सामान नहीं रख पा रहें हैं। यह राहगीरों पर हमलावर हो जाते हैं, जिससे लोगों का घर से निकलना मुस्किल

● **नहीं किया जा रहा कोई उचित समाधान, जिम्मेदार मौन**

> काले मुंह वाले बंर तो वन विभाग पकड़वा लेगा, लेकिन लाल मुह वाले बंदरों को पकड़ने का दायित्व वन विभाग का नहीं है। अगर प्रधान या ग्रामीण पकड़वाते हैं तो उन्हें छुड़वाने में सहयोग किया जा सकता है।
> **-निर्भय प्रताप शाही,** रेंजर महेशपुर।

हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग वन विभाग से बंदरो को जंगलों में खदेड़ने की मांग करते हैं। पर वन विभाग अनदेखा कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बंदर के काटने के कई मामले सामने आए है। वन विभाग को कई बार इसकी शिकायत की गई, लेकिन विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिसका खामियाजा क्षेत्र के लोगों को उठाना पड़ रहा है।

बंदरों के आतंक से रोशननगर के प्रशांत अग्निहोत्री, सर्वेश गुप्ता, मूलचन्द दिवाकर, सर्वेश अग्निहोत्री, बेचेलाल कश्यप, विनोद शर्मा, राधेश्याम कुशवाहा, रजनीश वर्मा, प्रेमचन्द उर्फ गुप्ताजी, मोविन् अली, जयप्रकाश पप्पू, गौस मोहम्मद, ममरी के बलराम कश्यप, पारस नाथ शुक्ल, राकेश वर्मा, प्रदीप वर्मा, प्रदीप यादव, जनकपुर के संजय यादव, अरुण यादव, तुलसीराम, रामसिंह, बाबरपुर से राजकुमार शुक्ल, महेंद्र वर्मा, अयोध्या प्रसाद, मिश्रीलाल वर्मा, मानसिंह कुशवाहा, जमुनहां से सुभाष शर्मा, लेखराम, अनुज वर्मा, करुणेश वर्मा, प्रमोद कुमार, रघुन्दन राज पासी, पप्पू वर्मा सहित अंबरपुर, सेखवापुर, रामपुर, कैमा, परेली आदि गांवों के लोगों का कहना है कि बंदरों का आतंक काफी बढ़ा हुआ है। इस संबंध में शिकायत वन विभाग को किए जाने के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खेतो मे गन्ने की फसल को नष्ट कर देते, उछल कूद कर उत्पाद मचाते है।

कृष्ण कुमार अध्यक्ष और अविनाश बने महामंत्री

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः श्री हरिद्वारी वैश्य समिति का पंचवार्षिक चुनाव वेदप्रकाश गुप्ता और प्रवीण गुप्ता की देखरेख में हुआ। अध्यक्ष के लिए कृष्ण कुमार गुप्ता एवं महामंत्री के लिए अविनाश चंद्र गुप्ता का एकल नामांकन हुआ। निर्धारित समय सीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन नहीं जमा किया। निर्वाचन अधिकारी ने कृष्ण कुमार को अध्यक्ष और अविनाश गुप्ता को महामंत्री निर्विरोध घोषित किया। समिति सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और महामंत्री का स्वागत किया।

श्रीराम कथा में सुनाया शिव पार्वती विवाह का प्रसंग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नीलकंठ मैदान स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में हो रही श्री राम कथा में कथाव्यास अंजनी शरण जी महाराज ने शिव पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में आईएएस शंभु कुमार की प्रेरणा से हो रही श्रीराम कथा में कथाव्यास ने सुनाया कि पर्वत राज हिमालय की घोर तपस्या के बाद माता जगदंबा प्रकट हुईं और उन्हें बेटी के रूप में उनके घर अवतरित होने का वरदान दिया। इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर अवतरित हुईं। पार्वती बचपन से ही भगवान शिव की अनन्य भक्त थीं।

पर्वतराज हिमालय के घर एक दिन महर्षि नारद आए और उन्होंने भगवान शिव से पार्वती के विवाह का संयोग बताया। उन्होंने सुनाया कि नंदी पर सवार होकर भगवान भोलेनाथ दूल्हा बनकर भूत पिशाचों के साथ जब बरात लेकर पहुंचे तो उनका यह रूप देखकर सभी अचंभित हो गए। लेकिन माता पार्वती ने खुशी से भोलेनाथ को पति के रूप में स्वीकार किया। प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर विवाह गीत गाए। श्रीराम कथा सुनने के लिए आनंद त्रिवेदी, अवधेश मिश्रा, मुनेंद्र शुक्ला, वेदप्रकाश गुप्ता, केएल शुक्ला, भूपेंद्र दीक्षित, दिवाकर पांडे, शंकर हालन, सुरेशचंद्र मिश्रा, दुर्गा प्रसाद मिश्र, राजेश्वर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अंजनी शरण महाराज।

न्यूज ब्रीफ

पीएचसी से अजगर का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

पलिया कलां, अमृत विचार : क्षेत्रीय ग्राम त्रिकौलिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कहीं से एक विशाल अजगर आ गया। सूचना पर दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग मुख्यालय पलिया के दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन की कार्यरत मोटीवेटर नाजरुन निशा ने अजगर को रेस्क्यू किया। पश्चात पकड़े गए अजगर को उसके जंगल ले जाकर छोड़ दिया गया।

युवती घर से लापता गुमशुदगी दर्ज

खुटार, अमृत विचार : गांव जसवंत नगर निवासी दिलीप ने थाने में तहरीर देकर बताया रविवार को उसकी 22 वर्षीय पुत्री घर में अकेले थी। वह किसी काम से बाहर गया हुआ था। जब शाम के समय वह घर वापस आया तो उसकी पुत्री घर में मौजूद नहीं थी। जिस पर उसने इधर-उधर तलाश किया। तलाश करने पर उसे पता चला कि उसकी युवती बिना बताए दोपहर 12:00 बजे घर से कहीं चली गई है। पुलिस ने दिलीप की तहरीर के आधार पर युवती के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

बंदरों से डरकर बालिका छत से गिरी

कलान, अमृत विचार : नगर पंचायत कलान के मोहल्ला शिवनगर बिजलीघर के पास रहने वाले राजीव की पुत्री परी (7) सोमवार दोपहर घर की छत पर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक कहीं से बंदरों का झुंड आ गया। जिसे देखकर बच्ची घबराकर भागी और छत से नीचे गिर गई। गंभीर घायल बच्ची को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए।

कबड्डी खेलते समय छात्रा बेहोश

कलान, अमृत विचार : ग्राम गणेशपुर प्राथमिक विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता सोमवार को चल रही थी। कबड्डी खेल रही कक्षा पांच की छात्रा किरण (10) धक्का लगने से गिरकर बेहोश हो गई। इससे विद्यालय में हड़कंप मच गया। विद्यालय के अध्यापक प्रमोद कुमार ने तत्काल उसके परिजनों को सूचना दी। छात्रा का सीएचसी पर इलाज किया। डॉक्टर ने उसकी हालत बेहतर बताई।

किसानों की बिना सहमति खेतों में गाड़े खंभे

नियम विरुद्ध लाइन बिछाने पर उठे सवाल, किसानों ने रुकवाया काम, बोले-जान दे देंगे, नहीं लगने देंगे पोल

संवाददाता, बेलरायां

अमृत विचार: कस्बा बेलरायां में उपमंडी स्थल के पास हाईटेंशन लाइन बिछाने को लेकर बिजली विभाग और किसानों के बीच टकराव शुरू हो गया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि विभाग ने नियमों को ताक पर रखकर बिना अनुमति के उनके खेतों में खंभे गाड़ दिए। ग्रामीणों ने मौके पर काम रुकवाकर विरोध तेज कर दिया है। किसानों ने चेतावनी दी है कि खेती हमारी जिंदगी है। खंभे जबरन लगाए गए तो जान दे देंगे, लेकिन खेत नहीं देंगे। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जहां लाइन डाली जा रही है, वह गोशाला से सटी हुई है, जिससे गोवंशों के जीवन पर भी खतरा मंडराने लगा है।

बेलरायां में चीनी मिल की प्रेसमेड से गुल्ला बनाने वाली फैक्ट्री के हाईटेंशन लाइन कनेक्शन को लेकर बिजली विभाग पर सांठगांठ और पक्षपात के आरोप लग रहे हैं।

सड़क पर वाहनों से गिरी प्रेसमेड। ● अमृत विचार

चकरोड किनारे खेत में खड़ा किया खंभा।

> खेत स्वामियों से सहमति पत्र नहीं लिए गए हैं। करीब 15 दिन पहले आवेदन किया गया था। करीब आठ लाख रुपये का स्टीमेट हुआ है। किसी के खेत से लाइन नहीं निकाली जाएगी। चकमार्ग के किनारे पर खंभे लगाए जाएंगे। **–दिलीप पटेल**, जेई बिजली उपकेंद्र तिकुनिया।

चकरोड पर खंभे, किसानों के वाहन फंसेंगे

जहां से हाईटेंशन लाइन निकाली जा रही है, वह चकरोड मात्र ढाई से तीन मीटर चौड़ा है। किसान इसी रास्ते से ट्रैक्टर-ट्रॉली और बैलगाड़ी लेकर खेतों तक पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खंभे लग जाने के बाद खेती करना मुश्किल हो जाएगा। उपमंडी स्थल को गोआश्रय भी बनाया गया है, जहां सैकड़ों गौवंश रहते हैं, जिनकी सुरक्षा भी खतरे में है।

किसानों के अनुसार आवेदन होने के 15 दिन के भीतर ही सर्वे पूराकर लगभग 8 लाख रुपये का स्टीमेट भी पास कर दिया गया और लाइन बिछने की अनुमति भी मिल गई। यहां तक खंभे, तार और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर तक मौके पर पहुंचा दिए गए, जबकि घरेलू कनेक्शन में भी मकान मालिक का सहमति पत्र अनिवार्य है और महीनों चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन यहां बिजली विभाग ने वीआईपी स्पीड से काम किया है।

नाराज किसानों ने कहा कि किसान से लिखित सहमति नहीं ली, जो नियम विरुद्ध है। किसानों ने फिलहाल लाइन बिछाने का कार्य रुकवा दिया है। मुख्यमंत्री, बिजली विभाग के एमडी, जिलाधिकारी सहित उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रेसमेड सड़क पर बिखर रही, बढ़ रहा खतरा

ग्रामीणों ने बताया कि प्रेसमेड फैक्ट्री के आने-जाने वाले वाहन सड़क पर गंदगी फैला रहे हैं। उनसे गिरने वाली प्रेसमेड से राहगीर फिसल कर घायल हो रहे हैं और दुर्गंध से लोगों का जीना मुश्किल है। उप मंडी स्थल के पास के रहने वाले एक युवक ने बताया कि उसके 13 वर्षीय बेटे की किडनी खराब है और डॉक्टरों ने संक्रमण से बचने की सलाह दी है, लेकिन प्रेसमेड ढोने वाले ट्रक घर के सामने से गुजरते हैं और गिरती गंदगी व बदबू से बच्चे की हालत और खराब हो रही है।

घने कोहरे में बस और गन्ना लदी ट्रॉली में जोरदार टक्कर

घटनास्थल पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: घने कोहरे के चलते सोमवार सुबह पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर बेला कलां के पास स्थित रपटा पुल पर बस और गन्ना लदे ट्रैक्टर-डनलप में टक्कर हो गई। चपेट में आया ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पुल के नीचे पानी में जा गिरा। गनीमत रही हादसे में कोई यात्री गंभीर घायल नहीं हुआ। उन्हें हल्की फुल्की चोटें आई हैं।

सुबह जिस समय हादसा हुआ। उस वक्त काफी घना कोहरा था। दृष्यता कम होने के कारण पलिया से यात्रियों को लेकर निघासन की तरफ जा रही निजी बस रपटा पुल पर सामने से आ रहे गन्ना लदे ट्रैक्टर डनलप से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर के पहिए का रिम टूट गया। बस से बचने के प्रयास में पलिया की दिशा में ई-रिक्शा पुल से नीचे गिर गया। ग्रामीणों ने तुरंत ई-रिक्शा सवारों को बाहर निकाला। यात्रियों को हल्की चोटें आईं, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी वाहन चालक और संबंधित लोग घटनास्थल से अपने गंतव्य को जा चुके थे। मझगई प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि पुलिस के पहुंचने तक वाहन हटाए जा चुके थे।

हाथियों के झुंड ने दो बीघा फसल रौंदी ग्रामीणों ने पटाखे दागकर खदेड़ा

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: मझगई रेंज के भगवंतनगर गुलरा टांडा और चौखड़ा फार्म में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब एक माह से हाथियों का झुंड गांवों और खेतों में धावा बोल रहा है। रविवार की रात एक बार फिर हाथी गांव की ओर बढ़ आए, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। किसानों ने पटाखे आदि दगाकर हाथियों को खेतों से भगाया।

ग्रामीणों के मुताबिक हाथियों का झुंड गुलरा के पास स्थित खेतों में घुस गया और वहां देवदत्त चौहान, रामबहादुर, दिनेश राठौर, गुंजन लाल और संबरी लाल के खेतों में फसल रौंदने लगा। हाथियों की चिंघाड़ और जोरदार आवाजें सुनकर मौके पर पहुंचे किसानों ने ढोल, शोर

● **भगवंतनगर गुलरा टांडा और चौखड़ा फार्म क्षेत्र में नहीं थम रहा हाथियों का आतंक**

हाथियों द्वारा रौंदी गई गन्ने की फसल।

और पटाखे दागकर उन्हें जंगल की ओर खदेड़ा, जिससे और अधिक नुकसान होने से बच गया। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों ने संबरी लाल व राम बहादुर की करीब दो बीघा गन्ने की खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट कर दी है। पीड़ित किसानों ने बताया कि चीनी मिल से अभी भुगतान नहीं हुआ है। कर्ज लेकर फसल बोई थी और अब हाथियों ने सब बर्बाद कर दिया। कर्ज कहां से चुकाएं। एक महीने से लगातार शिकायतें की गईं, लेकिन न तो दुधवा पार्क प्रशासन और न ही नार्थ खीरी के अधिकारी कोई ध्यान दे रहे हैं।

हाथियों को जंगल से बाहर निकलने पर रोक लगाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। आरोप है कि न तो निगरानी के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया है न ही लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। किसानों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि गांवों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए। रात में वन रेंज टीमों की तैनाती की जाए। प्रभावित किसानों का तत्काल सर्वे कर मुआवजा दिया जाए।

उधार कपड़ा न देने पर दुकान में की तोड़फोड़

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चौक कोतवाली के मोहल्ला बंगश निवासी गुलजार ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया उसकी दुकान सिंजई मोहल्ले में है। शुक्रवार शाम वह दुकान पर बैठा था। तभी फहान निवासी वर्कजई 4 साथियों के साथ आए और कपड़ा दिखाने को कहा। उन्होंने कपड़ा दिखाया, आरोपी ने उधार कपड़ा मांगा तो उसने मना कर दिया। इससे आरोपी नाराज हो गए और गाली देने लगे। विरोध पर आरोपी ने जान से मारने की नीयत से दुकानदार में तमंचे से फायर किया, जो मिस हो गया। आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ कर दी। कहा कि दुकान चलानी है तो कपड़ा उधार देना होगा या प्रतिमाह हफ्ता देना होगा। दुकानदार ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

लेखपाल भवन खाली कराने को लेकर तनाव

संवाददाता, मोहम्मदी

अमृत विचार: तहसील परिसर में लेखपाल भवन को लेकर चल रहे विवाद ने सोमवार को तूल पकड़ लिया है। शनिवार को लेखपालों के काली पट्टी बांधकर विरोध जताने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया और कड़ा रुख अपनाते हुए लेखपाल भवन को बलपूर्वक खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। बवाल की आशंका के चलते भारी पुलिस बल और पीएसी को तैनात किया गया है।

भवन पर लेखपाल संघ और बार एसोसिएशन के बीच लेखपाल संघ भवन को लेकर तकरार चल रही है। प्रशासनिक आदेश के बाद सोमवार को भवन खाली कराने का प्रयास किया गया, लेकिन विरोध होने पर अधिकारियों की मौजूदगी में ताले तुड़वाए गए। कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने पहले दोनों पक्षों से शांत रहने की अपील की, लेकिन स्थिति बिगड़ने की संभावना बन गई। मौके पर प्रभारी निरीक्षक उमेश चंद्र चौरसिया और कस्बा इंचार्ज मोइन अहमद भारी पुलिस बल और पीएसी के साथ मोर्चा संभाला और लोगों को शांत कराया।

लेखपाल भवन के पास तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

● **बवाल की आशंका पर पुलिस और पीएसी तैनात**

प्रशासन का कहना है कि यह विवाद काफी समय से लंबित था और कई बार बातचीत के बावजूद समाधान नहीं निकल सका। वहीं इस कार्रवाई से बार एसोसिएशन और लेखपाल संघ के बीच नाराजगी बढ़ गई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने आरोप लगाया कि तहसीलदार अरुण कुमार सोनकर ने लेखपालों के साथ मिलकर यह कार्रवाई कराई है। उन्होंने तहसीलदार और संबंधित लेखपालों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों को दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: तंबाकू मुक्त पीढ़ी कार्यक्रम के तहत सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को हर नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। छात्र संसद के प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक किया।

लखीमपुर रोड रक सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों से प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि नशा मीठा जहर है, जो न केवल व्यक्ति के शरीर और मन को खोखला करता है बल्कि परिवार और समाज को भी बर्बाद करता है। प्रधानाचार्य मधु त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से नशे दूरी बनाने और दूसरों को भी बचाने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई। कहा कि भारत में हर साल लगभग 13 लाख लोग तंबाकू के सेवन से काल के गाल में समा जाते हैं। तंबाकू मुक्त पीढ़ी के निर्माण में युवाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। छात्र संसद के प्रधानमंत्री उत्कर्ष मिश्रा व विद्यार्थियों ने कहा कि हम मिलकर ऐसा भविष्य बनाएं, जहां हर नागरिक नशे से मुक्त होकर समृद्ध हो सके।

मारपीट के मामले में आठ लोगों पर रिपोर्ट

बंडा, अमृत विचार: बंडा के डभौरा सेवा निवासी सुमित ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 6 दिसंबर की शाम 8 बजे उसकी मोहल्ले के ऋतिक गुप्ता नामक युवक से बंडा चौराहे पर कहासुनी हो गई थी। जब वह चौराहे से घर जा रहा था तो रास्ते में रात करीब 9 बजे शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज के पास ऋतिक, उसका पिता और दो अन्य लोग आए और उसे गालियां देने लगे। जब उसने विरोध किया तो उसे पीट दिया और जान से मार देने की धमकी दी। आरोप है मारपीट के दौरान ऋतिक गुप्ता ने उसके गले में पड़ी सोने की चैन भी तोड़ दी जो कहीं खो गई। वहीं दूसरे पक्ष से मनोज गुप्ता ने दी तहरीर में बताया 6 दिसम्बर की शाम बंडा चौराहे पर उसके लड़के हर्षित गुप्ता की मोहल्ले के ही सुमित से कहासुनी हो गई थी जिसके बाद हर्षित अपने घर की ओर वापस आ रहा था, रास्ते में सुमित और उसके तीन अन्य साथियों ने मिलकर उसके पुत्र को पीटा। आरोप है मारपीट के दौरान उसके लड़के के 1500 रुपये भी खो गए।

गांव सुंदरनगर तांगिया के पास नहर किनारे मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव सुंदरनगर तांगिया के पास नहर किनारे एक 45 वर्षीय महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव के सिर पर चोटों के निशान मिलने पर लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

सोमवार की तड़के लोग खेतों की तरफ गए थे। राहगीर भी नहर किनारे पटरियों से आ जा रहे थे। तभी उनकी नजर नहर किनारे पड़ी एक महिला के शव पर पड़ी। लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। उधर आसपास के गांवों के तमाम लोग भी आ गए। पुलिस ने शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला के सिर पर चोटों के निशान थे। उसका चेहरा भी खून से सना था। इससे लोग हत्या कर शव नहर किनारे डाले जाने की आशंका जता रहे हैं।

घटना स्थल पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

● **शव की नहीं हो सकी पहचान सिर पर चोटों के मिले निशान**

पुलिस ने शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और उसकी पहचान कराए जाने की कोशिश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि मृतका की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया किसी वाहन की टक्कर से मौत होना प्रतीत हो रही है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

पुवायां, अमृत विचार: पुवायां क्षेत्र के गांव बसखेड़ा खुर्द में सोमवार सुबह एक महिला का शव संदिग्ध हालात में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान ऊषा देवी (50) पत्नी गिरीशचंद्र के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सुबह ऊषा देवी दूध लेने पड़ोस के मकान पर गई थीं, कुछ देर बाद उनका शव उसी मकान के बाहर संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। परिजनों ने पड़ोसियों पर गंभीर आरोप लगाए।

मृतका के पति ने बताया कि उनका पड़ोसियों से काफी समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि विवाद के चलते ही पड़ोसियों ने ऊषा देवी को जहर देकर हत्या कर दी और बाद में शव को मकान के बाहर फेंक दिया। थाना पुलिस और सीओ प्रवीण मलिक मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य इकट्ठा किए। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सम्बन्ध विच्छेद
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्यामवती पत्नी स्व. रोशनलाल नि. आदर्श नगर गली नं. 3 जिला बदायूं अपने पुत्र अमित, जितेन्द्र एवं पुत्रवधू पूजा, सीमा के दुर्व्यवहार एवं गलत आचरण के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके किसी कृत्य एवं दुस्कृत की मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना
मै आदित्य भारती पुत्र जीत सिंह भारती, नि. C-265/2 राजेंद्रनगर, बरेली सूचित करता हूं कि मेरे उक्त मकान का आवास विकास द्वारा निर्गत मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र दिनांकित 16.5.1987 व 3.8.1987 वास्तव मे कही खो गये है। मो. 8630498558

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी एक फर्म मैसर्स राम बक्श गोमती फ्यूल प्वाइंट पता निकसुआ फरीदपुर बरेली जिसका पंजीकरण संख्या B-11787 है जोकि दिनांक 20.12.2008 से सुचारू रूप से कार्य कर रही थी उसे अब हम दोनों साझेदारों 1. मीरा देवी पुत्री श्री सिया राम सागर 2. मुरारी लाल पुत्र श्री मदन लाल ने रजामंदी से सदैव के लिए 29.10.2025 को बन्द कर दिया है। **मीरा देवी पुत्री श्री सिया राम सागर निवासी 19 बजरंग एन्क्लेव बीसलपुर रोड, बरेली (उ.प्र.)**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पेड़ पर मफलर से लटका मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मदनपुर क्षेत्र में एक युवक का शव गांव के बाहर मफलर से संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला। परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजनों ने बताया शराब पीने को लेकर एक युवक से विवाद हो गया था। वह दिल्ली में काम करता था और कुछ दिन पहले घर आया था।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव धीमर गौटिया निवासी सुनील कुमार (35) दिल्ली में बेलदारी का काम करता था। वह चार दिन पहले घर आया था। उसकी पत्नी और बच्चे गांव में रहते थे। वह शाम को घर से निकला और वापस नहीं लौटा। परिवार वालों ने तलाश किया और गांव में पता नहीं चला। सोमवार सुबह 7 बजे संतराम खेत की तरफ गया तो भाई सुनील का शव खेत पर मफलर से लटका हुआ देखा और उसकी चप्पले पेड़ के नीचे पड़ी थी। गांव वालों की भीड़ लग गई। संतराम ने थाना पर भाई के शव लटके होने की सूचना थाना पर दी।

युवक की मौत के बाद रोते-बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

मृतक सुनील।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। मृतक के भाई पड़ोसी गांव के एक युवक पर हत्या करके शव को लटकाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि पड़ोसी गांव के एक युवक से उसका शराब पीने को लेकर विवाद हो गया था। आरोपी ने उसके भाई को जान से मारने की धमकी दी थी। उसका भाई थाना पर रिपोर्ट दर्ज कराने गया तो पुलिस ने उसके भाई की रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

● **परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, एक युवक से विवाद हो गया था, पुलिस करती थी परेशान**

पुलिस ने दूसरे युवक की मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पुलिस से काफी डरा हुआ था और एक बार पुलिस आकर उसको पूछ गयी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से तहरीर नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात शव की हुई शिनाख्त, पसलियां टूटने से हुई थी महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर के मोहल्ला रंगीन चौपाल में अज्ञात महिला के शव की शिनाख्त हो गई। वह जलालाबाद थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह भीख मांगकर गुजारा करती थी। परिवार वाले पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी पसलियां टूटने से मौत की पुष्टि हुई। परिवार वालों का आरोप है कई घंटे बाद सदर बाजार पुलिस शव का पंचनामा भरने के लिए पहुंची।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला रंगीन चौपाल में 50 वर्षीय महिला रविवार दोपहर बेहोशी की हालत में मिली थी। मोहल्ले वालों ने सदर बाजार थाने को सूचना देकर एंबुलेंस से राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। अज्ञात महिला के मृत का मेमो सदर बाजार थाना को भेजा गया। पुलिस ने उसका फोटो सोशल मीडिया पर डाल दिया। जलालाबाद क्षेत्र के गांव कोलाघाट के लोगों ने महिला का फोटो सोशल मीडिया पर देखा तो पोस्टमार्टम हाऊस पर आए। परिवार वालों ने शव की शिनाख्त सावित्री के रुप में की। परिजनों का कहना है कि वह भिक्षा मांगकर गुजारा करती थी। वह दिन भर भिश्रा मांगने के बाद शाम को जलालाबाद लौट आती थी। परिवार वालों का कहना है सुबह 7 बजे राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंच गए और सदर बाजार थाना को सूचना दी थी।

● **मृतका जलालाबाद की रहने वाली थी, भिक्षा मांगकर घर चली जाती थी**

मृतका सावित्री।

उन्होंने पुलिस से कहा कि कोई कार्रवाई नहीं करनी है और शव को दे दिए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने की बात कहकर शव देने से मना कर दिया। सदर बाजार पुलिस कई घंटे बाद पंचनामा भरने के लिए मोर्चरी पहुंची और बराबर कह रही थी कि अभी आ रहे है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पसलियां टूटने से उसकी मौत हुई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जांच की जा रही है।

हत्या कर शव फेंकने का सुरक्षित ठिकाना बनी बरेली

हत्या करके फेंके गए दर्जन भर से अधिक शवों की नहीं हो सकी पहचान, हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : हत्या करके बच्चे, महिला और युवतियों के शव बरेली में फेंके जा रहे हैं। पुलिस न तो शवों की शिनाख्त करा पा रही है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी। साल 2025 के अंत में हत्या करके शव फेंके जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। 2023 और 2024 में भी कई ऐसे शव मिले, जिनमें ज्यादातर की बेरहमी से हत्या की गई। हत्या के बाद कई शवों के चेहरे भी बिगाड़ दिए गए थे, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके। हाल ही में फरीदपुर में बोरे में बंद महिला का शव और इज्जतनगर क्षेत्र में संदूक में बच्चे का शव बरामद हुआ था। महिला और बच्चे के शवों के पोस्टमार्टम में हत्या के बाद शव फेंके जाने की बात सामने आई थी।

पहचान नहीं होने पर शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। पुलिस का कहना है कि पहचान के लिए जिलों के थानों के साथ ही अन्य जिलों में भी पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन अभी तक दोनों ही शवों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ऐसे में पुलिस की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे है कि आरोपी हत्या करने के बाद आसानी से शवों को जिले में फेंककर फरार हो जा रहे हैं, जबकि शहर में जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगे है। उसके बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

8 साल के बच्चे की हत्या कर निकाली आंख

केस 1

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के दिल्ली लखनऊ हाइवे पर 2 दिसंबर को नकटिया नदी किनारे लाल संदूक में 8 साल के बच्चे का शव पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि बच्चे की गला दबाकर हत्या करने के बाद आंख भी निकाल ली गई थी। बच्चे की पहचान के लिए पुलिस ने जिले भर के थानों के अलावा अन्य जिलों में भी संपर्क किया था, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगी हुई हैं, लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है।

बोरे में मिला महिला का शव तेजाब से जलाया

केस 2

फरीदपुर थाना क्षेत्र के बुखारा रोड पर सिमरा बोरीपुर गांव के पास सड़क के किनारे झाड़ियों में 1 दिसंबर को महिला की हत्या कर उसके शव को बोरे में बंद कर नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। पहचान छिपाने के लिए चेहरा तेजाब से जला दिया गया। शव करीब 10-15 दिन पुराना होने की वजह से उसमें कीड़े भी पड़ गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन कोई भी उसे पहचानता नहीं था। लोगों का कहना था कि महिला की हत्या कहीं और करके शव यहां लाकर फेंका गया है। पुलिस आसपास के थानों से जानकारी जुटा रही है।

फतेहगंज पश्चिमी में मिले महिला के शव की पहचान नहीं

केस 3

फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में हाईवे के पास रबड़ फैक्ट्री की खाली जमीन पर रविवार को झाड़ियों में महिला का शव पड़ा मिला था। पुलिस ने मौके पर जाकर महिला की शिनाख्त के प्रयास किए थे, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस आसपास के गांव में महिला के फोटो दिखाकर उसकी पहचान कराने में जुटी है। इस मामले में भी पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी अब तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। न ही अब तक पुलिस हत्यारोपियों तक पहुंच पाई।

युवती की गला रेतकर हत्या, एक साल बाद भी पहचान नहीं

केस 4

दिसंबर 2024 में फतेहगंज पूर्वी के टिसुआ में बरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग से 100 मीटर दूर युवती की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने धारदार हथियार से उसके सिर, माथे व गालों पर छह अन्य प्रहार भी किए, जोकि बर्बरता बयां कर रहे थे। पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी। उस समय से अब तक पुलिस ने काफी कोशिश की, लेकिन मृतका के संबंध में कोई जानकारी अब तक नहीं मिल पाई। एसएसपी अनुराग आर्य ने खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया था, लेकिन अभी तक घटना का खुलासा नहीं हो सका है।

एक साल से अधिक लेकिन इन मामलों में भी नहीं हो सकी पहचान

- शरीर पर मारपीट के थे निशान दुष्कर्म की थी आशंका

2023 और 2024 में चार युवतियों की हत्या के बाद शव फेंके गए थे। इनकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मरने वाली युवतियां कौन है...? इस बारे में अभी तक पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पहली मामला कैंट थाना क्षेत्र का है, 20 दिसंबर 2023 को नकटिया स्थित जंगल में महिला का शव मिला था। पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी।

इसी तरह दूसरा मामला दूसरा मामला 8 अप्रैल 2024 को सामने आया था। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे बोरे में युवती का शव मिला था। पुलिस की कोशिश के बाद भी उसके शव की शिनाख्त हो नहीं सकी। हत्या करके शव फेंके जाने का यह सिलसिला यहीं पर नहीं थमा। दोनों हत्याओं की गुत्थी सुलझाने में उलझी पुलिस को इसी बीच एक और शव सीबीगंज थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे मिला था। होटल की चादर से युवती के हाथ-पांव बंधे हुए थे।

शरीर पर मारपीट के निशान के मौजूद थे, साथ ही दुष्कर्म की भी आशंका जताई गई थी। हैरत की बात यह भी है कि शव होटल की चादर में लिपटा होने के बाद भी पुलिस शिनाख्त नहीं कर पाई। इस हत्याकांड में पुलिस का कहना था कि किसी भी होटल से न तो चादर गायब होने की कोई बात सामने आई और न ही कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल में रुका मिला।

न्यूज ब्रीफ

टेंडर प्रक्रिया में अटकी निगम की लकड़ी

बरेली, अमृत विचार : दिसंबर के आरंभ से ठंड का प्रकोप बढ़ता रहा है, लोग धूप खिलने के बाद ही घरों से निकल रहे हैं, लेकिन रोडवेज, सैटेलाइट बस स्टेशन और रेलवे जंक्शन पर आने वाले सैकड़ों यात्रियों के साथ ही राहगीरों के ठंड से बचाव करने के लिए अलाव का फिलहाल कोई इंतजाम नहीं है। अलाव जलवाने का जिम्मेदार नगर निगम लकड़ी खरीद की टेंडर प्रक्रिया में ही उलझा हुआ है।

मारपीट के आरोपी को बीस साल की सजा

बरेली, अमृत विचार : युवती को कार कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 8 वर्ष पूर्व गैंगरेप करवाने व विरोध करने पर सरिया से मारपीट कर गैर इरादतन हत्या करने के आरोपी मुरादाबाद के थाना मझोला के काशीराम कालोनी निवासी सुधीर कुमार उर्फ सूचित को परीक्षण में दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय अशोक कुमार यादव ने 20 वर्ष कठोर कारावास 56 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

सपा पार्षद सहित पांच से 1.28 करोड़ की वसूली की तैयारी

बरेली, अमृत विचार : बरेली में हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के सुर्खा बानखाना निवासी करीबी रिश्तेदारों से बिजली चोरी के आरोप में डाले गए जुर्माना की 1.28 करोड़ की वसूली शुरू हो गई है। डीएम अविनाश सिंह ने एडीएम फाइनेंस को तत्काल वसूली कराने के निर्देश दिए हैं। बिजली चोरी के प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के साथ ही वसूली प्रमाणपत्र जारी हो चुका है। अब धनराशि जमा नहीं की तो संपत्ति कुर्क की जा सकती है।

डीएम ने मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण) ज्ञान प्रकाश के पत्र पर वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण) ने 4 दिसंबर को डीएम को पत्र भेज कर कहा था कि सुर्खा बानखाना निवासी वसीम खान पुत्र हाजी मुल्ला लियाकत, मोनिश खान पुत्र हसन मियां, बरकत रजा खान पुत्र बाबू खान, सपा पार्षद ओमन रजा खान पुत्र मोहम्मद नदीम और गद्दीवाला चक महमूद निवासी गुलाम नवी के विरुद्ध बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कार्यालय ग्रा.पं. कमुआ कलां, वि.खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

निविदा सूचना

सभी अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कमुआ कलां, वि. खं. बिथरी चैनपुर में ग्राम निधि, राज्य वित्त व केन्द्रीय वित्त/SBM व OSR से वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट, सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सलबन्द निविदाएं दिनांक 12.12.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 12.12.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाले कार्यो का विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	मनपुरिया जानकी प्रसाद में अमरजीत के नव निर्मित पेट्रोल पम्प से मुकेश के सामने बनी पुलिया तक नाला/नाली निर्माण कार्य	1,75,000

ग्राम प्रधान-बालकराम | सचिव-चन्द्रभान सिंह

कार्यालय एकता महिला प्रेरणा संकुल संघ ग्राम पं0 मोहनपुर, विकास खण्ड-बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड स्तर पर सामुदायिक प्रबंधित प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने हेतु सामग्री जैसे प्रोजेक्टर, लैपटॉप, फर्नीचर आदि जिसका विवरण व शर्ते संकुल संघ कार्यालय पर उपलब्ध है। गुणवत्तानुसार उच्च कोटि की सामग्री प्रशिक्षण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहरबन्द निविदाएं दिनांक 15.12.2025 तक आमंत्रित की हैं। निविदा संकुल मुख्यालय पर दिनांक 15.12.2025 दोपहर 01:00 बजे तक डाली जा सकती है। मोहरबन्द निविदाएं उसी कार्यदिवस में सांय काल 04:00 बजे निविदादाता व निर्धारित कमेटी के समक्ष संकुल कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा पत्रक, निविदा खोले जाने से पूर्व कार्यदिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर संकुल कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, संकुल कार्यालय में निहित होगा। निविदा से सम्बंधित कोई भी विवाद माननीय न्यायालय बरेली में ही मान्य होगा।

श्रीमती राधा रानी, सचिव | श्रीमती रीना पटेल, अध्यक्ष

कार्यालय ग्राम पंचायत परसेहरा विकास खंड मितौली खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025-26 | दिनांक- 08-12-2025

अति अल्पकालिन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मितौली में पंचम राज्य वित्त व 15वां वित्त योजना के अंतर्गत निम्न निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसमें सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिसका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 09.12.2025 से 22.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत मितौली के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में दिनांक 22/12/2025 अपरान्ह 4:00 बजे खोली जाएंगी। निम्नलिखित कार्य हेतु एक या सभी निविदा निरस्त करने का और आपूर्ति सामग्री की मात्रा घटाने और बढ़ाने का सम्पूर्ण अधिकारी अधोहस्ताक्षरी को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	लम्बाई	अनुमानित लागत
1.	ग्राम पंचायत में रामकुमार के मकान से महेश के तिराहे तक खडंजा मरम्मत और मिट्टी कार्य	220 मीटर	305707.66

रीता देवी, ग्राम प्रधान | ब्रह्म प्रकाश तिवारी, सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. | **निविदा सूचना** | दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	वंगश नगला में मुखवीर के घर से प्रदीप के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	350000.00
2.	सोवरन नगला में सुरेश के घर से मदनपाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	80 मी.	450000.00
3.	सोवरन नगला में कल्लू के घर से हुकुम सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	82 मी.	460000.00
4	सोवरन नगला में अनार सिंह के घर से लडैते के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	310000.00
5.	डंडिया नगला में नाहर सिंह के घर राजेन्द्र के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	320000.00
6.	डंडिया नगला में रामभरोसे के घर से अशोक के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	350000.00
7.	म्योरा में सी.सी. रोड से वीरपाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	60 मी.	250000.00
8.	कम्ले नगला में सी.सी. रोड से भगवान सिंह दिवारी के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	60 मी.	250000.00
9.	नरपत नगला में विनोद के घर से महीपाल के घर तक नाली नाला का निर्माण	60 मी.	250000.00
10.	प्रा. वि. नरपत नगला में मॉडल शौचालय निर्माण कार्य।	1 नग	450000.00

अलख निरंजन (सचिव) | ध्यानपाल सिंह (प्रधान)

बरेली को फिर मिली कूच बिहार ट्रॉफी की मेजबानी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एसआरएमएस क्रिकेट मैदान पर 16 से 19 दिसंबर तक यूपी और बंगाल के बीच होगा मैच

अमृत विचार : बरेली को बीसीसीआई की कूच बिहार ट्रॉफी के मैच की तीसरी बार मेजबानी मिली है। श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 16 से 19 दिसंबर के बीच उत्तर प्रदेश और बंगाल की टीमों के बीच अंडर-19 मैच होगा। जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं।

बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) की ओर से सिविल लाइंस स्थित एक होटल में सोमवार को प्रेसवार्ता में सचिव सीताराम सक्सेना ने बताया कि जिले की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने के लिए एसोसिएशन लगातार कैंप और प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। एसआरएमएस के सहयोग और आदित्य मूर्ति के मार्गदर्शन में हाल ही में पहली बार टी-20 प्राइज मनी वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट भी हुआ। इसके अलावा बीसीए पहले भी दो बार कूच बिहार ट्रॉफी मैच सफलतापूर्वक आयोजित कर चुका है। बीसीसीआई और यूपीसीए अधिकारियों ने स्टेडियम का निरीक्षण कर सुविधाओं को मानकों के अनुरूप पाया, जिसके बाद आयोजन की जिम्मेदारी दोबारा दी गई।

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव और बीसीए संरक्षक आदित्य मूर्ति ने कहा कि बरेली में तीसरी बार कूच बिहार ट्रॉफी के मैच का आयोजन होना शहरवासियों के लिए गर्व की बात है। इससे पहले 2022 और 2024 में यहां उत्तर प्रदेश की टीम के दो मैच सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय सुविधाएं, स्तरीय पिच, हॉस्पिटेलिटी और टीमवर्क की वजह से ही यह संभव हो पाया है। आदित्य मूर्ति ने बताया कि एसआरएमएस ट्रस्ट 2014 से क्रिकेट एकेडमी भी चला रहा है, जहां से कई खिलाड़ी राज्य स्तरीय टीमों में चयनित हुए हैं।

स्नातक तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परीक्षा कल से

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परीक्षा 10 दिसंबर से शुरू होगी। इसके लिए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। विवि ने परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए शासन के निर्देश पर 33 महाविद्यालयों को नोडल सेंटर बनाया है, जिसमें छह सेंटर बरेली जिले में बनाए गए हैं।

परीक्षा के दौरान 25 से 31 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश भी होगा। इस बार परीक्षा रविवार को भी कराई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार ने महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय की ओर से गोपनीय पत्राचार प्राप्त करने के लिए नोडल केंद्र बनाए गए हैं। बरेली जिले में बरेली कॉलेज, गन्ना उत्पादक महाविद्यालय बहेड़ी, खंडेलवाल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, राजेंद्र प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मीरगंज, राजकीय महाविद्यालय फरीदपुर और डॉ. राममनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय आंवला को केंद्र बनाया गया है।

मुख्यमंत्री 11 को करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मंडलीय समीक्षा के लिए मुरादाबाद जाते समय जिले के भाजपा नेताओं से की मुलाकात

अमृत विचार : आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद मंडल का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 दिसंबर को बरेली आ रहे हैं। वह विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक करेंगे। वह समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार या फिर विकास भवन सभागार में करेंगे, इसको लेकर स्थिति अस्पष्ट है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछली बैठक में मुख्यमंत्री ने किस-किस विभाग को क्या दिशा-निर्देश दिए, उन विभागों ने होमवर्क तेज कर दिया है। वहीं, सोमवार को एयरफोर्स में चेंजओवर के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से बरेली आगमन की बात कही।

शहर के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष उन मुद्दों को उठाने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। जिन मुद्दों पर पिछली मंडलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अफसरों को प्रस्ताव बनाकर भेजने को निर्देशित किया था। उसमें तीन सौ बेड हॉस्पिटल को एम्स की तर्ज पर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाने, सेटेलाइट फ्लाईओवर को वाईशेप में बनाने के साथ सौ फुटा रोड पर फ्लाईओवर आदि मुद्दे शामिल हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर शहर में सड़कों के गड्ढे भी भरे जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग की टीम सोमवार को विकास भवन रोड से लेकर शहामतगंज पुल और स्टेडियम रोड पर गड्ढे भरती नजर आई। इसके साथ ही सर्किट हाउस और विकास भवन रोड से लेकर डेलापीर तक डिवाइडर की भी रंगाई-पुताई करायी जा रही है। डिवाइडर को चमकाने का कार्य कई दिनों से चल रहा है।

उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुरादाबाद दौरे पर गए। मुरादाबाद जाने के दौरान उन्होंने एयरफोर्स में चेंजओवर किया। मुख्यमंत्री करीब 10.20 बजे राजकीय वायुयान से त्रिशूल एयरपोर्ट पर उतरे और चेंजओवर के दौरान वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, मेयर डॉ. उमेश गौतम, बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह और भाजपा के तीनों जिलाध्यक्षों में अधीर सक्सेना, आदेश प्रताप सिंह, सोमपाल शर्मा के अलावा सांसद प्रतिनिधि दुष्यंत गंगवार ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। करीब पांच मिनट की मुलाकात में मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से बरेली के हालचाल जानें। एसआईआर कार्य को पूरी लगन से संपन्न कराने के लिए कहा। इसके साथ 11 दिसंबर को बरेली आगमन पर मंडलीय समीक्षा बैठक करने के संकेत दिए हैं। वहीं, प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी 11 को सीएम के आगमन की बात सही बताई है।

सर्वर डाउन होने से ड्राइविंग लाइसेंस का काम प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीटीआई कार्यालय में दिखी आवेदकों की भीड़
- पिछले एक सप्ताह से आवेदक लगा रहे चक्कर

अमृत विचार : आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) में सर्वर डाउन होने से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने काम प्रभावित हो रहा है। सर्वर अपडेट होने की वजह से यह समस्या पिछले सप्ताह दिन से चल रही है। शुक्रवार को सर्वर में दिक्कत रही। शनिवार दोपहर बाद सर्वर पूरी तरह बंद हो गया। सोमवार को सुबह में कुछ समय के लिए सर्वर चलने के बाद दोपहर बाद फिर बैठ गया। इसके चलते न तो डीएल के लिए फोटो खिंच पाए और न ही लाइसेंस का काम आगे बढ़ पाया। घंटों आवेदकों की कार्यालय में लाइन लगी रही और उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा।

आरटीओ में प्रतिदिन 99 लाइसेंस रिन्यूवल और 250 लाइसेंस स्थाई बनाए जाते हैं। सर्वर डाउन होने ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े काम अटके हैं। इससे आवेदकों के साथ अफसर और कर्मी भी परेशान हैं। उनका कहना है दिन में कई बार सर्वर चलता भी है तो उसकी धीमी गति से प्रक्रिया पूरी होने में अधिक समय लगता है। जिस कारण आवेदक को परेशान होना पड़ता है।

डीटीआई कार्यालय में सुबह करीब 11 बजे ही सर्वर ठप हो गया। ऐसे में लाइसेंस रिन्युअल कराने और स्थाई लाइसेंस बनवाने वालों की भीड़ लगी रही, लेकिन काम नहीं हुआ। दोपहर में कुछ देर के लिए सर्वर दुरूस्त हुआ। इसके बाद ड्राइविंग लाइसेंस रिन्युअल और स्थाई लाइसेंस बनाने का कार्य जैसे ही शुरू किया गया, उसके चंद मिनट बाद सर्वर फिर धीमा हो गया। एआरटीओ डॉ. पीके सरोज का कहना है कि इंटरनेट कार्य नहीं करने की वजह से सर्वर की समस्या रही है। पिछले सप्ताह से ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े मामलों की पेंडेंसी भी बढ़ गई। सर्वर की यह समस्या बरेली ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में बनी हुई।

बंदर पकड़ने वाली कंपनी भागी

बरेली, अमृत विचार : शहर में कुत्तों-बंदरों को पकड़ना अब नगर निगम के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर (एबीसी) के संचालन की प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई है और अब पूर्व में निर्धारित कंपनी ने भी बंदर पकड़ने से लिखित रूप से मनाही कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार नवंबर के अंत तक कंपनी ने शहर के तमाम वार्डों से करीब एक हजार बंदर पकड़े हैं। कंपनी के जिम्मेदारों का तर्क है कि ठीक से कार्य करने के बाद भी कई बार पार्षदों, अधिकारियों और आमजन की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कंपनी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप से कार्य न करने को कह दिया है। इतना ही नहीं बोर्ड बैठक में मंजूरी के बाद भी कुत्ता और बंदर पकड़ने की कार्य योजना का रोस्टर भी अधिकारी नहीं बना पाए हैं। इतना ही नहीं तमाम प्रयासों के बाद भी एबीसी के संचालन के लिए जो कंपनियां सामने आई हैं उनका सत्यापन तक अधूरा है।

डिब्रूगढ-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन का आज से होगा संचालन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पहले से निरस्त चल रही ट्रेनें कम होने से लिया गया फैसला

अमृत विचार: हवाई यात्रा पर संकट के बीच रेलवे की तरफ से यात्रियों को राहत दी गई है। रेलवे ने 05903 डिब्रूगढ-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 9 दिसंबर से ट्रेन डिब्रूगढ से आनंद विहार पहुंचेगी।

उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से फंसे हुए यात्रियों के लिए रेलवे की तरफ से स्पेशल ट्रेन 05903-05904 डिब्रूगढ-आनंद विहार संचालित की जाएगी।

05903 डिब्रूगढ-आनंद विहार 9 दिसंबर को डिब्रूगढ से दोपहर 2 बजे चलने के बाद न्यू तिनसुकिया, दिमापुर, गुवाहाटी, कोकराझाड, किशनगंज, कटिहार, बरौनी, शाहपुर, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सिवान, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा से होते हुए अगले दिन सुबह 7:10 बजे लखनऊ पहुंचेगी। यहां से बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद होते हुए शाम 4 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वहीं वापसी में 05904 आनंद विहार-डिब्रूगढ़ 12 दिसंबर को आनंद विहार से रात 12:40 बजे चलने के बाद अगले दिन सुबह 11:10 बजे लखनऊ और अगली शाम 5:20 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। इसके अलावा 04207 वाराणसी से 8 दिसंबर को दोपहर 2:50 बजे चलकर मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन शाम 4:50 बजे, रायबरेली शाम 6:25 बजे, लखनऊ रात 8:20 बजे, बरेली से रात 12:38 बजे, मुरादाबाद से रात 2:10 बजे, गाजियाबाद सुबह 4:28 बजे होते हुए नई दिल्ली सुबह 5:15 बजे पहुंचेगी।

आयुष्मान : एक साल से बंद है एड मेंबर का विकल्प

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बीते वर्ष तक आयुष्मान लाभार्थी को जारी होने वाले गोल्डन कार्ड में एड मेंबर का विकल्प होता था, जिससे वह खुद परिवार के सदस्यों को कार्ड से जोड़ सकता था, लेकिन फर्जीवाड़े की आशंका से पहले ही शासन ने इस विकल्प को बंद कर दिया है।

इस संबंध में एक शिकायत आने पर जांच की गई तो विकल्प बंद होने की जानकारी हुई। दरअसल, पोर्टल पर एड मेंबर विकल्प को बंद करने की सूचना विभागीय अधिकारियों को भी नहीं थी, लेकिन हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के जिला अस्पताल स्थित आयुष्मान कार्यालय में एक शिकायत आई। एक पंचायत सहायक ने शिकायती पत्र दिया और बताया कि उसने आयुष्मान कार्ड में परिवार के सदस्यों को जोड़ने के ऑनलाइन विकल्प से 50 रिश्तेदारों के नाम जोड़ लिए थे।

पांच साल तक के बच्चे को मिलेगा इलाज

आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया एड मेंटर विकल्प को एक साल पहले शासन स्तर से बंद कर दिया गया है। अगर किसी का पिता लाभार्थी है तो उसके पांच साल तक बच्चे को योजना में कवर मिलेगा। इसके लिए इलाज के दौरान बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र दिखाना होगा। अन्य सदस्यों के लिए अब कार्यालय में आकर ही नाम जुड़वाना पड़ेगा।

कार्यालय स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, बरेली

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 820/स्वा.वि./न.स्वा.अधि./2025-26 | दिनांक 08.12.25

ई-निविदा सूचना ठेकेदारों से 05 वार्डो की सफाई कार्य हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 05 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.12.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.12.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	24.12.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	24.12.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम, बरेली

कार्यालय शाहजहाँपुर विकास प्राधिकरण, शाहजहाँपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ऑनलाइन पत्रावली संख्या- SJDA/BP/25-26/0015, दिनांक 04.09.2025 के माध्यम से मो.- लोधीपुर, तहसील सदर के गाटा सं0-318, 319, 320 एवं 321 (कुल क्षेत्रफल 5489 वर्गमीटर) पर मल्टीप्लेक्स भवन के निर्माण हेतु मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। शाहजहाँपुर महायोजना-2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय क्षेत्र में दर्शित है। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर-15.3.1 के क्रम संख्या-2.4 के अंतर्गत मल्टीप्लेक्स/शॉपिंग मॉल क्रिया अनुमन्य है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर-15.1.3 के बिन्दु संख्या- (iv) में उल्लेख है कि महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जायेगी। उक्त के क्रम में जन सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने हैं तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर प्राधिकरण कार्यालय स्थित ककरा काकर कुण्ड, निकट ककरा पुल, अजीजगंज में प्राप्त करा सकते हैं। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

सचिव, शाहजहाँपुर विकास प्राधिकरण, शाहजहाँपुर

संविदा चालकों-परिचालकों का जनवरी 2026 से बढ़ेगा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• लागू होंगी नई प्रोत्साहन योजनाएं

अमृत विचार : प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने संविदा चालकों और परिचालकों के लिए मानदेय बढ़ोतरी और कई नई प्रोत्साहन योजनाओं का बड़ा ऐलान किया है। नोएडा, एनसीआर व बॉर्डर क्षेत्रों में 10 पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गयी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से परिवहन निगम संविदा कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मानदेय का भुगतान शुरू करेगा।

उप्र.राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र की नगरीय-ग्रामीण सेवाओं, एनसीआर (कौशांबी, साहिबाबाद, लोनी) और गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सोनौली, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज डिपो में तैनात संविदा चालक–परिचालक को अब 2.18 रुपये से बढ़ाकर 2.28 रुपये प्रति किमी मानदेय मिलेगा। यानी 10 पैसे प्रति किमी की वृद्धि लागू होगी। इसके अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा चालक-परिचालकों को 14 पैसे प्रति किमी मानदेय वृद्धि दी जाएगी।

प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि एक वित्तीय वर्ष में 288 दिनों की ड्यूटी और 66000 व 78000 किमी की यात्रा पूरी करनी होगी। ऐसे चालकों को पारिश्रमिक 14,687 और प्रोत्साहन 4,000 कुल 18,687 रूपए देय होगा, इसी प्रकार परिचालकों को पारिश्रमिक 14,418 और प्रोत्साहन 4,000 रुपये कुल 18,418 रुपये मिलेंगे। उक्त योजना में चयन के बाद 22 दिन ड्यूटी और 5,000 किमी संचालन प्रति माह मिलेगा।

मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरेगा यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• प्रदेश सरकार ने लखनऊ में की मखाना विकास योजना की शुरुआत की घोषणा
• कार्ययोजना के लिए केंद्र सरकार ने 158 लाख रुपये जारी किए
• कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए

जानकारी देते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरने को कमर कसने जा रहा है। राज्य सरकार ने मखाना विकास योजना की शुरुआत दी है। हालांकि वर्तमान में भारत में सर्वाधिक मखाना बिहार राज्य में पैदा होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा है।

दरअसल, भारत सरकार ने वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया और प्रथम चरण में 10 राज्यों में योजना लागू की, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है और 158 लाख रुपये भी जारी किए हैं।

चूंकि मखाना एक सुपरफूड है, जिसकी बाजार में उच्च मांग है। यह ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों ने उत्तर प्रदेश की जलवायु को मखाना उत्पाद के लिए उपयुक्त पाया है। पूर्वांचल के कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती जिले मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए हैं।

इन जिलों को मखाना उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल इसलिए भी माना गया, क्योंकि जहां सिंघाड़े की खेती संभव है, वहां मखाना उत्पादन भी अत्यंत सफल रहेगा। अगले वित्तीय वर्ष से विभाग मखाना की खेती के क्षेत्र का विस्तार, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन और प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर शुरू करने जा रहा है।

राज्य सरकार की मंशा है कि मखाना विकास योजना उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बने।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि केन्द्र से मिली धनराशि से मखाना खेती के लिए तालाबों का चयन व निर्माण, किसानों की ट्रेनिंग प्रोग्राम, बायर-सेलर मीट, प्रचार-प्रसार, एक्सपोर्टर्स की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी और सेमिनार जैसे कार्यक्रम कराए जाने हैं। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ा दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिपिन रावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत की स्मृति में बने आधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन करेंगे। 1000 से अधिक सीटों वाले इस ऑडिटोरियम का निर्माण राज्य सरकार ने सैनिक स्कूल प्रोजेक्ट के तहत कराया है। कार्यक्रम में जनरल रावत की प्रतिमा का अनावरण तथा उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी होगा। इस आयोजन में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा, पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया और रावत परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। दोपहर बाद मुख्यमंत्री नरकटहा, पिपरौली में पावरग्रिड के सीएसआर फंड से 16 करोड़ रुपये से बने राजकीय आईटीआई का लोकार्पण करेंगे।

एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव कल

अमृत विचार, लखनऊ : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह का मुख्य महोत्सव बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षा परिषद की संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इंटर, स्नातक और परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वर्गीय प्रो. यूपी सिंह पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। परिषद की स्थापना 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने की थी। 4 दिसंबर को शुरू हुए संस्थापक सप्ताह का समापन 10 दिसंबर को उत्कृष्ट प्रतिभाओं के सम्मान के साथ होगा।

दक्षिण भारतीय प्रतिनिधियों ने की यूपी की प्रशंसा

अमृत विचार, लखनऊ : काशी तमिल संगमम-4 में पहुंचे दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश की गुड गवर्नेंस, सुरक्षा व्यवस्था और तीव्र विकास कार्यों की खुलकर सराहना की। चेन्नई की मोनालीसा ने कहा कि योगी जैसा मुख्यमंत्री हमारे राज्य में होता तो हमारा शहर और अधिक विकसित होता। प्रतिनिधियों ने महिला सुरक्षा के इंतजाम को उत्कृष्ट बताया। पुडुचेरी के पृथ्वीराज ने कहा कि काशी का हेरिटेज संरक्षण और सौंदर्यीकरण अद्भुत है। तिलकवदी ने सड़क, यातायात और स्वच्छता में आए बड़े बदलावों को स्पष्ट और प्रभावशाली बताया। प्रतिभागियों ने योगी सरकार के कार्यों को 10 में 10 नंबर दिए।

एसआईटी करेगी कफ सिरप तस्करी की जांच

आईजी स्तर का अधिकारी होगा एसआईटी का प्रभारी, वित्तीय लेन-देन व गिरोह के नेटवर्क की जांच का जिम्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : लोक भवन में कार्रवाई को लेकर जानकारी देते प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब। अमृत विचार

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त सिरप तस्करी गिरोह के नेटवर्क व फर्जी दस्तावेजों पर बने मेडिकल फर्म की जांच एसआईटी करेगी। प्रदेश स्तरीय एसआईटी के गठन की तैयारी की जा रही है। जल्द ही एसआईटी के सदस्यों व प्रभारी की घोषणा कर दी जाएगी। इसका प्रभारी आईजी स्तर का अधिकारी होगा। एसआईटी वर्तमान में चल रही जांचों की नियमित समीक्षा भी करेगी। साथ ही वित्तीय लेनदेन की जांच करेगी। इसमें दोषी पाए गये लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी।

प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि एसआईटी सारे तथ्यों को जुटाएगी। हर बिन्दु पर जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। डीजीपी ने कहा कि सिरप को मेडिकल इस्तेमाल की जगह नशे में प्रयोग के लिए तस्करी करने में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि इसमें जीरो टालरेंस नीति अपनाई जाए।

सिरप प्रतिबन्धित नहीं, नशे के लिए किया गया प्रयोग : एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने कहा कि प्रदेश में 279 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद 28 जिलों में 128 एफआईआर की जा चुकी है। ये सारी एफआईआर कोडीन युक्त सिरप का नशे के तौर पर इस्तेमाल कराने के लिए की गई है। इसके अलावा फर्जी फर्म और मेडिकल फर्म का लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी दवा कंपनियों द्वारा इन्हें सप्लाई करने के मामले में भी कार्रवाई की गई है। फेंसेडिल, न्यू फेंसेडिल अथवा अन्य सिरप पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है। छोटे दुकानदारों को परेशान न करने के निर्देश टीम को दिए जा चुके हैं।

अब तक 31 गिरफ्तार, तीन लाख से अधिक का माल बरामद

डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक इस मामले में पूरे प्रदेश में कुल 31 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इसमें मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के पिता भी शामिल है। अब तक इस मामले में हेमंत पाल, ब्रजमोहन शिवहरे, रामगोपाल धाकड़, सौरभ त्यागी, शादाब, शिवकान्त उर्फ शिव, सन्तोष भडाना, अम्बुज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दीपू यादव, सुशील यादव, धर्मेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, पवन गुप्ता, शैलेन्द्र आर्या, विभोर राणा, विशाल सिंह, बिट्टू कुमार, सचिन कुमार, अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा, आलोक प्रताप सिंह, रूपम राय, दिवाकर सिंह, अब्दुल कादिर, रहमान नूरी, नीरज कुमार दीक्षित, अली सरीम मेकरानी, मोहम्मद आफताब, भोला प्रसाद जायसवाल, विशाल जायसवाल, बादल आर्या एवं आजाद सिंह शामिल है। आरोपियों के पास से तीन लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाह

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकरण को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। भ्रामक खबरें दिखाई जा रही हैं। किसी भी मेडिकल स्टोर के मालिक को सिर्फ इस सिरप की बिक्री को लेकर परेशान नहीं किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल नशे के तौर पर कराने के लिए इस सिरप की तस्करी की जा रही है तो वह अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसे ही लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

कफ सिरप मामले में जेल वार्डन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• बर्खास्त सिपाही व तस्कर का है करीबी

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वार्डन महेंद्र प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। महेंद्र के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और तस्कर अमित सिंह टाटा से करीबी रिश्ते थे। दोनों के साथ सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें भी वायरल हुई। वहीं जांच में सामने आया कि जेल वार्डन के खाते में आलोक व अमित ने कई बार कफ सिरप तस्करी के रुपये भी मंगाए थे। पुलिस के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने जब कड़ियां जोड़नी शुरू की तो महेंद्र शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक प्रताप सिंह का काफी करीबी निकला। आलोक और अमित लखनऊ जिला जेल में बंद है। वहीं पर महेंद्र प्रताप सिंह भी तैनात है। जेल में इन दोनों को सुविधा भी मुहैया कराने में महेंद्र ने पूरे प्रयास किये। जेल प्रशासन ने उसकी भूमिका और संभावित साठगांठ की जांच शुरू कर दी है। महेंद्र के निलंबन के बाद अब जेल में आलोक पर निगरानी और बढ़ा दी गई है।

मास्टरमाइंड के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• डीजीपी बोले- शुभम को भारत लाने की औपचारिकताएं की जा रही पूरीं

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी कर करोड़ों रुपये डकारने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल दुबई भाग गया है। उसके प्रत्यर्पण की तैयारी पुलिस व एसटीएफ की टीम कर रही है। इसके लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दुबई इस तरह के मामलों में पूरा सहयोग करता है। दुबई में छिपे शुभम के साथ उसके साथियों को भी कार्रवाई की जद में लाया जाएगा। यह जानकारी डीजीपी राजीव कृष्ण ने दी।

डीजीपी के मुताबिक, पिछले साल फरवरी में फेंसेडिल सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में पकड़ी गई थी। इसके बाद जांच हुई तो विभोर राणा और विशाल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इन लोगों ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, तब पहली बार वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल का नाम सामने आया। जांच के दौरान ही अमित टाटा, फिर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी से पूरा खेल ही सामने आ गया।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि शुभम को भारत लाने की प्रक्रिया की जा रही है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। नेपाल और बांग्लादेश में सिरप की तस्करी की गई डीजीपी ने साफ किया कि कुछ फर्मों ने फर्जी ई-बिल के जरिए कई प्रदेशों में ही नहीं बल्कि नेपाल और बांग्लादेश तक इस सिरप की तस्करी की। इसके साक्ष्य भी मिल चुके हैं। इस तस्करी में लिप्त हर आरोपी को कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। शैली ट्रेडर्स के जरिए सबसे ज्यादा सप्लाई की गई एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि शैली ट्रेडर्स ने सबसे ज्यादा इस सिरप की सप्लाई की। उन्होंने कहा कि औषधि निरीक्षकों ने हिमाचल प्रदेश की दो, उत्तराखंड की तीन कोडीनयुक्त कफ सिरप के निर्माता, पानीपत की एक और रांची की एक फर्म के क्रय-विक्रय का ब्योरा जुटाया। इसमें कई फर्मों ने फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई की। इन सभी को कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है।

बीज प्रमाणीकरण न कराने वाले एफपीओ से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• कृषि मंत्री ने लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार

अमृत विचार: राज्य सरकार की जानकारी में आया है कि 24 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और उसका विक्रय उप्र. बीज विकास निगम को कर दिया है। लेकिन तमाम ऐसे भी हैं, जो आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं, और साथ ही उन्हें सख्त निर्देश भी दिए गए।

इसी कड़ी में 27 एफपीओ ऐसे भी सामने आए, जिनके द्वारा अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में अपना पंजीकरण नहीं कराया गया है। कृषि मंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए इन एफपीओ को चेतावनी दी कि पंजीकरण न कराने की स्थिति में सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी पाया गया कि 32 एफपीओ के उत्पादित बीज अब तक उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा क्रय नहीं किए गए हैं, जिस पर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने संबंधित योजना अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कृषि उत्पादक संगठनों को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने किए जाने वाले आवश्यक कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे की शिकायतों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे आदि शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि शासन से लेकर जिले और तहसीलों के अधिकारी शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंचे 42 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी लोग निश्चिंत होकर घर जाइए, हर समस्या का उचित समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके बाद शिकायत करने वालों से फीडबैक भी लिया जाए। आवास की मांग को लेकर भी कुछ जरूरतमंदों ने योगी से निवेदन किया, जिस पर विचार करते हुए उन्होंने पीएम-सीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार पहले ही दिन से चिकित्सा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। धन के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं प्रभावित होगा। प्रदेश में जिस भी जरूरतमंद को इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी तो सरकार सदैव उसके साथ सदैव खड़ी रहेगी। 'जनता दर्शन' में पांच लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा।

तैयारी तेज | मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा, 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

प्रयागराज माघ मेले का होगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• मुख्य सचिव ने की मेले की तैयारियों की समीक्षा

अमृत विचार: प्रयागराज में लगने जा रहे माघ मेला में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में आने वाले संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए इस बार मेले को और अधिक सुविधाजनक बनाने को व्यापक विस्तार किया जा रहा है।

स्नान घाट की लंबाई वर्ष 2024 के दो किलोमीटर से बढ़ाकर 2.8 किलोमीटर की जा रही है। सेक्टरों की संख्या 5 से बढ़ाकर 7, मेला क्षेत्रफल 750 हेक्टेयर से बढ़ाकर 800 हेक्टेयर, पार्किंग स्थल 30 से बढ़ाकर 42, पॉन्टून पुल 6 से बढ़ाकर 7 तथा संस्थाओं की संख्या 4599 से बढ़ाकर 4900 की जा रही है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मेला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि माघ मेला से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा निरंतर मौके पर जाकर पर्यवेक्षण किया जाए और जहां कहीं भी काम पीछे हो, वहां तत्काल प्रगति लाई जाए। सभी निर्माण एवं व्यवस्थाएं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरी हों, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रकाश व्यवस्था में दिखेगा नव्य स्वरूप : नगर निगम 150 करोड़ रुपये की योजना के तहत शहर से लेकर मेला क्षेत्र तक मार्गों को आकर्षक रोशनी से सजा रहा है। 260 प्रमुख वृक्षों पर नियॉन और स्पाइरल लाइट्स का संयोजन दर्शकों को दिव्य अनुभव देगा। एयरपोर्ट से संगम तक आने वाले मार्गों पर शंख, चक्र, त्रिशूल और अन्य धार्मिक प्रतीकों के मोटिव्स लगी लाइट्स श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करेंगी। विस्तारित क्षेत्र के 28 वार्डों में 11,000 से अधिक नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। मेला प्रशासन से मिली 4,400 लाइटें भी उपयोग में लाई जा रही हैं।

स्वच्छता और चिकित्सा के लिए खास व्यवस्थाएं

स्वच्छता के विशेष प्रबंध करते हुए मेला क्षेत्र में 23700 सामुदायिक शौचालय, 2000 यूरिनल, 6 सामुदायिक कंटेनर शौचालय, कूड़ा उठान के लिए 25 हॉपर-टिपर, 12 कॉम्पैक्टर तथा 8000 कूड़ेदान स्थापित किए जाएंगे। मेला क्षेत्र की साफ-सफाई और सैनिटेशन के कार्यों के लिए 3300 लोगों को 24 घंटे तैनात किया जाएगा। चिकित्सा व्यवस्था के अंतर्गत 20-20 शैय्या वाले दो अस्पताल, 12 प्राथमिक उपचार केंद्र, 50 एम्बुलेंस, 5 आयुर्वेदिक तथा 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय 25 दिसंबर से क्रियाशील रहेंगे। वेक्टर कंट्रोल यूनिट पहले से ही कार्यरत है।

विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान में भाग लेने को गाइडलाइंस जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एसआईआर के बीच विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान प्रक्रिया में भाग लेने को उनके पंजीकरण की गाइडलाइंस जारी कर दी गई है। ऐसे प्रवासी भारतीय नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए ऑफलाइन फार्म-6ए भरकर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास डाक द्वारा भेज सकते हैं।

इस क्रम में ऐसे प्रवासी भारतीय आएंगे, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों, मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने को पात्र होंगे। वह अपने रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से भारत में सामान्यतया निवास स्थान से अनुपस्थित रहते हैं, उस निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें उसके पासपोर्ट में उल्लिखित भारत में उसके निवास स्थान के पते का उल्लेख है, से सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने के पात्र होंगे।

दरअसल, प्रवासी भारतीय निर्वाचक एक ऐसा व्यक्ति है, जो भारत की नागरिकता रखता हो, भारत को छोड़कर किसी अन्य राष्ट्र में रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से रह रहा हो तथा जिसने किसी अन्य राष्ट्र की नागरिकता प्राप्त न की हो। ऐसा वोटर ऑनलाइन माध्यम यानी आयोग की वेबसाइट या ऐप से भी आवेदन कर सकता है। बाद में प्रवासी वोटर्स की लिस्ट अलग से तैयार की जाएगी।

अगर प्रवासी मतदाता स्वदेश वापस आ जाता है तो...

गाइडलाइन यह भी है कि अगर प्रवासी मतदाता भारत वापस आ जाता है और साधारण रूप से निवासी बन जाता है, तो उसे सम्बन्धित ईआरओ को सूचित करना चाहिए, जिससे उसका नाम प्रवासी निर्वाचक के रूप में पंजीकरण से हटाकर सामान्य मतदाता सूची में शामिल किए जाने की कवायद की जा सके। मतदान केन्द्र में मतदान करते समय ऐसे वोटर की पहचान केवल उसके मूल पासपोर्ट के आधार पर की होगी।

अमृत विचार
मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

सिर्फ वही समाधान सार्थक होते हैं, जो लोग स्वयं खोज लेते हैं।
–सत्यजीत रे, फिल्मकार

लापरवाही की आग

गोवा के एक नाइट क्लब में हुआ भीषण अग्निकांड, जिसने 25 निरपराध लोगों की जान ले ली, जिसमें प्रदेश के दो लोग भी शामिल हैं, केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, नियमों की अवहेलना और लालच में अंधे व्यावसायिक मॉडल का भयावह परिणाम है। असली दोषी केवल इलेक्ट्रॉनिक पटाखे या क्लब प्रबंधन नहीं, बल्कि वह पूरा तंत्र है, जिसने अवैधता को वर्षों तक पनपने दिया और निरीक्षण की मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। हैरत की बात है कि यह हादसा पर्यटक सीजन के चरम पर हुआ, जब सरकार को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए थी।

गोवा की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर है, अतः भीड़भाड़, नाइट लाइफ़ और मौसमी गतिविधियों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का और अधिक कठोरता से पालन स्वाभाविक अपेक्षा है, लेकिन हुआ इसका उलटा। निरीक्षण शिथिल, निगरानी सतही और अवैध प्रतिष्ठानों की भरमार। यह तथ्य कि क्लब के पास न तो कंस्ट्रक्शन लाइसेंस था, न फायर एनओसी और पंचायत ने अवैध निर्माण का नोटिस भी थमा रखा था, फिर भी क्लब निर्बाध रूप से संचालित होता रहा- पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कारण था कि कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह ढिलाई जानबूझकर बरती गई? या स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक संरक्षण और व्यावसायिक हितों के चलते नियमों को हवा में उड़ा दिया गया? कोई भी उत्तर हो- जिम्मेदारी शासन तंत्र पर ही आती है। क्लब का पणजी से 25 किलोमीटर दूर होना शायद क्लब प्रबंधन को यह गलत भरोसा दे गया कि निरीक्षण टीमें इतनी दूर तक बार-बार नहीं आएंगी। यह मानसिकता कि नियमों की पकड़ कमजोर है, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं की जड़ है। बैकवॉटर किनारे स्थित इस क्लब में संकरे एंट्री-एग्ज़िट गेट और बेसमेंट में बिना वेंटिलेशन के निर्माण की अनुमति कैसे मिली? दमघोंटू धुएं के कारण हुई मौतें साफ बताती हैं कि भवन निर्माण और आंतरिक सज्जा के मानकों को बर्बर ढंग से नजरअंदाज किया गया था। कई प्रतिष्ठान संगीत, नृत्य, शराब परोसने और बड़े आयोजन चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस लिए बिना ही 'छद्म' व्यापार चलाते हैं। सरकार का यह कहना कि अब सभी क्लबों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा- एक त्रासदी के बाद जागने जैसा हास्यास्पद और अस्वीकार्य है।

सामान्यतः सुरक्षित माना जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक पटाखों को भीड़भाड़, संकरी जगहें और ज्वलनशील सजावट जोखिमपूर्ण बना सकती है, ऐसे में विवाह समारोहों और बंद हॉल में इनके इस्तेमाल पर गंभीर पुनर्विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस घटना का प्रभाव गोवा की साख पर कितना पड़ेगा? यदि सुरक्षा को लेकर राज्य की यह उदासीनता बनी रही, तो पर्यटकों की संख्या और गिरना अवश्यंभावी है, जिसका व्यापक आर्थिक असर पड़ेगा। सुरक्षा बैरियर, निरीक्षण प्रणाली, लाइसेंस सत्यापन और आपातकालीन प्रतिक्रिया- इन सबका कड़ाई से पालन ही जीवन बचाता है। यह घटना कड़ी चेतावनी है कि किसी भी राज्य को यह भूल नहीं करनी चाहिए कि मनोरंजन या राजस्व कभी भी मानव जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उम्मीद है, सरकारें इस पर ध्यान देंगी।

प्रसंगवश

सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र

भारत का भू-सांस्कृतिक मानचित्र केवल एक नक्शा नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, खेती, परंपराओं, समुदायों और सांस्कृतिक व्यवहारों की सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र है। यह उस भारत का प्रतिरूप है, जिसकी बनावट केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित एक जीवंत सांस्कृतिक पारिस्थितिकी से होती है। जिस समय दुनिया जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण और असंतुलित शहरीकरण की मार झेल रही है, उस समय भारत का यह भू–सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकास की नई दिशा का आधार बन सकता है।

आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और संस्कृति के बीच जन्मे उस संतुलन को लगातार पीछे धकेला, जो भारतीय जीवन पद्धति

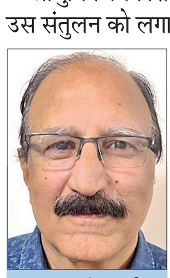

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

की आत्मा था। बीते दो शताब्दियों में आर्थिक वृद्धि के नाम पर वह दृष्टि हावी हुई, जिसने जल, भूमि और समुदायों को संसाधन भर मान लिया। परिणाम यह हुआ कि भारत की अर्थव्यवस्था में कभी 32 प्रतिशत तक योगदान देने वाला प्रकृति संस्कृति का साझा योग घटकर मात्र चार प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस पृष्ठभूमि में भू-सांस्कृतिक मानचित्रण का विचार न केवल वैज्ञानिक महत्त्व रखता है, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सांस्कृतिक दस्तावेज भी बन सकता है।

भू-सांस्कृतिक मानचित्र की अवधारणा यह स्वीकार करती है कि भारत को सिर्फ 15 एग्रो–क्लाइमेटिक ज़ोन में बांटकर नहीं समझा जा सकता। देश की मिट्टी, नमी, स्थलरूप, ऋतु–चक्र, कृषि–पद्धति, बोली–भाषाएं, लोक–ज्ञान और सामुदायिक ढांचे इतनी विविधता लिए हुए हैं कि वास्तविकता में यहां 86 से अधिक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की पहचान सात प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। मिट्टी का प्रकार, जल–उपलब्धता, खेती, प्राकृतिक वनस्पतियां, पारंपरिक पेशे, सांस्कृतिक व्यवहार और सामुदायिक जल–प्रबंधन। इन सभी तत्वों के संगम से बनने वाले प्रत्येक क्षेत्र का चरित्र विशिष्ट होता है और वही इसे भू–सांस्कृतिक इकाई बनाता है।

इस अवधारणा की चर्चा हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में हुई, जहां देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों, डिज़ाइन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे भारत के भविष्य की दिशा के रूप में रेखांकित किया। विकास बनाम पुनर्जनन के संदर्भ में नये नजरिए को विकसित करने के लिए जल चेतना वाहक एवं जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह ने भू–सांस्कृतिक मानचित्र की संकल्पनना का एक खाका सामने रखा, जो विकास की पुरानी दृष्टि से बाहर आकर प्रकृति और संस्कृति के पुनर्जनन को केंद्र में होने की पैरवी करता है। ये आत्मनिर्भर भारत का मूल मार्ग होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मधुलिका बैनर्जी बताती हैं कि शिक्षा व्यवस्था ने लोक ज्ञान को उपेक्षित किया है, जबकि भारतीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सह अस्तित्व पर टिका है। एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि स्थानीय भू-सांस्कृतिक अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किए बिना शिक्षा को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा जा सकता। पर्यावरणीय अर्थशास्त्री विजय परांजपे का मानना है कि भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है। हमें भू-सांस्कृतिक दृष्टि के आर्थिक पक्ष को भी देखने की जरूरत होगी। भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है।

इंडिगो का संकट और 'गुडाकेश' सिंड्रोम

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

महाभारत में असाधारण वीरता की कथाओं की भूमिका में अर्जुन को 'गुडाकेश' कहकर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ है निद्रा पर विजय प्राप्त करने वाला। योगबल से अर्जुन ने यह शक्ति अर्जित की थी, जब उनके शत्रु नींद से भ्रमित, विक्षिप्त, स्मृति-शिथिल होने लगते थे, विजय सामने आ खड़ी होती थी। ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो भी इस 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जो हालिया संकट के प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं, एयरपोर्टों पर अराजकता और अफरातफरी का आलम हुआ, तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं। किसी एयरपोर्ट पर एक पत्नी अपने पति का शव लेकर कई दिन इंतजार करती दिखी, कहीं इंडिगों संकट में दूल्हे के फंस जाने के कारण मुहूर्त बीत गया और शादी टालनी पड़ी।

महानायक अर्जुन पर देवताओं की जैसी कृपा थी और उन्होंने जो सफलताएं अर्जित कीं, उनकी तुलना इंडिगो की चमत्कारिक उपलब्धियों से की जा सकती है, क्योंकि यह लंबे समय से निवेशकों को मुनाफा देने वाली प्रिय कंपनी बनी हुई है। उड्डयन को संसार के काफी मुश्किल सेक्टर्स में गिना जाता है, जहां बिरले ही कोई कंपनी लगातार मुनाफे में बनी रह पाती है। आए दिन दुनिया की बड़ी-बड़ी एयरलाइन कंपनियों के संकट में होने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस परिस्थिति में भी आर्थिक विशेषज्ञ दावे करते रहते हैं कि इंडिगो जिस हिसाब से इस कदर स्पर्धा वाले बाजार में भी साल दर साल मुनाफा बना रही है, वह आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी बन सकती है।

> ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं। तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं।

इंडिगो के मुनाफे का राज उसके अति सख्त और हठी-प्रबंधन में छिपा है। एक ही एयरक्राफ्ट को दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर अधिकतम चक्कर लगवाना, कुशल ईंधन प्रबंधन, पायलट और क्रू मेंबर्स से बहुत अधिक काम लेना और हर मामले में अधिकतम बचत का सिद्धांत लागू करना। अब हवाई यात्रा में पहले की तरह बिना मांगे पानी नहीं मिलता और उर्जा की बचत के लिए ठंडा खाना बेचा जाता है। यह कोई नया प्रबंधन नहीं है, पुरानी साहूकारी शैली में भी ज्यादा चतुर और कंजूस प्रबंधक यही तरीका अपनाते थे, चूंकि इससे निवेशकों को फायदा मिल रहा है, इसलिए मैनेजमेंट गुरु कामयाबी के गुण गा रहे हैं। कल कोई इससे अधिक कामयाब कंपनी आएगी उसकी जय होगी।

अभी तो जब से सरकार की मुक्त आकाश नीति के तहत उड्डयन का निजीकरण शुरू हुआ, कई कंपनियां अपनी किस्मत आजमाने आईं, लेकिन बंद हो गईं। वहीं इंडिगो का व्यापार बढ़ता गया और भारत जैसे विशाल देश के एविएशन सेक्टर में वो मोनोपॉली स्थापित करने में कामयाब रही। यहां याद रखने लायक है कि इंडिगो का यह विस्तार मुक्त अर्थव्यवस्था के उस बुनियादी सिद्धांत के विपरीत था, जिसमें यह कहा गया था कि कंपटीशन इतना होगा कि ग्राहक को अधिकतम लाभ पहुंचेगा और हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोग भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने जानबूझकर एविएशन सेक्टर में एकाधिकार को बनने दिया। ऐसा क्यों हुआ, कोई छिपी बात नहीं है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयर इंडिया की साख पर जो बट्टा लगा, उसने बाजार में इंडिगो की स्थिति को बहुत मजबूत किया, लेकिन यह भी तथ्य है कि इस हादसे के बाद फ्लाइट सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी होती गईं। इसी का ध्यान रखते हुए सरकार ने पायलटों के साप्ताहिक आराम की सीमा को बढ़ाकर 36 घंटे से 48 घंटे कर दिया। यह एक जरूरी काम था। जिस तरह दूसरे वाहनों के चालकों को नींद परेशान करती है, पायलटों की भी क्षमताओं पर असर डालती है, तब मानवीय चूक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस मामले में हुआ यह है कि सरकार ने यह फैसला करने से पहले यह जानने की कोशिश नहीं की कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के पास कितने पायलट हैं और काम के घंटे अचानक घटाए जाने से एयर ट्रैफिक संकटग्रस्त तो नहीं हो जाएगा?

ज़ाहिर है, सरकार को इंडिगो की वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था और उसने एयरलाइन को तैयारी का मौका दिए बिना अचानक फैसले का एलान कर दिया। इन दिनों विमानन का जो हाल है लोग जानते हैं, लेकिन इस संकट से लोगों का ध्यान एक बार फिर इस ओर गया कि पैंसेजर ट्रेन और रोडवेज की बसों में ठूंसकर इस देश के आम नागरिक अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचते हैं और मुनाफे की होड़ में उड्डयन के बुनियादी सिस्टम की उपेक्षा कितनी भारी पड़ सकती है। इस मामले में अंतिम नतीजा निराशाजनक रहा कि सरकार को पायलटों के काम के घंटों से संबंधित फैसला वापस लेना पड़ा है, लेकिन उसने यात्रियों को नुकसान से बचाने के लिए कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

इस राष्ट्रीय संकट जैसी स्थिति में किसी सकारात्मक और हल निकालने वाली सोच का परिचय देने के बजाय विमानन कंपनियों का जोर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर तिगुने-चौगुने महंगे टिकट बेचकर माल बटोरने वाला रहा। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर का जमकर फायदा उठाया गया, जिसे कारपोरेट की भाषा में आपदा में अवसर भी कहा जाता है, लेकिन मुख्य प्रश्न वही है, इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां पायलटों और अन्य स्टॉफ से उतना काम ले रही हैं, जिससे अधिक ले पाना जैविक रूप से संभव नहीं और उन सभी को अर्जुन की तरह गुडाकेश भी नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कोई व्यावहारिक रास्ता खोजना पड़ेगा।

आमने सामने

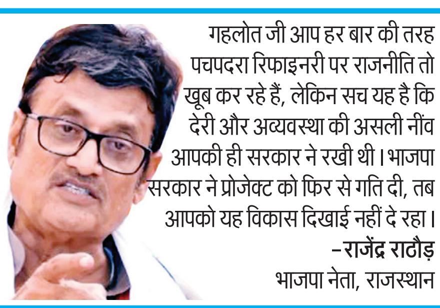

गहलोत जी आप हर बार की तरह पचपदरा रिफाइनरी पर राजनीति तो खूब कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि देरी और अव्यवस्था की असली नींव आपकी ही सरकार ने रखी थी। भाजपा सरकार ने प्रोजेक्ट को फिर से गति दी, तब आपको यह विकास दिखाई नहीं दे रहा।
–राजेंद्र राठौड़
भाजपा नेता, राजस्थान

राठौड़ जी 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत आप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। रिफाइनरी पर बोलने से पहले आपको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। चार साल तक 'रिव्यू' के नाम पर आपने राजस्थान के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।
–टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

राष्ट्रमंडल खेल, विश्व ओलंपिक का अवसर

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नई ऊंचाई दे सकता है, परंतु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है, ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है और 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के 'पूर्वाभ्यास', 'पूर्व-ओलंपिक नमूने' और 'वैश्विक विश्वास की परीक्षा' के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएं प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज—सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो विश्व में यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

> 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व–ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर संपन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है, जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद हैं। अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है, इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जांच और जवाबदेह व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है, इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि संपूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढांचा विश्व-स्तर पर पहुंच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल 'दिखावे की अधोसंरचना' में बदल जाए, जो आयोजन–उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं, जहां खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में 'मरे हुए ढांचे' बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है, इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

सोशल फोरम

अपने बच्चे की सुंदरता पर मोहित मां बन गई खूनी

हरियाणा के पानीपत और सोनीपत जिलों से जुड़ी घटना है। एक शादी समारोह में छह साल की बच्ची विधि की मौत को दुर्घटना समझा जा रहा था। विधि अपने परिवार के साथ नौल्था गांव में

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

एक विवाह समारोह में आई थी। देर रात जब बारात निकलने की तैयारी हो रही थी, तब बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। तड़के जब उसकी दादी ऊपर की मंजिल पर पहुंचीं, तो एक स्टोर रूम का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर बच्ची का शव एक प्लास्टिक के टब में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें सिर्फ उसका सिर पानी में डूबा था। शुरुआत में परिवार इसे हादसा मान रहा था, लेकिन पुलिस को स्थिति संदिग्ध लगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका जाहिर हुई, जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

जांच के दौरान पुलिस की नजर बच्ची की मौसी पूनम पर गई, जिसकी बातों में विरोधाभास थे। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सबको सन्न कर दिया। 34 वर्षीय पूनम ने स्वीकार किया कि वह सिर्फ विधि ही नहीं, बल्कि कुल चार बच्चों की हत्याएं कर चुकी है, जिनमें उसका अपना ढाई-तीन साल का बेटा भी शामिल था। पुलिस के अनुसार पूनम को अपने बच्चे से ज्यादा सुंदर दिखने वाले बच्चों को मारने की इच्छा होती थी। उसने जनवरी 2023 में अपनी सगी भाभी की नौ साल की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद उसने अपने बेटे की भी हत्या कर दी, क्योंकि उसे डर था कि बच्चा सच्चाई बता सकता है।

अगस्त 2024 में उसने अपनी मौसेरी बहन की छह साल की बेटी की हत्या की, जिसे भी परिवार ने दुर्घटना मान लिया। हर बार मौत का तरीका एक ही था, पानी में डुबोना। सालों तक इन हत्याओं को संयोग और हादसा समझा जाता रहा, जब तक कि विधि की हत्या ने पूरी परतें नहीं खोल दीं। यह घटना हमें अचानक झकझोर कर यह पूछने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपराध को केवल कानून की भाषा में समझकर संतुष्ट हो सकते हैं, या हमें उसके भीतर छिपे उस अंधेरे को भी देखना होगा जो धीरे-धीरे मनुष्य को मनुष्य से काट देता है। चार-चार बच्चों की हत्या कोई क्षणिक उन्माद नहीं होती। वह लंबी मानसिक यात्रा का परिणाम होती है, जिसमें समाज, परिवार और व्यक्ति तीनों की चुप्पियां शामिल होती हैं।

सामयिकी

घर की चुप्पी में दम तोड़ती आधी आबादी

देश में घरेलू महिला हिंसा की ताज़ा तस्वीर बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में लगभग हर तीसरी महिला अपने जीवन के किसी न किसी पड़ाव पर अपने ही जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का सामना करती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिक संकेत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर एक गहरा प्रश्न है। एक ऐसा दस्तावेज़, जो घर की चारदीवारी में दबा दिया जाता है और बाहर की मुस्कान के पीछे छुपा रहता है।

यह तस्वीर हमारे सामाजिक ढांचे में मौजूद उस दरार को भी उजागर करती है, जहां रिश्तों के नाम पर सहनशीलता को संस्कार बताया जाता है और संरक्षण के नाम पर स्त्री के हिस्से में मौन का बंधन

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की 15 से 49 वर्ष आयु-वर्ग की लगभग बीस प्रतिशत महिलाओं ने केवल वर्ष 2023 में ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव किया। अपने ही घर में, अपने ही विश्वस्त साथी द्वारा की गई हिंसा किसी भी सभ्य समाज की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। यह हमारे उन नैतिक और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रश्न खड़ा करती है, जिन्हें हम गर्व से 'भारतीय संस्कार' कहते हैं।

घरेलू हिंसा को आमतौर पर शारीरिक उत्पीड़न की संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया जाता है, जबकि सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। अपमान, उपेक्षा, अविश्वास ये मानसिक हिंसा हैं। आवाज़ दबा देने वाली तिरस्कारपूर्ण चुप्पी, आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले ताने ये भावनात्मक हिंसा हैं। आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाना यह वित्तीय हिंसा है और सहमति को महत्व न देना यौनिक हिंसा है। कई बार यह हिंसा सामाजिक रूप ले लेती है, जब महिला को अपनों से अलग कर दिया जाता है या उसे परिवार के बीच ही अपमानित किया जाता है। यह धीमी, भीतर से तोड़ने वाली प्रक्रिया स्त्री के भीतर ऐसी दरारें पैदा कर देती है।

ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए वर्ष 2005 में लागू हुआ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस कानून ने पहली बार स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल मारपीट नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और यौन हिंसा भी है। इसने पीड़िता को संरक्षण आदेश, निवास के अधिकार, भरण-पोषण, मेडिकल सहायता, काउंसलिंग और आवश्यक होने पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी। कई राज्यों में प्रोटेक्शन ऑफिसर, वन-स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन सेवाओं ने हजारों महिलाओं तक पहुंच बनाई है। अनेक मामलों में यह कानून उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक सहारा साबित हुआ है।

कानून अपनी जगह है और समाज अपनी जगह। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम ने जो ढांचा पेश किया, वह जितना आश्वासक है, उसका क्रियान्वयन उतना ही सीमित। प्रोटेक्शन ऑफिसरों की कमी, पुलिस और न्यायिक तंत्र की सुस्ती और पितृसत्तात्मक रवैये ने इस कानून की प्रभावशीलता को बाधित किया है। कई महिलाएं शिकायत तक दर्ज नहीं कर पातीं और जो करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है, इसलिए कानून ने रास्ता तो खोला है, पर उस रास्ते पर चलने के लिए अभी भी साहस से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में लगभग 84 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में कभी न कभी शारीरिक या यौन हिंसा का शिकार हो चुकी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सूपा देउराली नेपाल के सुदूर पहाड़ी पर स्थित देवी भगवती के एक रूप का मंदिर है, जहां नेपाल के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। भारत के यूपी, बिहार, भूटान से भी हजारों श्रद्धालु जाते रहते हैं। सूपा देउराली की ख्याति नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में तो है ही, साथ ही इसकी पहचान प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी है। सूपा देउराली देवी स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर नरपानी नामक एक पहाड़ी स्थल जहां के रिसोर्ट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भारतीय टूरिस्टों की भीड़ सदैव रहती है। यह स्थल नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश के अर्घाखांची जिले के संधिखर्क नगरपालिका में स्थित है।

विनम्रता का जीवंत प्रतीक

सूपा देउराली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और विनम्रता का जीवंत प्रतीक है। यह स्थान हमें यह सिखाता है कि विश्वास और नम्रता में ही शक्ति निहित है। अर्घाखांची की यह पवित्र धरा आज भी भक्तों के लिए आस्था का दीप प्रज्ज्वलित किए हुए है, जहां हर कदम पर भक्ति की सुगंध और देवी की कृपा की अनुभूति होती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

सुपा देउराली मंदिर श्रद्धा, विश्वास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है । यहां तक पहुंचने के लिए नेपाल के अंदर अर्घाखांची वाया बुटवल आना होता है, जबकि भारतीय सीमा के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा आदि से होकर आना होता है। बढ़नी, खुनुवा से इसकी दूरी 75 से 100 किमी की है, जबकि ककरहवा से यह दूरी थोड़ी बढ़ जाती है। साधन की जहां तक बात है, तो यदि अपने साधन से हैं, तो प्रतिदिन के हिसाब से भारतीय मुद्रा में 350 रुपये खर्चा आता है और यदि आप नेपाली साधन से जाना चाहें तो दांग, नेपालगंज से अर्घाखांची जाने नेपाली बस या बिंगर हमेशा उपलब्ध है।

सूपा देउराली मंदिर

आस्था, चमत्कार और सौंदर्य का संगम

उत्पत्ति और पौराणिकता

कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह इलाका केवल जंगल और पहाड़ियों से घिरा एक निर्जन स्थान था। एक दिन एक ग्वाला अपनी गायें चराते हुए यहां आया और देखा कि अपने आप एक पत्थर से दूध बह रहा है। वह हैरान होकर गांव लौट गया और सबको इस बात की जानकारी दी। ग्रामीण लोग ने वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना आरंभ कर दी। धीरे-धीरे वहीं से देवी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उस स्थान को सूपा देउराली नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय भाषा में 'सूपा' का अर्थ 'उच्च' या 'शानदार' और 'देउराली' का अर्थ 'पहाड़ी दर्रा' या 'विश्राम स्थल' होता है। यानी 'ऊंचे पहाड़ी पर विराजमान देवी का मंदिर।' इस मंदिर पर आकर पूजा-अर्चना करने से यूं तो तमाम प्रकार की मन्नतें पूरी होती हैं, लेकिन कहते हैं कि कुमारी लड़कियां सुंदर व खुशहाल वर के लिए यहां आकर पूजा अर्चना करती हैं।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

प्राकृतिक सौंदर्य

मंदिर के चारों ओर हरियाली, पर्वत श्रृंखलाएं और दूर-दूर तक फैले हिमालय के दृश्य इस स्थल को अद्भुत बनाते हैं। सुबह के समय धुंध से घिरी पहाड़ियों के बीच से उगता सूरज और मंदिर की घंटियों की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।

विनम्रता का संदेश

स्थानीय लोककथाओं में एक चमत्कारिक घटना आज भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले एक नेपाली जवान, जो ब्रिटिश सेना में सेवा कर चुका था, छुट्टी लेकर अपने गांव लौट रहा था। गर्व से भरा हुआ वह जब सूपा देउराली के पास पहुंचा, तो गांव वालों ने उसे देवी के दर्शन करने की सलाह दी, लेकिन घमंडी सेना का जवान हंसकर बोला, "मैं सैनिक हूं, मेरा कोई देवी-देवता क्या कर सकते हैं?" फिर वह मंदिर के पास जाकर उपहास पूर्वक एक पत्थर पर पैर रखकर कुछ व्यंग्य भरे शब्द बोला। तभी अचानक उसका शरीर उसी पत्थर से चिपक गया। गांव वाले भयभीत हो उठे और पुजारी को बुलाया गया। पुजारी ने देवी से क्षमायाचना करते हुए पूजा की और घंटों की प्रार्थना के बाद ही वह जवान पत्थर से अलग हो सका। वह रोते हुए देवी के चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगते हुए अपनी भूल का पश्चाताप किया। आज भी उस स्थान को "सैनिक टासेको ढुंगा" यानी "जहां सैनिक चिपक गया था" कहा जाता है। वहां भी आने वाले श्रद्धालु फूल, धूप और दीप अर्पित कर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बोधकथा

पिंकी का स्वाभिमान

पिंकी एक छोटे से कस्बे के साधारण परिवार की लड़की थी। उसके पिता सिलाई का काम करते थे और माता एक निजी स्कूल में सहायिका थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी, किंतु पिंकी आत्मसम्मान की भावना से पूर्णतया समृद्ध थी। उसे अपने परिवार की ईमानदारी पर गर्व था और अपनी मेहनत की बदौलत आगे बढ़ने का विश्वास भी। पिंकी पढ़ाई में होशियार थी और उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास झलकता था। स्कूल की प्रतियोगिताओं में वह अक्सर भाग लिया करती थी, चाहे संसाधन कम हों या सुविधाएं। कई बार उसके सहपाठी उसकी साधारण वेशभूषा का मज़ाक भी उड़ाते थे। वे कहते, "देखो, पिंकी फिर वही पुरानी फ्रॉक पहनकर आ गई। इसको तो स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए।" पिंकी इन बातों को मन में रखती जरूर थी, पर टूटती नहीं थी। उसे मालूम था कि मनुष्य का मूल्य चमकते कपड़ों से नहीं, बल्कि उज्ज्वल विचारों से तय होता है।

एक दिन स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता की घोषणा हुई। विषय था-"स्वाभिमान ही वास्तविक संपत्ति है।" पिंकी के मन में तो जैसे कोई दीपक जल उठा। उसने निश्चय कर लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह इस प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेगी, लेकिन समस्याएं यहीं से शुरू हो गईं। प्रतियोगिता के दिन उसके पिता को काम पर जाना था और माता स्कूल से देर से लौटती थीं। पिंकी को स्वयं तैयारी करनी थी। उसके पास नया पहनने को कुछ नहीं था, जबकि बाकी छात्र-छात्राएं मंच पर जाने के लिए नए कपड़े सिलवा रहे थे। जब वह फ़ॉर्म भरकर कक्षा में लौटी, तो कुछ लड़कियों ने व्यंग्य से कहा, "पिंकी, मंच पर जाने के लिए नए कपड़े नहीं होंगे तो सब मज़ाक समझेंगे! छोड़ दे, तुझे क्या ज़रूरत है?"

पिंकी के भीतर उस क्षण हल्की-सी टीस उठी, लेकिन उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मंच पर कपड़े नहीं, आत्मविश्वास चमकता है। मैं भाग लूंगी।" शाम को जब पिंकी घर पहुंची, तो उसने पिता को बताया कि वह प्रतियोगिता में भाग लेने वाली है। पिता ने मुस्कराते हुए कहा, "बिटिया, नए कपड़े तो इस बार नहीं दिला पाए, परंतु हमारा आशीर्वाद तेरे साथ है।" पिंकी ने सिर हिलाया और कहा, "मुझे बस इसी की आवश्यकता है, पिताजी।"

अगले दो दिन वह पूरी लगन से अपने भाषण की तैयारी करती रही। भाषण की हर पंक्ति में उसने अपने जीवन के अनुभवों को गूंथ दिया। कैसे स्वाभिमान किसी भी कठिनाई में मनुष्य का सहारा बनता है, कैसे आत्मसम्मान के बल पर मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी टिककर खड़ा रहता है, यह सब कुछ उसके भाषण में झलक रहा था।

प्रतियोगिता का दिन आया। स्कूल पहुंचते ही पिंकी की अभिन्न मित्र रेखा ने अपनी महंगी पोशाक उसे देते हुए कहा,"पिंकी, आज तुम इसे पहनकर मंच पर जाओगी। मैं नहीं चाहती कि कोई तुम्हारा ज़रा भी मज़ाक बनाए।" लेकिन पिंकी के स्वाभिमान ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। पिंकी बोली,"रेखा, मैं तेरी भावनाएं समझती हूं, लेकिन अगर आज मैंने तुम्हारी बात मान ली, तो मेरे भीतर से मेरी स्वाभिमान की दौलत खत्म हो जाएगी।" पिंकी ने अपनी साफ-सुथरी मगर पुरानी फ्रॉक ही पहनी और बालों को साधारण तरीके से बांध लिया। उसके कुछ सहपाठियों ने हंसकर कहा, "इस रूप में भी कोई मंच पर जाता है?" लेकिन पिंकी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गई। उसके कदम भले हल्के थे, पर मन भीतर से दृढ़ था। जब मंच पर उसका नाम पुकारा गया, तो सभागार शांत हो गया। पिंकी ने माइक पकड़ा और बोलना शुरू किया, "स्वाभिमान वह शक्ति है, जो किसी भी व्यक्ति को झुकने नहीं देती।गरीबी हो या कठिनाई, यदि मन में आत्मसम्मान है तो मनुष्य हर बाधा पर विजय पा सकता है" उसके शब्दों ने मानो पूरे सभागार पर जादू कर दिया हो। पिंकी के शब्दों में सच्चाई थी, अनुभव था और संघर्ष की चमक भी। उसके भाषण ने यह संदेश दे दिया था कि इंसान की असली सजावट उसके मूल्यों में होती है, न कि महंगे वस्त्रों में। भाषण समाप्त होते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

वह पल पिंकी कभी नहीं भूल पाई, जबकि अनगिनत लोग सिर्फ उसकी बातों के लिए, उसके साहस के लिए और उसके स्वाभिमान के लिए ताली बजा रहे थे। जब परिणाम घोषित हुए, तो पिंकी प्रथम स्थान पर रही। प्रिंसिपल ने ट्रॉफी देते हुए कहा, "पिंकी, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि सफलता दिखावे की नहीं, विश्वास की मोहताज होती है।" मंच से उतरते हुए पिंकी के वही सहपाठी, जो उसके कपड़ों पर हंसते थे, आज सर नीचा किए खड़े थे। घर लौटकर पिंकी ने ट्रॉफी पिता की गोद में रख दी और कहा, "पिताजी, आज मैंने जो जीता है, वह आपसे मिली हुई सीख की वजह से। उसके पिता की आंखें भर आईं। उन्होंने पिंकी को हृदय से लगा लिया।

प्रेरणा अवस्थी, *लखीमपुर खीरी*

पौराणिक कथा

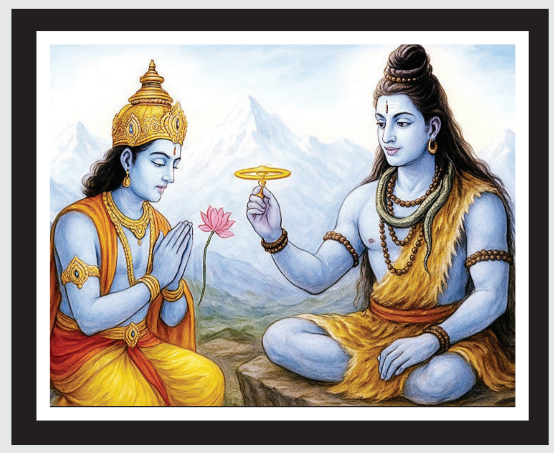

सुदर्शन चक्र की उत्पत्ति

एक समय ऐसा आया जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। उनके आतंक से न केवल मनुष्य त्रस्त थे, बल्कि देवताओं के लिए भी धार्मिक कार्य करना कठिन हो गया था। राक्षसों का उद्देश्य केवल पृथ्वी को ही नहीं, बल्कि स्वर्गलोक को भी अपने अधीन करना था। देवराज इंद्र चिंतित थे, राक्षसों की शक्ति प्रतिदिन बढ़ रही थी और देवताओं का सामर्थ्य उनके सामने क्षीण पड़ रहा था। अंततः स्वर्ग के सभी देवगण इंद्र के नेतृत्व में भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और व्याकुल स्वर में बोले- "हे नारायण, राक्षसों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कृपा कर हमें इस संकट से मुक्ति दें।" भगवान विष्णु देवताओं की व्यथा सुनकर गंभीर हुए। वे जानते थे कि इस विनाशकारी स्थिति का समाधान स्वयं वे नहीं, बल्कि भगवान शिव कर सकते हैं। विष्णुजी शिवजी को अपना आराध्य मानते थे और शिवजी विष्णुजी को अपना इष्ट। इसलिए देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं पर जाकर भगवान शिव की तपस्या करने का निश्चय किया।

विष्णुजी ने शिव के सहस्त्र नामों का जाप आरंभ किया। उनका संकल्प था कि प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित करेंगे। तप की अग्नि में लीन होकर वे निरंतर एक-एक नाम का उच्चारण करते और कमल अर्पित करते गए। इस अद्भुत भक्ति को देखकर भगवान शिव ने मन ही मन सोचा-"क्यों न आज मैं अपने आराध्य की भक्ति की परीक्षा लूं?" यही सोचकर शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक कमल का फूल अदृश्य कर दिया।

तप में लीन भगवान विष्णु को इसका आभास तक न हुआ। जब सहस्त्र नामों के अंतिम नाम का उच्चारण करने का समय आया, तब उन्होंने देखा कि कमल एक कम है। यदि कमल चढ़ाया नहीं गया, तो उनका संकल्प भी अधूरा रह जाएगा और तपस्या भंग हो जाएगी। परंतु भगवान विष्णु का मन तनिक भी विचलित न हुआ। विष्णुजी कमल नयन कहलाते हैं, इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि कमल के स्थान पर वे अपनी आंख अर्पित करेंगे। बिना किसी संकोच के अपनी एक आंख भगवान शिव को समर्पित कर दी।

विष्णुजी की इस निष्ठा और त्याग को देखकर भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और तुरंत प्रकट होकर बोले- "हे विष्णु, तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मांगो, क्या वर चाहते हो?" विष्णुजी ने विनम्र होकर कहा- "प्रभो, राक्षसों के अत्याचार से देवता और मनुष्य सभी कष्ट में हैं। उनका अंत करने हेतु आप ही अजेय शस्त्र दे सकते हैं। वही वर प्रदान कीजिए।" भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए अपने परम दिव्य और अजेय शस्त्र सुदर्शन चक्र विष्णुजी को अर्पित किया। इस चक्र की शक्ति से भगवान विष्णु ने समस्त राक्षसों का संहार कर संसार को पुनः धर्म और शांति के मार्ग पर स्थापित किया। **—फीचर डेस्क**

किचन का गलत वास्तु बढ़ा सकता है मेडिकल बिल!

किचन में अगर आग, पानी और दिशाओं का संतुलन बिगड़ा हो तो सबसे ज्यादा असर पाचन शक्ति, ब्लड प्रेशर, तनाव, हार्मोनल और स्त्री-रोगों पर देखा जाता है। आसान उपायों से बिना तोड़-फोड़ के भी किचन के वास्तु को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है। जिससे आप और आपका परिवार खुशहाल जीवन बिता सकता है।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

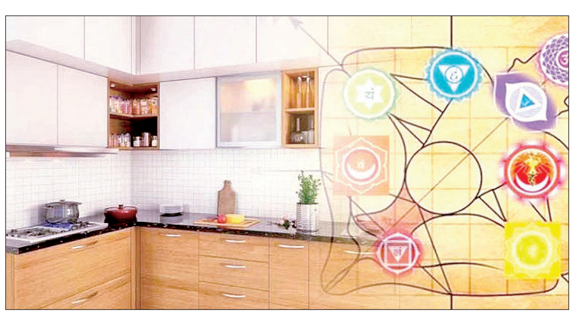

कौन सी बीमारियां संभव हैं

- अगर किचन उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में हो तो गैस, एसिडिटी, कब्ज, पाचन गड़बड़ी, मानसिक तनाव और चिंता जैसे रोग बढ़ सकते हैं, क्योंकि यहां जल तत्त्व पर अग्नि हावी हो जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में किचन होने पर घर के पुरुषों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, दुर्घटना, क्रॉनिक स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ने की संभावना मानी जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम किचन या आग तत्त्व की गड़बड़ी से घर की महिलाओं को पैरों में दर्द, कमजोरी और स्त्री-रोग, हार्मोनल इंबैलेंस की दिक्कतें भी बताई गई हैं।
- किचन में रंग और ऊर्जा गलत हों (जैसे बहुत गहरा लाल या नीला/जल तत्त्व वाले रंग) तो सिरदर्द, माइग्रेन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

क्या है आदर्श वास्तु

- किचन की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोन) मानी जाती है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम दिशा ठीक रहती है।
- गैस-चूल्हा या कुकटॉप दक्षिण-पूर्व कोने में हो और खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो तो स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों के लिए अच्छा रहता है।
- सिंक, वॉश-बेसिन, ड्रेनेज आदि उत्तर या उत्तर-पूर्व साइड में रखें, ताकि पानी और आग तत्त्व आपस में टकराएं नहीं।

आसान घरेलू उपाय

- जहां पर भी चूल्हा लगा है, उस ज़ोन को साफ-सुथरा रखें, रोज़ दीया या छोटी लौ जलाकर 2-3 मिनट मंत्र/प्रार्थना करें, इससे अग्नि तत्त्व संतुलित होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।
- अगर किचन उत्तर-पूर्व में है, तो वहां हमेशा सफाई रखें, हल्के पीले/क्रीम रंग का पेंट या स्टिकर लगाएं, आग के ठीक आसपास लाल रंग कम से कम रखें, और उस कोने में ज्यादा भारी सामान न रखें।
- दक्षिण-पश्चिम किचन होने पर उस कोने में भारी स्टोरेज (अनाज, डिब्बे) रखें, खूब अर्थी टोन (ब्राउन, बेज) के रंग प्रयोग करें और रोज़ मोटा सेंधा नमक छोटे कटोरे में रखकर बदलते रहें, इससे तनाव और विवाद की ऊर्जा कम होती मानी जाती है।
- किचन में पीला, हल्का नारंगी, ब्राउन जैसे गर्म लेकिन सॉफ्ट रंग दीवारों/टाइल्स/कर्टेन में रखें, नीला/डार्क ब्लू और काला रंग कम से कम रखें, खासकर गैस के पीछे या आसपास।

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिप्स

- किचन हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें, एग्ज़ॉस्ट या चिमनी से धुआं और गर्मी बाहर निकलने दें, इससे सांस और सिरदर्द से जुड़ी दिक्कतें भी घटती हैं।
- अनाज, दाल, तेल आदि के भारी डिब्बे दक्षिण या पश्चिम साइड रखें, उत्तर-पूर्व में भारी स्टोरेज से बचें, इससे स्वास्थ्य और समृद्धि दोनों बेहतर मानी जाती हैं।
- रात को सोने से पहले किचन साफ करके गैस-स्टोव पोंछें, गंदे बर्तन न छोड़ें और एक छोटी कटोरी में थोड़ा पानी और या तो कपूर/लौंग/इलायची जला कर सुगंध फैलाएं, इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।
- अगर किचन में कोई कोना डेड या बहुत बंद है, वहां हल्का क्वार्ट्ज/मेटल पिरामिड या छोटा फव्वारा/पौधा रखने से रुकी हुई ऊर्जा को चलायमान करने में मदद मिलती है (कॉमर्शियल पिरामिड भी बहुत लोग इसी उद्देश्य से लगाते हैं)।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,102.69	25,960.55
गिरावट	609.68	225.90
प्रतिशत में	0.71	0.86

सोना 1,32,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1200, बासमती- 5900, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 4300, साबुत चना दाल- 3400, मूंग साबुत- 4600, राजमा- 9000-12100, दाल उड़द-7200, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5400, काबुली चना- 9400, अरहर दाल-10300, लोबिया/करमानी- 2200

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

दो सत्रों की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेज गिरावट, निफ्टी भी 26 हजार के नीचे पहुंची

- **विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बढ़ा दबाव**
- **फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले निवेशकों ने अपनाया सतर्क रुख**

मुंबई, एजेंसी

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई।

बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। एक समय यह 294.2 अंक टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। जापानी बॉण्ड प्रतिफल के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, जिससे येन कैरी ट्रेड के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।

मिड व स्मॉलकैप सहित सभी सेक्टरों में गिरावट

मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.73 और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट रही जबकि 950 शेयरों में तेजी रही और 187 अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में 3.70, रियल्टी में 3.50, पूंजीगत वस्तुओं में 2.83, दूरसंचार में 2.53, औद्योगिकी वस्तुओं में 2.21, उपयोगिताओं में 2.10, धातु में 1.96 और बिजली में 1.84 प्रतिशत की गिरावट रही।

विदेशी बाजारों में दिखी तेजी

एशिया के अन्य बाजारों में द. कोरिया का कॉस्पी 1.34 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत और जापान का निक्की 0.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

भारत अपने स्त्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

मॉस्को, एजेंसी

- **रूस ने भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर रहेगा कायम**

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्त्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा। वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो के लिए नकारात्मक, वित्तीय नुकसान भी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **मूडीज रेटिंग एजेंसी बोली- एक साल से तय नियमों का सही से नहीं कर सकी पालन**

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है। यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई।

इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। मूडीज ने कहा कि ये व्यवधान साख के लिए नकारात्मक हैं, क्योंकि इंडिगो को राजस्व हानि, उड़ान रद्दीकरण, रिफंड और प्रभावित यात्रियों को अन्य क्षतिपूर्ति के साथ ही डीजीसीए द्वारा लगाए जा सकने वाले जुर्मानों के कारण महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मूडीज ने योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में एयरलाइन की महत्वपूर्ण चूक को इसका प्रमुख कारण बताया क्योंकि ये नियम उद्योग को एक साल से अधिक पहले बताए गए थे।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर 8% लुढ़का

- **एक्सचेंज ने विमान सेवा कंपनी को कारण बताओ नोटिस किया जारी**

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिंक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शेयर बाजार ने इस खबर पर एयरलाइंस से जवाब मांगा है। इस बीच, बीएसई में इंडिगो का शेयर आज 444.75 रुपये (8.28 प्रतिशत) गिरकर 4,926.55 रुपये रह गया। कंपनी के शेयर में इस महीने 16.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। नवंबर के अंतिम कारोबारी दिवस पर एयरलाइंस का शेयर 5902.70 रुपये पर बंद हुआ था। इस प्रकार, यह 976.15 रुपये टूट चुका है।

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बोर्ड ने कहा- वित्तीय स्थिरता, जोखिम प्रबंधन तथा व्यापार को आसान बनाने को नए नियम**
- **नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को किया अनिवार्य**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है। बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

वंदे मातरम् से अन्याय, तुष्टीकरण की हुई थी शुरुआत

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले- राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को समान दर्जा देना था, लेकिन वंदे मातरम् को खंडित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदे मातरम्' के साथ हुआ 'अन्याय' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरुआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया। लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

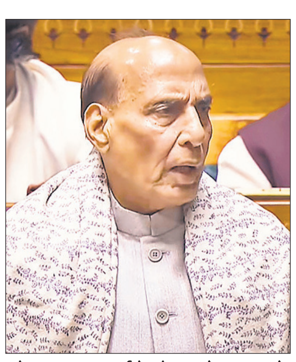

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान लोकसभा को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को 'खंडित' किया गया। सिंह ने कहा कि वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना समय की मांग और नैतिकता का तकाजा है। हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए। सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् और बंकिमचंद्र चटर्जी की पुस्तक 'आनंद मठ' कभी भी इस्लाम के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि आज पश्चिम बंगाल से बहुत से परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है और ऐसा तृणमूल कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठियों को शरण देने की राजनीति के कारण हुआ है।

बीच में टोके जाने पर भड़के रक्षामंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में अपने वक्तव्य के दौरान किसी विपक्षी सदस्य के बीच में टोकने पर सख्त नाराजगी जताई। राजनाथ सिंह वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए बोल रहे थे, तभी विपक्ष के किसी सदस्य ने टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि संसद में कोई चाहे जो बोले, सच बोले, सत्य से थोड़ा परे भी बोले, लेकिन शोर-शराबा नहीं मचाना चाहिए।

वंदे मातरम् से हमें एनर्जी, कांग्रेस को एलर्जी : अनुराग

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम से हमें एनर्जी मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे एलर्जी होती है। लोकसभा में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला। ठाकुर ने कहा कि अभी गलियारों में चर्चा थी कि पांच दिन से प्रियंका तैयारी कर रही हैं और वंदे मातरम् सुनाएंगी। उन्होंने इतने महापाप किए हैं कि प्रायश्चित का समय आ गया है।

नेहरू ने हटाए वंदे मातरम के कुछ छंद: बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि तत्कालीन कलकत्ता में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पारित कांग्रेस के प्रस्ताव के दौरान वंदे मातरम के कुछ छंद हटाए गए थे। बोम्मई ने एक्स पर लिखा, तथ्य सीधा है। राष्ट्रगान में बदलाव निर्विवाद ऐतिहासिक घटना थी। उन्होंने कहा कि कलकत्ता में नेहरू के प्रस्ताव में वंदे मातरम के कुछ छंद हटाए गए थे। यह इतिहास है, राय नहीं। प्रथम प्रधानमंत्री पर सांस्कृतिक विश्वास पर समझौते को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि नेहरू के फैसले से राष्ट्र में गहरे और स्थायी मतभेद पैदा हुए। नेहरू ने भारत की सांस्कृतिक आत्मा के बजाय समझौता चुना और उस चुनाव ने दरारें पैदा कीं- न सिर्फ वंदे मातरम में, बल्कि खुद देश में भी।

उम्मीद पर 5.17 लाख वक्फ संपत्ती पंजीकरण 2.16 लाख मंजूरी

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को तैयार किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5.17 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से छह महीने की समय सीमा के दौरान 2,16,905 संपत्तियों को नामित अनुमोदकों द्वारा मंजूरी दे दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने छह जून 2025 को इस केंद्रीय पोर्टल की शुरुआत की थी और वक्फ अधिनियम, 1995 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संपत्तियों का विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा छह दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि अंतिम समय सीमा नजदीक आते ही पंजीकरण की गति में काफी तेजी आई। आंकड़ों के अनुसार, 5,17,040 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण शुरू हुआ, जिनमें से 2,16,905 को मंजूरी मिली। इसके अतिरिक्त 2,13,941 संपत्तियां अंतिम अनुमोदन के लिए लंबित हैं।

बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बिहार विधानसभा चुनाव में मिली जीत पर राजग सांसदों से प्रधानमंत्री ने कहा**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत के बाद लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को उस समय यह संदेश दिया, जब राजग सांसद मोदी को बिहार चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत की बधाई देने के लिए दिल्ली आए थे। बैठक के बाद शांभवी ने कहा कि हमने बिहार में शानदार नेतृत्व और प्रचार अभियान के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी तथा उनका आभार जताया, जिसके कारण हमारे चुनाव अभियान को मजबूत गति मिली थी। प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

शांभवी ने बताया कि मोदी ने सांसदों से बिहार के लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया, क्योंकि सभी के लिए समावेशी विकास राजग की स्पष्ट प्राथमिकता है, फिर चाहे वे किसी भी वर्ग के हों। शांभवी के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि वे नकारात्मकता, घृणा और झूठ के बजाय प्रगति पर ध्यान केंद्रित करें। मोदी ने बिहार के राजग सांसदों को याद दिलाया कि उनका असली काम चुनाव के बाद शुरू होता है।

हादसे के बाद फुकेत भागे सौरभ और गौरव

नाइट क्लब अग्निकांड

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के कुछ घंटे बाद ही उसके मालिक और मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा फुकेत भाग गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोवा पुलिस ने सौरभ और गौरव लूथरा को पकड़ने के लिए सीबीआई के इंटरपोल प्रभाग से समन्वय स्थापित किया हैं।

गोवा पुलिस के अनुरोध पर खुफिया ब्यूरो (बीओआई) ने 7 दिसंबर तक उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। अधिकारी ने कहा कि मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क किया गया और पाया गया कि दोनों घटना के तुरंत 7 दिसंबर को सुबह 5.30 बजे फुकेत भाग गए थे। गोवा पुलिस गौरव और सौरभ के दिल्ली वाले घर पहुंची, चूंकि वे नहीं थे, इसलिए के गेट पर कानून की उचित धाराओं के तहत नोटिस चिपका दिया गया।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

सरकार ने नाइट क्लब की घटना की जांच करने के लिए सोमवार को मजिस्ट्रेट जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की। अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी अंकित यादव की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। समिति के सदस्यों में दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा, फोरेंसिक विज्ञान निदेशक आशुतोष आप्टे और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक राजेंद्र हलर्नकर शामिल हैं।

आतिथ्य कंपनी की दो संपत्तियां की गई सील

नाइट क्लब हादसे को लेकिर गोवा सरकार ने रोमियो लेन कंपनी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। आतिथ्य कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी सील किया गया है। गोवा की अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी गोवा जिला प्रशासन ने 'रोमियो लेन' श्रृंखला के वागातोर स्थित एक बीच कैफे और आसगांव स्थित एक अन्य क्लब को भी सील कर दिया है।

बार काउंसिल चुनावों में 30% सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्यों को दिया निर्देश**

सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़े कदम के तहत सोमवार को कहा कि जिन राज्यों की बार काउंसिलों में चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुये हैं, उनमें 30 प्रतिशत सीटें महिला वकीलों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के लिए 20% सीटें चुनी हुई महिला सदस्यों द्वारा भरी जाएंगी और 10% सह विकल्प से भरी जायेंगी।

न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में महिला उम्मीदवारों की संख्या कम है, वहां सह विकल्प का प्रस्ताव उसके सामने रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन छह राज्य बार काउंसिल में कोई आरक्षण लागू नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। ये राज्य आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ हैं। इसके बावजूद, पीठ ने इन राज्यों के अधिवक्ता मतदाताओं से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को उनके वोटों के माध्यम से पर्याप्त और सार्थक प्रतिनिधित्व मिले। न्यायालय ने कानूनी पेशे में महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

वांगचुक ने वीसी से पेश होने की मांगी अनुमति, केंद्र का विरोध

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल उस अर्जी का विरोध किया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उनकी हिरासत से संबंधित मामले में जोधपुर जेल से वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिये पेश होने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि कार्यकर्ता जेल से वीसी से जुड़ना चाहते हैं और इसकी अनुमति मांगी है।

निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सिद्दरमैया से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से 2023 के चुनावों में वरुणा विस क्षेत्र से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा। इस क्षेत्र का मतदाता होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में पांच गारंटियों का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि सिद्दरमैया जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने के. शंकर नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सिद्दरमैया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

इंडिगो से जुडी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है।

अमृत विचार

वर्ल्ड ब्रीफ

जकार्ता में लुप्तप्राय जायंट पांडा के शावक ने लिया जन्म

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत के वन्य जीव संरक्षण केंद्र तमन सफारी इंडोनेशिया (टीएसआई) में एक विशाल पांडा शावक ने जन्म लिया है। यह घटना देश के लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के प्रयासों में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। टीएसआई के सोमवार के बयान के अनुसार, इस शावक को 27 नवंबर को मादा पांडा हचुन ने जन्म दिया। हचुन उन दो विशाल पांडाओं में से एक है जिन्हें चीन के साथ 10 साल के संरक्षण सहयोग कार्यक्रम के तहत 2017 में इंडोनेशिया भेजा गया था। टीएसआई ने कहा कि यह जन्म उसकी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रजनन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसमें चीन के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला है। शावक की हालत स्थिर है और उसे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पैरिस के लूव्र म्यूजियम की लाइब्रेरी में घुसा पानी 400 किताबें भीगीं

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित सुप्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में पानी भर जाने मिस्र विद्या या मिस्रविज्ञान (इजिप्टोलॉजी) लाइब्रेरी की सैकड़ों किताबें खराब हो गई हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने रविवार को संग्रहालय के उप प्रबंधक फ्रांसिस स्टेनबॉक के हवाले से बताया कि 26 नवंबर को हुई इस घटना से 300 से 400 किताबें प्रभावित हुई। इनमें मिस्र की पढ़ाई से संबंधित पत्रिकाएं और वैज्ञानिक प्रलेखन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल शोधकर्ता नियमित रूप से करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक कलाकृति या चीज को नुकसान नहीं हुआ है और कोई भी ऐसा नुकसान नहीं हुआ है जिसे ठीक न किया जा सके।

म्यामांर में 1178 चीनी साइबर अपराधियों को वापस भेजा गया

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1,178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि एक दिसंबर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवंबर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के बीच मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने आपसी सहयोग से सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन न करने का अधिकार

न्यूयार्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इन्कार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट की ओर से मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनका अनुरोध अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

आजादी के गीत पर राजनीतिक संग्राम

वंदे मातरम् पर विवाद

बंकिम चंद्र चटर्जी लिखित गीत वंदेमातरम् जो कभी आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार बना था, आजाद भारत में अब उसी गीत पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। यह विवाद इसलिए शुरू हुआ है क्योंकि इस गीत के 150 साल पूरे होने पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की गई है और सत्ता पक्ष और विपक्ष ने 1937 में गीत के कुछ महत्वपूर्ण अंशों को हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। इस सियासी विवाद की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इस पर चर्चा की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। विपक्ष भी इस पर कम आक्रामक नहीं है। वह उन ऐतिहासिक विशेषज्ञों का हवाला दे रहा है जिनके अनुसार 1937 में वंदे मातरम् के कुछ छंदों को हटाने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन में समावेशिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था।

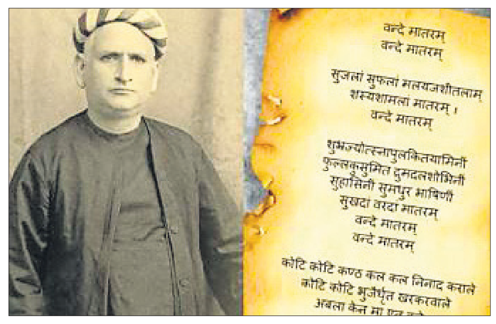

सत्तापक्ष के आरोप

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया, जिससे गीत की मूल भावना कमजोर हुई।
- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि छंदों को हटाने का यह निर्णय तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा था और इसी मानसिकता ने 1947 में देश के विभाजन के बीज बोए।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रिटिशों की फूट डालो और राज करो की नीति सांप्रदायिक आपत्ति के पीछे थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

- मद्रास हाईकोर्ट ने जुलाई 2017 में एक महत्वपूर्ण फैसले में तमिलनाडु के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया था।
- अदालत का आदेश था सभी सरकारी-निजी स्कूलों में सप्ताह में कम से कम एक बार वंदे मातरम् गाया जाना अनिवार्य होना चाहिए।
- अदालत ने छात्रों को विवेक की स्वतंत्रता दी। कहा, यदि कोई गीत गाने में सहज महसूस नहीं करता है तो उसे बाध्य नहीं किया जाए।
- बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वंदेमातरम् को अनिवार्य करने के आदेश पर रोक लगा दी और कहा- किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता है।

विपक्ष का जवाब

- कांग्रेस ने कहा, यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष नेताओं की सलाह पर लिया गया था, ताकि इसे एक साझा राष्ट्रीय गीत बनाया जा सके।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी और असमानता से ध्यान भटकाने के लिए इस बहस को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा है, भाजपा-आरएसएस ने अपने कार्यक्रमों में कभी वंदे मातरम या राष्ट्रगान नहीं गाया है, कांग्रेस ही हमेशा से इसकी ध्वजवाहक रही है।

क्या कहता है इतिहास

- मूल गीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ थे। मुस्लिम लीग ने इन्हें इस्लाम के एकेश्वरवाद के खिलाफ बताकर आपत्ति की थी।
- गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि स्वतंत्रता का आंदोलन समावेशी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र बनाए रखे।
- टैगोर ने सुझाव दिया कि आपत्तिजनक संदर्भ से पहले दो छंद राष्ट्रीय समारोहों में गाने चाहिए जिनमें जिनमें मातृभूमि की सुंदरता का वर्णन है।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 29 अक्टूबर, 1937 को खुला निर्णय लिया कि पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह भी संज्ञान लिया गया था कि वंदेमातरम् के पहले दो छंद ही सबसे अधिक लोकप्रिय थे बाकी छंद आम तौर पर कम उपयोग किए जाते थे।

संविधान सभा की घोषणा

- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को वंदे मातरम् को भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व के कारण राष्ट्रीय गान के समान दर्जा मिले।

भारत की अपने नागरिकों से अपील चीन यात्रा में समझदारी से काम लें

अरुणाचल की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के बाद परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी दूसरे गंतव्य पर जाने के लिए चीन से गुजरते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। और समझदारी से काम लें। नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान इस महिला के भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इन्कार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा। जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जायसवाल ने कहा, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें।

- उम्मीद जताई भारतीय नागरिकों को परेशान नहीं करेगा चीन

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दोहराया, अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि शंघाई हवाई अड्डे पर हाल ही में हुई घटना के बाद उभरी चिंताओं से हम पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह भरोसा देंगे कि चीन के एयरपोर्ट से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीन सम्मान करेगा।

18 घंटे हिरासत में रखा था पेम वांग थोंगडोक को

पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक महिला यात्री पेम वांग थोंगडोक को चीन से गुजरने के दौरान शंघाई हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटों तक हिरासत में रखा गया था। उन्हें तब तक वहीं रखा गया जब तक भारतीय अधिकारी मामले को सुलझाने और उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद चीन के साथ भारत के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद चीन का त्रिपक्षीय सहयोग पर जोर

- कहा- तीनों देशों रिश्ते साझा हितों के अनुरूप

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

तनाव बढ़ा, थाईलैंड ने कंबोडिया सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी। यह संघर्ष विराम समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अक्टूबर में कराया गया था लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां अन्यत्रचले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।

- दांव पर लगा ट्रंप की मध्यस्थता में हुआ संघर्ष विराम, सीमाई इलाकों से 50,000 लोग विस्थापित

रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

नाइजीरिया की मदद से नाकाम हुई बेनिन में तख्तापलट की कोशिश

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके।

खालिस्तान समर्थन संगठन पर प्रतिबंध के ब्रिटेन के निर्णय का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा के साथ संबंधों के लिए एक ब्रिटिश सिख व्यवसायी और उससे जुड़े गुट पर ब्रिटेन सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का स्वागत किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि ब्रिटेन सरकार के कदम आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा, हम ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत विरोधी कट्टरपंथी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों का स्वागत करते हैं, जो आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करते हैं, और गैर-कानूनी वित्तीय प्रवाह और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क को रोकने में मदद करते हैं।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौतियों का दिया गया हवाला

रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जलवायु के लिहाज से पृथ्वी अनेक संकटों से जूझ रही है तो अंतरिक्ष मौसम भी इस वर्ष ऐतिहासिक रहा, जिसने सौर विकिरण की बारिश कर वातावरण को दूषित करने में दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। साथ ही, इस सदी में सूर्य ने एक्स क्लास की 20 ज्वाला का रिकॉर्ड बनाया है।

अंतरिक्ष के मौसम को कमतर नहीं आंका जा सकता है। पृथ्वी का अपना मौसम समुद्री जलधाराओं से प्रभावित होता है तो अंतरिक्ष मौसम सूर्य की ज्वालाओं से प्रभावित होता है जिसमें सर्वाधिक खतरनाक सौर तूफानों को

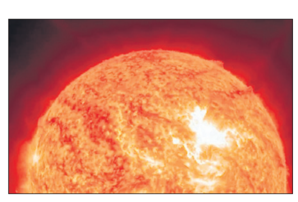

- एक्स क्लास की भयानक 20 सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास

माना जाता है। ये इतने शक्तिशाली होते हैं कि हमारे सैटेलाइट के संचालन को ठप कर सकते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल ग्रिड को ध्वस्त करने की ताकत रखते हैं। इसके अलावा हवाई उड़ानों में बाधा पहुंचा सकते हैं। सौर विस्फोट से निकलने वाले उच्च ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण भी हमारे उच्च आसमानी क्षेत्र में फैल जाता है। जिस कारण 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर यात्रा करने वाली गर्भवती महिला के भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती है।

इस वर्ष नवंबर माह विकिरण को लेकर सर्वाधिक असरकारक रहा। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य में उत्पन्न 11 नवंबर की ज्वाला सर्वाधिक खतरनाक रही। इस ज्वाला से उठे सौर तूफान से विमान बोइंग 320 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। साथ ही, यह तूफान भारी मात्रा में आसमान में करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई में विकिरण फैला गया, जो सामान्य स्तर से दस गुना अधिक था। इस विकिरण का प्रभाव 15 घंटे तक बना रहा, जबकि सामान्यतौर पर छः घंटे से अधिक विकिरण का प्रभाव नहीं रहता है। यह 25वा सौर चक्र है, जो पिछले कई सौर चक्रों की तुलना सर्वाधिक प्रभावशाली रहा है। सौर तूफानों के उठने से कई देशों में रेडियो ब्लैक आउट करना पड़ा और हवाई उड़ानों के सिग्नल्स को भी प्रभावित किया। सूर्य अभी भी सक्रियता के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा आने वाले दिनों में भी सूर्य की सतह पर विस्फोट जारी रहेंगे, उनसे उच्च स्तरीय सौर तूफान उठेंगे और इनसे नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

ऐतिहासिक रहा यह वर्ष : डॉ. वहाबुद्दीन

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह वर्ष अब तक की सबसे तीव्र सौर ज्वाला उत्पन्न करने के अलावा, एक्स-श्रेणी की सर्वाधिक ज्वालाओं का वर्ष रहा, जो पृथ्वी की ओर उच्च गति वाले प्रोटॉन और अन्य ऊर्जावान कणों की एक धारा भी फैला गया। पूर्व में इस तरह की सौर गतिविधि बहुत कम ही देखी गईं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता जारी रहने वाली है, लिहाजा अंतरिक्ष मौसम का खतरा बने रहने की संभावना है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 02.28 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

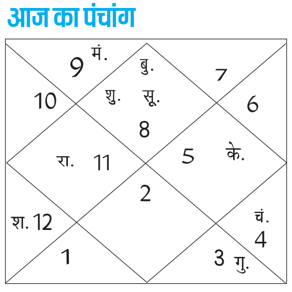

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 10 दिसंबर 02.22 तक तत्पश्चात मघा।

मेष - आज दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं। माता की सलाह आपके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। आदर्शवादी विचारों से आपको बचना चाहिए। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। बच्चों की सफलता पर गर्व का अनुभव करेंगे।

वृष - आज आपका पूरा ध्यान करियर में रहेगा। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नये सहयोगी जुड़ने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ मिलेगा।

मिथुन - आज व्यापार में विस्तार के लिए लोन ले सकते हैं। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आपके मुख-मंडल पर प्रसन्नता के भाव रहेंगे। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपको तनाव से दूर रहने के लिए योग और ध्यान की आवश्यकता है।

कर्क - आज जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और प्रेम भाव में वृद्धि होगी। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। गूढ़ विद्याओं की ओर आपका रूझान बढ़ेगा। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। गलत खबरों को फैलाने से बचें। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी।

सिंह - आज दांपत्य सुख में कमी आयेगी। नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। अपने व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। धन संबंधी चिंता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुरानी कड़वी यादें आपका मन खराब करेंगी।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। मित्रों से आपको काफी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

तुला - आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। कमीशन संबंधी कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। मार्केटिंग संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक - आज पुराने निवेश से आपको धन लाभ मिलेगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु - आज आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। शत्रु आपके ऊपर हावी होने का प्रयास करेंगे। रिश्तों को लेकर आप थोड़े भावुक रहेंगे। यात्रा आपको बुरी तरह थका सकती है। ऑनलाइन कारोबारियों को पेमेंट आदि को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहिए।

मकर - आज प्रेमी जन अपने परिवार से विवाह को लेकर सहमति लेना चाहते हैं तो आज दिन शुभ है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको बहुमूल्य उपहार मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव होंगे।

कुंभ - आज निजी रिश्तों को लेकर समस्याओं का समाधान होगा। नया कारोबार शुरू करने में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग कठिन निर्णय ले सकते हैं। रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। जिस कार्य से परिणाम न मिल रहे हों उन्हें फिलहाल छोड़ना ही उचित है।

मीन - आज महत्वपूर्ण लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन से झूठ न बोलें। आपकी दिनचर्या काफी अनुकूल रहने वाली है। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। बुजुर्ग जातकों को सन्तान के करियर की चिन्ता हो सकती है।

सुडोकू-185

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
4								
			7	1				
	5							
				8				
		8						
								5
		3					2	

सुडोकू - 184 का हल

1	8	2	3	4	5	6	9	7
5	3	6	9	7	8	1	4	2
4	9	7	1	6	2	3	8	5
3	5	8	6	9	4	7	2	1
2	4	1	7	8	3	9	5	6
6	7	9	5	2	1	8	3	4
8	1	3	4	5	6	2	7	9
7	6	4	2	3	9	5	1	8
9	2	5	8	1	7	4	6	3

लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया। जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला।

–स्टीव स्मिथ

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

टी-20 सीरीज में जीत से आगाज करना चाहेगा भारत

गिल और हार्दिक की वापसी, विश्व कप की तैयारी की शुरुआत करेंगे मेजबान

शुभमन गिल।

कटक, एजेंसी

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

समय शाम 7:00 बजे से

अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

शुभमन गिल ने जमकर बहाया पसीना

कटक। शुभमन गिल ने दो घंटे तक कड़े अभ्यास के साथ वापसी की जबकि फिट हो चुके हार्दिक पंड्या ने यहां बाराबती स्टेडियम में टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व सोमवार को ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान गिल गर्दन में ऐंठन और 24 दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद वापस आए हैं और वह पूरी तरह से फिट दिखे। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी से पहले क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल से शुरुआत की। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों का सामना किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और यहां तक कि अभिषेक शर्मा भी उन्हें गेंदबाजी की। अभिषेक ने हालांकि बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। मुख्य विकेट के पास मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत के बाद गिल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया और उनके शानदार शॉट बार-बार गैलरी में गए। लोगों को बिना किसी भुगतान के अभ्यास सत्र देखने की इजाजत थी और जब गिल बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तो लगभग पांच हजार प्रशंसक उनकी हौसलाअफजाई कर रहे थे। उन्होंने कुछ मौकों पर शिवम दुबे से भी लंबे शॉट खेले।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यान्सेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

हार्दिक की वापसी से टीम को मिला संतुलन : सूर्यकुमार

कटक। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पांड्या की वापसी से टीम की एशिया कप में सफलता हासिल करने वाली रणनीति और संतुलन बहाल होगा।

भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा लेगी। तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बाएं हाथ के अंगूठे में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढ़ावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा। नयी गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं।

सूर्यकुमार ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिये। उन्होंने कहा वह टीम को विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा। उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को एक अच्छा संतुलन प्रदान करेगी। हार्दिक टीम से एक दिन पहले कटक पहुंच गए थे।

हाईलाइट

दूसरे वनडे में धीमे ओवर-रेट के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

अभिषेक मैच विजेता खिलाड़ी : मार्करम

कटक। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मार्करम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेखौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नयी पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मार्करम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।

लियोन से कोई शिकायत नहीं: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि लियोन को केवल इस मैच के लिए बाहर किया गया।

साई में 1191 पद खाली : खेल मंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को गंभीर रूप से कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था।

दुबई कैपिटल्स की अबूधाबी पर बड़ी जीत

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल की धमाकेदार पारी की मदद से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को 83 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पॉवेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाए जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स (32 गेंदों पर 52 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की जिससे दुबई कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चार विकेट पर 186 रन बनाए। इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : बिहार ने उप्र के खिलाफ किया उलटफेर

कोलकाता, एजेंसी

भारत के टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके जिससे बिहार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां उत्तर प्रदेश को छह विकेट से हरा दिया।

सलामी बल्लेबाज पीयूष सिंह की 54 गेंदों में 57 रनों की पारी के दम पर बिहार ने 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले मंगल महरौर ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश छह विकेट पर 144 रन ही बना सका। मध्यम गति की गेंदबाजी करने वाले महरौर को कप्तान सकीबुल गनी (20 रन पर एक विकेट) और साकिब हुसैन (31 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने अपने-अपने चार ओवरों में एक-एक विकेट लिया।

चंडीगढ़ ने एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से मात दी

हैदराबाद के अमन राव का विकेट लेने के बाद जश्न मनाती चंडीगढ़ की टीम।

कोलकाता : चंडीगढ़ ने अर्जुन आजाद (63) और शिवम भांबरी (42) की शानदार बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले 147 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। जम्मू कश्मीर ने नौ विकेट पर 150 रन बनाने के बाद मध्यप्रदेश की पारी को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 137 रन पर समेट कर 13 रन से जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र ने गोवा को हराया

ग्रुप के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने राहुल त्रिपाठी के 83 रन की शानदार पारी के बाद जलज सक्सेना, तनय सांघवी और विक्की ओस्तवाल के तीन-तीन विकेटों से गोवा को 15 रन से हराया। महाराष्ट्र ने 7 विकेट पर 161 रन बनाने के बाद गोवा को 19.3 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दोहा : निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई। तीस शॉट के फाइनल में जोरावर लय में नहीं दिखे और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले शुरुआती दो निशानेबाजों में शामिल रहे।

रियल मैड्रिड की घरेलू मैदान पर पहली हार

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रविवार को सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया। रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है।

रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया।

खिलाड़ियों का बिगाड़ा प्लान

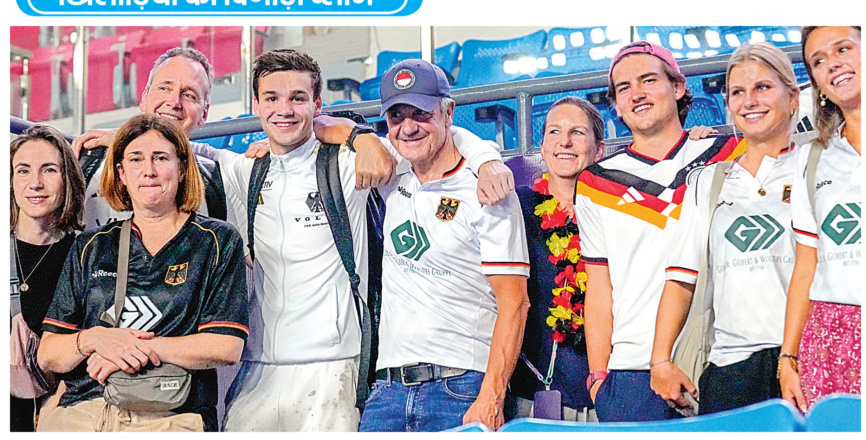

चेन्नई : जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ आए हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में उन्होंने यादगार पलों को संजोने के लिए फोटो सेशन कराया। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट की वजह से कई खिलाड़ियों, परिवारों और फैंस के ट्रैवल प्लान बिगड़ गए हैं। ● एजेंसी

भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स को 3-1 से हराया

हॉकी जू. महिला विश्व कप

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया।

भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल करने में सफल रहा। हिना ने साक्षी राणा के पास पर यह गोल किया। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम ने लगातार मौके बनाए जिसका उन्हें फायदा भी मिला जब राणा का शॉट सुनलिता के पास गया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से भारत ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी।

हॉकी जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

अब भी पदक जीतने का एक मौका है : श्रीजेश

चेन्नई , एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी।

सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने भाषा से खास बातचीत में कहा यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षायें थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाये। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके । पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी । कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं ।

हमें जर्मनी से सीखना चाहिए

मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को जर्मनी की तरह खेल पर नियंत्रण बनाना सीखना होगा। उन्होंने कहा हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिये था जिसमें हम नाकाम रहे। हमारी छोटी छोटी गलतियों का जर्मनी ने पूरा फायदा उठाया और गोल किए। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और वन टच यूरोपीय हॉकी खेलकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा जो हमें सीखना और समझना होगा।

09 साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का टूटा सपना

10 दिसंबर को कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

● फाइनल में स्पेन और जर्मनी टकराएंगे

यह पूछने पर कि मौजूदा चैम्पियन टीम के सामने होने के कारण क्या कोई मानसिक दबाव था, श्रीजेश ने कहा कि माहौल की वजह से कई बार दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन कई बार माहौल की वजह से दबाव बन जाता है । इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता ही है चूंकि इन खिलाड़ियों के पास उतना अनुभव अभी नहीं है । आपको उनकी टक्कर का मैच खेलना था क्योंकि एक बार दबाव में आने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है । इसके लिए मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है।

दो बार ओलंपिक कांस्य पदक का मुकाबला जीत चुके श्रीजेश ने कहा टीम के लिए जरूरी है कि अगले मैच का महत्व समझे क्योंकि अभी भी हमारे पास एक पदक जीतने का मौका है । यह खिलाड़ियों के लिए अहम है कि इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ मैचों में मौकों को भुनाना और मौके नहीं गंवाना सीखना होगा। यह पूछने पर कि क्या इस टीम में ऐसी प्रतिभाएं दिखती हैं जो आगे जाकर सीनियर स्तर पर भारत के लिए खेल सकती हैं, श्रीजेश ने कहा कि उन्हें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा इस टीम में छह सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सीनियर टीम में जाने के हकदार हैं । उन्हें हालांकि अभी और अनुभव की जरूरत है लेकिन विश्व कप और हॉकी इंडिया लीग के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे सीनियर कोर ग्रुप में होंगे। अगले साल विश्व कप, अजलन शाह कप, प्रो लीग, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं तो यह अनुभव उनके काम आयेगा । उन्होंने आगे कहा ये खिलाड़ी विश्व कप पदक जीतने के हकदार हैं क्योंकि पिछले एक साल में इन्होंने काफी मेहनत की है। अब मैदान पर जाकर इन्हें वह पदक जीतकर लौटना है ।